राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 261 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शनिवार ,20 मार्च 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

केंद्र ने दिल्ली उच्च न्यायालय से व्हाट्सएप को नई नीति लागू करने से रोकने का अनुरोध किया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को दिल्ली उच्च न्यायालय से 'व्हाट्सएप' को 15 मई से प्रभावी होने जा रही उसकी नई 'निजता नीति' एवं सेवा शर्तें लागू करने से रोकने का अनुरोध किया। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने फेसबुक के स्वामित्व वाले सोशल नेटवर्किंग मंच व्हाट्सएप की नई निजता नीति को चुनौती देने वाली एक याचिका के जवाब में दाखिल किये गये अपने हलफनामे में यह कहा। याचिकाकर्ता सीमा सिंह, एम. सिंह और विक्रम सिंह ने दलील दी है कि नई निजता नीति से भारतीय डेटा संरक्षण और निजता कानूनों के बीच बड़ा अंतराल होने का संकेत मिलता है। नई निजता नीति के तहत यूजर (उपयोगकर्ता) को या तो एप को स्वीकार करना होगा या उससे बाहर निकलना होगा, लेकिन वे अपने डेटा फेसबुक के स्वामित्व वाले किसी तीसरे एप से साझा करने से इनकार नहीं कर सकेंगे। मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल और न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 20 अप्रैल की तारीख तय की है।

सरकारी विभागों पर शिकंजा, सीबीआई ने 100 स्थानों पर छापे मारे

नई दिल्ली। सीबीआई ने शुक्रवार को 15 राज्यों में कम से कम 100 स्थानों पर छापे मार कर ऐसे सरकारी कार्यालयों का पता लगाने की कोशिश की जहां भ्रष्टाचार होने की आशंका है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, दिल्ली तथा अन्य राज्यों में रेलवे और आयकर विभाग के तथा अन्य कार्यालयों पर छापे की कार्रवाई अभी चल रही है। अधिकारियों के अनुसार एजेंसी ने छापे के लिए विभिन्न विभागों के सतर्कता दलों के साथ समन्वय किया है।

अनियोजित लॉकडाउन के कारण आई आपदा का दंश अब तक झेल रहा है देश: राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि देश अब भी अनियोजित लॉकडाउन का दंश झेल रहा है और सरकार की ''अक्षमता तथा अदूरदर्शिता'' के चलते लाखों परिवारों को पीड़ा उठानी पड़ी है। सरकार ने कोरोना वायरस के प्रकोप को रोकने के लिये पिछले साल 24 मार्च को राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन लागू किया था। गांधी ने लॉकडाउन के लिये सरकार पर हमलावर रुख अपनाते हुए कहा कि इसके चलते गरीबों और प्रवासियों को पीड़ा उठानी पड़ी है। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, ''देश अनियोजित लॉकडाउन के चलते आई आपदा का दंश अब तक झेल रहा है। सरकार की अक्षमता और अदूरदर्शिता के कारण बयान न की जा सकने वाली पीड़ा झेलने वाले लाखों परिवारों को सांत्वना देता हूं।'' गांधी ने अपने ट्वीट के साथ एक खबर भी साझा की, जिसमें यूनिसेफ के एक अध्ययन का हवाला देते हुए कहा गया है कि कोविड-19 के चलते दक्षिण एशिया के छह सबसे अधिक आबादी वाले देशों में भारत में शिशु मृत्युदर और मातृ मृत्यु दर में सबसे अधिक वृद्धि देखने को मिल सकती है।

कोविड टीके पूरी तरह सुरक्षित, भ्रमित होने की जरूरत नहीं: डा. हर्षवर्धन

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री हर्षवर्धन ने कोरोना वायरस के टीकों को लेकर अनेक लोगों के मन में पैदा हो रहीं आशंकाओं को खारिज करते हुए शुक्रवार को कहा कि दुनियाभर में वैज्ञानिक विश्लेषण के बाद टीकों को मंजूरी दी गयी है और हमें इन पर विश्वास करना चाहिए। हर्षवर्धन ने लोकसभा में प्रश्नकाल में कहा कि देश-दुनिया में बहुत सारे लोगों के मन में आशंका है कि कोरोना वायरस का टीका आने वाले समय में नुकसान तो नहीं पहुंचाएगा? उन्होंने कहा, ''भारत में जिन दो टीकों कोविशील्ड और कोवैक्सिन को इस्तेमाल की मंजूरी दी गयी है, वे सुरक्षा, प्रभावशीलता और प्रतिरक्षा क्षमता पैदा करने के मानदंडों पर पूरी तरह खरे उतरते हैं।''

महाराष्ट्र में कोरोना ने याद दिलाए सितंबर के सितम, लौट रहे पाबंदियों के दिन

कोरोना के बढ़ते मामलों से शिक्षण संस्थानों में तालाबंदी का खतरा, कई राज्यों में स्कूल-कॉलेज बंद, परीक्षाएं टली

नई दिल्ली । महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में कोरोना का कहर बढ़ता जा रहा है। महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटे में 25,833 कोरोना के नए केस सामने आए। वहीं 58 लोगों की मौत भी हुई। हालांकि इस दौरान 12,764 मरीज स्वस्थ भी हुए हैं। महाराष्ट्र में रोजाना आ रहे कोरोना वायरस के नए मामले सितंबर के सितम की याद दिला रहे हैं, जब उस वक्त भी कोरोना के रोजाना मामले इसी तरह आ रहे थे। महाराष्ट्र में कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित जिला नागपुर है। नागपुर में अब तक 1,82,552 लोग संक्रमित हो चुके हैं जबकि 1,54,410 मरीज स्वस्थ भी हो चुके हैं।

मुंबई में गुरुवार को कोरोना के 2877 केस रिकॉर्ड किए गए। वहीं एक अधिकारी ने बताया कि महाराष्ट्र में बुधवार को 2.7 लाख से अधिक लोगों कोरोना वैक्सीन की खुराक ली। महाराष्ट्र के नांदेड़ में प्रशासन ने गुरुवार को घोषणा की कि सभी पूजा स्थल 31 मार्च तक बंद रहेंगे। इतना ही नहीं, कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए गुजरात से लेकर पंजाब तक में सख्ती बढ़ा दी गई है। महाराष्ट्र के ठाणे, अकोला, औरंगाबाद, पुणे से लेकर नागपुर तक में कोरोना की रफ्तार तेज है और इसी वजह से अब पाबंदियां लगने लगी हैं।

दिल्ली में 71 दिनों बाद इतने केस

कोरोना का कहर राजधानी दिल्ली में भी कहर बरपाने लगा है। दिल्ली में गुरुवार को 607 नए मरीजों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है। राजधानी में 71 दिन बाद एक दिन में सबसे अधिक लोगों के कोरोना

संक्रमित होने का आंकड़ा है। इससे पहले 6 जनवरी को दिल्ली में 654 मामले आए थे। गुरुवार को 607 नए मामलों के बाद राजधानी में सक्रिय मरीजों की संख्या भी बढ़कर 2924 हो गई है। गुरुवार को 384 मरीजों को छुट्टी दी गई जबकि एक मरीज ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। दिल्ली में कोरोना के कुल मरीज 645632 हो गए हैं। इनमें से 6,31,759 मरीज कोरोना से ठीक हो चुके हैं।

पंजाब के नौ जिलों में रात का कर्फ्यू दो घंटे के लिए बढ़ा

पंजाब में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने गुरुवार को नौ सबसे अधिक प्रभावित जिलों में रात का कर्फ्यू दो घंटे के लिए बढ़ाने की घोषणा की। अमरिंदर सिंह ने कहा कि राज्य में कोरोना वायरस की स्थिति गंभीर है, ऐसे में यदि लोग कोरोना से बचाव के उपाय का पालन नहीं करते हैं तो कड़े कदम उठाने पड़ सकते हैं। लुधियाना, जालंधर, पटियाला, मोहाली, अमृतसर, गुरदासपुर, होशियारपुर, कपूरथला और रूपनगर में रात 11 से सुबह पांच बजे के बजाय अब रात नौ बजे से लेकर सुबह पांच बजे तक कर्फ्यू लगा रहेगा। इन जिलों में रोज कोरोना के 100 अधिक मामले सामने आ रहे हैं।

गुजरात के अहमदाबाद में शनिवार व रविवार को मॉल, सिनेमाघर व मल्टीप्लेक्स बंद रखने का निर्णय किया गया है। कोरोना संक्रमण की समीक्षा के लिए राज्य सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ राजीव गुप्ता की अध्यक्षता में अहमदाबाद महानगर पालिका के आयुक्त मुकेश कुमार व अन्य अधिकारियों ने बैठक की।

इसमें अहमदाबाद में शुक्रवार रात को नौ बजे से सुबह छह बजे तक कर्फ्यू कर दिया गया है। सरकार ने आठ बड़े शहरों में 10 अप्रैल तक स्कूल कॉलेज, विश्वविद्यालय बंद कर परीक्षाएं रद कर दी हैं। अहमदाबाद व सूरत में सार्वजनिक बस सेवा, गार्डन, जिम, जू आदि को बंद करने कर्फ्यू की अवधि बढ़ा दी है। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने राज्य में लॉकडाउन से साफ इनकार किया, लेकिन राज्य की सीमाओं को सील कर दिया गया है।

गुजरात के आठ बड़े शहरों में 10 अप्रैल ऑफलाइन कक्षाएं बंद- कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के मद्देनजर गुजरात सरकार ने गुरुवार को कहा कि इस वायरस को फैलने से रोकने के लिए राज्य के आठ बड़े शहरों में विद्यालय 19 मार्च से अपने परिसरों में अध्यापन बंद करेंगे। राज्य सरकार ने कहा कि इन शहरों के विद्यालयों में 10 अप्रैल तक ऑफलाइन कक्षाएं नहीं लगेंगी। ये शहर अहमदाबाद, राजकोट, वड़ोदरा, सूरत, भावननगर, गांधीनगर, जामनगर और जूनागढ़ हैं।

पांच हजार टैंकरोधी मिसाइल सेना के लिए खरीदी जाएंगी

बीडीएल के साथ हुआ 1188 करोड़ का करार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्रालय ने सेना के लिए करीब पांच हजार टैंक रोधी निर्देशित मिसाइलों की खरीद के वास्ते सार्वजनिक क्षेत्र के रक्षा उपक्रम भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) के साथ 1188 करोड़ रुपए की लागत वाले एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं।

मेक इन इंडिया पहल को मिलेगा बढ़ावा

मंत्रालय की अधिग्रहण शाखा ने शुक्रवार को बीडीएल से भारतीय सेना को 4,960 मिलान-2टी टैंक रोधी निर्देशित मिसाइल (एटीएमएम) की आपूर्ति के लिए इस अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। इससे सरकार की 'मेक इन इंडिया'पहल को और बढ़ावा मिलेगा। यह अनुबंध का 'रिपीट ऑर्डर' है, जिस पर बीडीएल के साथ 08 मार्च 2016 को हस्ताक्षर किए गए थे। मिलान-2 टी मिसाइल 1850 मीटर तक मार करने में सक्षम है जिसे बीडीएल फ्रांस के एमबीडीए मिसाइल सिस्टम के लाइसेंस के तहत बना रही है। इन मिसाइलों को जमीन से और वाहन-आधारित लांचर से दागा जा सकता है। इसका इस्तेमाल हमले एवं रक्षात्मक दोनों मामलों में किया जा सकता है। इन मिसाइलों के चलते सशस्त्र बलों की क्षमता बढेती ।

मदन मित्रा और विवेक गुप्ता ईडी कार्यालय में पेश

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के दो उम्मीदवार मदन मित्रा और विवेक गुप्ता सारदा चिट फंड घोटाले के संबंध में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के जांच अधिकारियों के समक्ष शुक्रवार को पेश हुए। दोनों उम्मीदवार कमरहटी और जोरासंको विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

दोनों साल्ट लेक के सीजीओ कॉम्पलेक्स में ईडी कार्यालय में अधिकारियों के समक्ष पेश हुए। पूर्व परिवहन मंत्री मित्रा उत्तर 24 परगाना में कमरहटी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें उपस्थिति के लिए एक पत्र मिला था और उन्हें उनकी आय और अन्य प्रासंगिक दस्तावेज के विवरण को प्रस्तुत करने को कहा गया था।

प्रधानमंत्री से मिले अमेरिकी रक्षामंत्री

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड जे ऑस्टिन ने शुक्रवार को अपने भारत दौरे के पहले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। पीएम मोदी ने भारत-अमेरिका के करीबी संबंधों का स्वागत किया। इस मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार की सोच का भी जिक्र किया जो कि द्विपक्षीय रक्षा सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देती है। उन्होंने ऑस्टिन के जरिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को अपनी शुभकामनाएं भी दी। पीएम मोदी से मुलाकात के बाद अमेरिकी रक्षा मंत्री ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल से भी बात की है। अमेरिकी रक्षा मंत्री ऑस्टिन ने भी दो देशों के बीच द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को मजबूत करने के प्रति अमेरिकी सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने के लिए अमेरिका की मजबूत इच्छा व्यक्त की भी बात कही। जो बाइडेन द्वारा अमेरिका की सत्ता संभालने के बाद पहली बार कोई शीर्ष मंत्री भारत आया है। ऑस्टिन के आने का उद्देश्य हिंद-प्रशांत सहित क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य आक्रमकता के मद्देनजर द्विपक्षीय रक्षा एवं सुरक्षा संबंधों को और मजबूत करना है। ऑस्टिन की प्रथम विदेश यात्रा के दौरान तीन देशों के दौरे में भारत तीसरा पड़ाव स्थल है। उनकी इस यात्रा को (अमेरिकी राष्ट्रपति) जो बाइडन प्रशासन के अपने करीबी सहयोगियों और क्षेत्र में साझेदारों के साथ मजबूत प्रतिबद्धता के तौर पर देखा जा रहा है।

ऑस्टिन की पालम हवाईअड्डे पर भारत के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों और अमेरिकी दूतावास के राजनयिकों ने अगवानी की। उनकी यात्रा की तैयारियों और एजेंडा की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच बातचीत में भारत-अमेरिका संबंध को और प्रगाढ़ करने के तरीकों, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने, पूर्वी लद्दाख में चीन के आक्रामक व्यवहार, आतंकवाद से पैदा हुई चुनौतियों और अफगान शांति वार्ता पर जोर रहने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि तीन अरब डॉलर से अधिक (अनुमानित) की लागत से अमेरिका से करीब 30 %मल्टी-मिशन सशस्त्र प्रीडेटर ड्रोन खरीदने की भारत की योजना पर भी चर्चा होने की उम्मीद है।

रोहिंग्याओं को हरियाणा से बाहर करेंगे

हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने कहा

चंडीगढ़, (एजेंसी)। हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने हरियाणा में रोहिंग्या मुसलमानों के फिर से बसने की अटकलों पर बोलते हुए शुक्रवार को कहा कि उनके बारे में जानकारी इकट्ठी की जा रही है। अगर ऐसे मामले सामने आते हैं तो निश्चित ही इसमें कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

निश्चित तौर पर भारत एक धर्मशाला तो है नहीं कि जिसका दिल करे वो यहां आकर रुक जाएं और ठहरने लग जाएं। उसका हम इंतजाम करेंगे। जानकारी के अनुसार, बीते दिनों ऐसी खबरें आई थीं कि देश के अलग-अलग राज्यों में रह रहे रोहिंग्या मुसलमानों ने अब हरियाणा का रुख कर लिया है और वो यहीं बसना चाहते हैं। कुछ राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों ने केंद्र सरकार से अनुरोध किया है कि वे रोहिंग्या और बांग्लादेशियों को तुरंत उनके देश वापस भेजने की दिशा में कदम उठाएं। रोहिंग्या मुसलमानों और बांग्लादेशी नागरिकों सहित भारत के अलग-अलग राज्यों में बसे हुए हैं।

जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने जम्मू में रह रहे रोहिंग्या मुसलमानों की बायोमीट्रिक जानकारी सहित अन्य विवरण जुटाने का काम भी शुरू कर दिया।

भ्रष्टाचार के खिलाफ सीबीआई की मुहिम देश भर में 100 जगहों पर मारे छापे

केंद्र सरकार के 30 विभागों में छानबीन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्र सरकार के दफ्तरों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में भ्रष्टाचार का पता लगाने के लिए सीबीआइ ने देशव्यापी औचक निरीक्षण किया।

भ्रष्टाचार के खिलाफ सीबीआइ के अभियान की व्यापकता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 25 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में फैले 100 से अधिक स्थानों पर सीबीआइ की टीम ने छानबीन की और बड़े पैमाने पर दस्तावेजों को जब्त किया। सीबीआई ने कहा कि गड़बड़ी पाए जाने की स्थिति में एफआइआर दर्ज की जाएगी। शुक्रवार के औचक निरीक्षण में केंद्र सरकार के 30 विभागों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में तलाशी ली गई।

घरेलू उड़ानों का न्यूनतम किराया 5 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने घरेलू उड़ानों का न्यूनतम किराया पांच फीसदी बढ़ाने का एलान कर दिया है। यह इजाफा अप्रैल अंत तक लागू रहेगा। बता दें कि पिछले एक महीने के दौरान घरेलू उड़ानों का किराया दूसरी बार बढ़ाया गया है। इसके पीछे हवाई जहाज का ईंधन महंगा होना बताया जा रहा है। इसके अलावा सरकार ने घरेलू एयरलाइंस को मुसाफिरों की क्षमता 80 फीसदी रखने का आदेश दिया है। इस स्थिति को अप्रैल अंत तक बरकरार रखना होगा।

उड्डयन मंत्री ने भी किया ट्वीट

बता दें कि इस मामले में उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भी ट्वीट किया। उन्होंने लिखा कि हवाई जहाज का ईंधन लगातार महंगा होने की वजह से घरेलू उड़ानों का न्यूनतम किराया पांच फीसदी बढ़ाया जा रहा है। हालांकि, उच्चतम किराए में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वहीं, यात्रियों की क्षमता 80 फीसदी तक सीमित करने को लेकर उन्होंने कहा कि अलग-अलग राज्यों में बढ़ते प्रतिबंधों और आरटीपीसीआर टेस्ट की अनिवार्यता के चलते मुसाफिरों की संख्या में कमी आई है। ऐसे में हर उड़ान में मुसाफिरों की क्षमता 80 फीसदी रखने का फैसला लिया गया। उन्होंने बताया कि अगर एक महीने में तीन बार मुसाफिरों की संख्या साढ़े तीन लाख के पार पहुंचती है तो 100 फीसदी ऑपरेशन के लिए एविएशन सेक्टर को खोल दिया जाएगा।

उड्डयन मंत्रालय ने दी जानकारी

उड्डयन मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि देश के अलग-अलग राज्यों में कोरोना के बढ़ते मामलों के चलते घरेलू उड़ानों की आवाजाही घट गई है। ऐसे में अप्रैल अंत तक यात्रियों की क्षमता 80 फीसदी रखने और किराए में पांच प्रतिशत के इजाफे का फैसला लिया गया है। हालांकि, किराए में इजाफे की वजह ईंधन की बढ़ती कीमतें हैं। फिलहाल, घरेलू उड़ानों के उच्चतम किराए में इजाफा नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि उड्डयन मंत्रालय लगातार स्थिति पर नजर रखे हुए हैं और हालात के हिसाब से फैसले ले रहा है।

संसद केंद्रीय पर्यटन मंत्री ने राज्यसभा में कहा, केंद्र और राज्यों को मिलकर काम करना होगा

पर्यटन को प्रोत्साहन देने के लिए सोच बदलनी होगी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पर्यटन मंत्री प्रह्लाद पटेल ने शुक्रवार को राज्यसभा में कहा कि भारतीय पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए सोच में बदलाव करना होगा और इसके लिए केंद्र तथा राज्य सरकारों को मिलकर काम करना होगा।

श्री पटेल ने राज्यसभा मे 'पर्यटन मंत्रालय के कार्यकरण' पर लगभग तीन घंटे चली चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि पर्यटन उद्योग अवधारणा पर चलता है और इसके लिए ईमानदारी और भरोसा जरुरी है। उन्होंने कोरोना काल की दुश्वारियों का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके लिए आरोप प्रत्यारोप नहीं लगाने चाहिए और केंद्र सरकार तथा राज्य सरकारों को मिलकर काम करना चाहिए। इससे पर्यटन उद्योग को प्रोत्साहन मिलेगा और राजस्व वृद्धि होगी।

राज्यों को ऐसा माहौल बनाना होगा जिससे पर्यटकों को सुरक्षा का अहसास हो और उसे व्यवस्था पर भरोसा होना चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार के पर्यटन स्थलों पर काम करने की अनुमति देने की प्रक्रिया का उल्लेख करते हुए कहा कि फिल्मों की शूटिंग करने की अनुमति बहुत कम दिनों में दी जा रही है।

प्रदूषित शहरों के लिए राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम तैयार किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री प्रकाश जावडेकर ने कहा है कि सरकार ने पाँच साल के भीतर देश के 100 सबसे प्रदूषित शहरों को स्वच्छ करने के लिए राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम योजना बनायी है। लोकसभा में शुक्रवार को प्रश्न काल के दौरान एक पूरक प्रश्न में जवाब में श्री जावडेकर ने कहा कि दिल्ली में केंद्र सरकार के प्रयासों के कारण पिछले वर्षों की तुलना में प्रदूषण कम हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार ने वाहनों में बीएस 6 इंजन मानक प्रणाली को लागू किया है।

राकेश टिकैत का केंद्र पर हमला, बोले- ये लुटेरों की सरकार है, इनको जाना पड़ेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए कृषि कानूनों और एमएसपी को लेकर किसान संगठनों और केंद्र सरकार के बीच जारी खींचतान अभी थमती नजर नहीं आ रही है। किसान नेता अब देशभर में घूम-घूम कर किसानों को नए कृषि कानूनों के खिलाफ एकजुट करने में जुटे हुए हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को भुवनेश्वर पहुंचे भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि सरकार को न्यूनतम समर्थन मूल्य (स्वक्क) पर कानून बनाना पड़ेगा और तीनों कृषि कानून वापस लेना पड़ेंगे।

टिकैत ने कहा कि केंद्र सरकार बहुत से नए बिल लेकर आ रही है, उन पर सरकार को बात करनी होगी। ये लुटेरों की सरकार है, ये देश में नहीं रहेगी, इनको जाना पड़ेगा। किसान नेता ने कहा कि एमएसपी किसानों का हक है, जिसे वो लेकर रहेंगे। अपना हक पाने के लिए देशभर के किसानों को एक साथ आना होगा और इसके लिए सरकार पर दबाव बनाना होगा।

टिकैत ने कहा कि जब तक कृषि कानूनों को वापस नहीं लिया जाता तब तक किसान किसान आंदोलन जारी रहेगा। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए कानून की मांग करते हुए उन्होंने कहा कि जब एमएसपी पर कानून बनेगा तभी किसानों का भला होगा।

बीते माह टिकैत ने हरियाणा के सोनीपत में हुई एक किसान महापंचायत में केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के एक बयान पर पलटवार करते हुए कहा था कि जब लोग जमा होते हैं तो सरकारें बदल जाती हैं। टिकैत ने उन्हें चेताया था कि अगर तीन नए कृषि कानूनों को रद्द नहीं किया गया तो सरकार का सत्ता में रहना मुश्किल हो जाएगा। केंद्रीय कृषि मंत्री तोमर ने मध्य प्रदेश के ग्वालियर में कहा था कि केंद्र सरकार नए कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसानों से बात करने को तैयार हैं, लेकिन महज

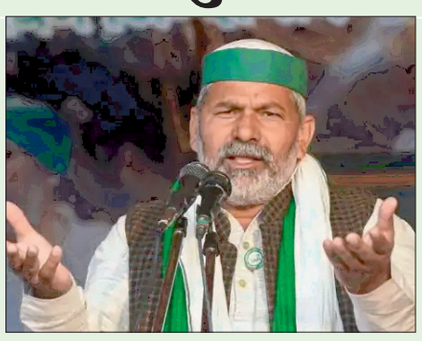

भीड़ जमा हो जाने से कानून रद्द नहीं होंगे।

गौरतलब है कि केंद्र के तीन नए कृषि कानूनों को लेकर गतिरोध अब भी बरकरार है। कानूनों को रद्द कराने पर अड़े किसान इस मुद्दे पर सरकार के साथ आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर चुके हैं। किसानों के संगठन संयुक्त किसान मोर्चा ने 26 मार्च को भारत बंद का आह्वान किया है। 26 मार्च को केंद्र के नए कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर जारी किसान आंदोलन को चार महीने पूरे हो रहे हैं। किसानों ने सरकार से जल्द उनकी मांगें मानने की अपील की है। वहीं सरकार की तरफ से यह साफ कर दिया गया है कि कानून वापस नहीं होगा, लेकिन संशोधन संभव है।

केंद्र के नए कृषि कानूनों के खिलाफ तीन महीने से भी अधिक समय से दिल्ली की सीमाओं पर प्रदर्शन कर रहे किसानों के संगठन संयुक्त किसान मोर्चा ने 26 मार्च को भारत बंद का आह्वान किया है। 26 मार्च को केंद्र के नए कृषि कानूनों के खिलाफ किसान आंदोलन को चार महीने पूरे हो रहे हैं।

बता दें कि किसान हाल ही बनाए गए तीन नए कृषि कानूनों - द प्रोड्यूसर्स ट्रेड एंड कॉमर्स (प्रमोशन एंड फैसिलिटेशन) एक्ट, 2020, द फार्मर्स (एम्पावरमेंट एंड प्रोटेक्शन) एग्रीमेंट ऑन प्राइस एश्योरेंस एंड फार्म सर्विसेज एक्ट, 2020 और द एसेंशियल कमोडिटीज (एमेंडमेंट) एक्ट, 2020 का विरोध कर रहे हैं। केन्द्र सरकार इन तीनों नए कृषि कानूनों को कृषि क्षेत्र में बड़े सुधार के तौर पर पेश कर रही है, वहीं प्रदर्शन कर रहे किसानों ने आशंका जताई है कि नए कानूनों से एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) और मंडी व्यवस्था खत्म हो जाएगी और वे बड़े कॉरपोरेट पर निर्भर हो जाएंगे।

नासा के पर्सिवियरेंस रोवर ने की मंगल ग्रह पर चहलकदमी, ड्राइविंग की आवाज भेजी

केप। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के पर्सिवियरेंस रोवर ने मंगल ग्रह की सतह पर चहलकदमी शुरू कर दी है। इसने पहली बार मंगल ग्रह पर ड्राइविंग करने का आडियो भेजा है। अंतरिक्ष एजेंसी ने इसका एक 16 मिनट का ऑडियो जारी किया। इसमें मंगल की सतह पर रोवर के पहियों के चलने की स्पष्ट आवाज सुनाई दे रही है।

बता दें कि मंगल ग्रह पर भेजा गया सबसे बड़े, सबसे उन्नत रोवर पर्सिवियरेंस 18 फरवरी को लैंड किया था। 2.7 अरब डॉलर के इस मिशन का प्राथमिक मकसद इस बात का सबूत जुटाना है कि करीब तीन अरब साल पहले शायद मंगल ग्रह पर सूक्ष्म जीव पनपें हों, जब यह ग्रह ज्यादा गर्म, नम और संभवतः जीवन के ज्यादा अनुकूल थी।

बता दें कि रोवर में दो माइक्रोफोन हैं। एक ने पहले से ही हवा और रॉक-ज़ैपिंग लेजर की आवाज़ रिकॉर्ड कर लिया है, दूसरे को लैंडिंग की आवाज रिकॉर्ड करना था। नासा के अनुसार, दूसरे माइक ने रोवर के मंगल पर पहुंचने की कोई आवाज़ रिकॉर्ड नहीं किया, लेकिन 4 मार्च को पहले टेस्ट ड्राइव को रिकॉर्ड करने में कामयाब रहा। ड्राइविंग ऑडियो में खरोंच की आवाज सुनाई दे रही है। अब इंजीनियर इस आवाज के बारे में पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। रोवर में वेदर स्टेशन, 19 कैमरे और दो माइक्रोफोन लगे हैं। इनकी मदद से नासा को स्पष्ट तस्वीरें मिलने की उम्मीद है। नासा इससे पहले मोबाइल साइंस व्हीकल मंगल पर भेज चुका है, लेकिन पर्सिवियरेंस से ज्यादा बड़ा और परिष्कृत है। इसे मंगल की चट्टानों के नमूने एकत्र करने के लिहाज से डिजाइन किया गया है। यह अपने साथ परियोजना से जुड़े कुछ खास उपकरण लेकर गया है। इनमें एक बेहद छोटा हेलीकॉप्टर भी शामिल है। इसे दूसरे ग्रह पर नियंत्रित उड़ान परीक्षण के लिए बनाया गया है।

अफगानिस्तान में स्पेशल फोर्स का हेलीकॉप्टर क्रैश, 9 लोगों की मौत

काबुल। अफगानिस्तान में स्पेशल फोर्स का हेलीकॉप्टर क्रैश होने से 9 लोगों की मौत हो गई है। बेहसुद के मैदान वर्दक प्रांत में कल रात यह हादसा हुआ। न्यूज ने इसकी जानकारी दी। अफगान रक्षा मंत्रालय ने पुष्टि करते हुए बताया कि क्रैश हुआ हेलीकॉप्टर एमआई -17 था। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस हादसे में चार चालक दल के सदस्य और पांच सुरक्षा बल की मौत हुई है। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा की जा रही है।

टेक ऑफ के समय रॉकेट से टकराया

रिपोर्ट के मुताबिक, रक्षा मंत्रालय के एक बयान में बताया गया कि वह दुर्घटना की जांच कर रहे हैं। वायु सेना के एक स्रोत और एक प्रांतीय अधिकारी ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को बताया कि हेलीकॉप्टर टेक ऑफ के समय रॉकेट से टकरा गया था।

काबुल में सरकारी बस को बनाया गया निशाना, हुआ धमाका

बता दें कि इस हादसे के साथ ही आज अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में बमबारी की खबर सामने आई है। काबुल में एक सरकारी बस को निशाना बनाते हुए सड़क किनारे लगे बम से धमाका कर दिया गया, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और 11 घायल हो गए। काबुल के पुलिस प्रवक्ता ने हताहत लोगों के आंकड़े की पुष्टि की है। वहीं एक अन्य अधिकारी ने बताया कि बस अफगान सरकारी कर्मचारियों को ले जा रही थी।

अफगान शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के बीच हुई यह घटनाएं

बता दें की यह दोनो घटना ऐसे समय में हुई है जब अफगान सरकार, तालिबान, अमेरिका और रूस सहित प्रमुख देश 'अफगान शांति' प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए हिंसा में कमी लाने के लिए मास्को में इकट्ठा हुए थे।

पाकिस्तान पहुंची चीन वैक्सीन की दूसरी खेप, अधिकारियों ने कहा-शुक्रिया

इस्लामाबाद। कोरोना संक्रमण से जूझ रहे पाकिस्तान को चीन निर्मित वैक्सीन पहुंच रही है। इस देश में चीन से वैक्सीन मिलने के बाद से टीकाकरण अभियान तेज हो चुका है। अब यहां पर चीन से कोरोना वैक्सीन की दूसरी खेप पहुंच गई है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन की सिनोपहार्म कोरोना वैक्सीन की दूसरी खेप पहुंची है। इस्लामाबाद के पास नूर खान एयर बेस पर वैक्सीन सौंपी गई है। इस अवसर पर पाकिस्तान की तरफ से चीन को धन्यवाद किया गया है।

1 फरवरी को पहला जत्था पहुंचा था

इसके साथ ही पाकिस्तान की तरफ से कहा गया है कि पाकिस्तान में चल रहे टीकाकरण अभियान में सिनोपहार्म वैक्सीन की खुराक महत्वपूर्ण हैं। सिनोपार्म के टीकों का पहला जत्था 1 फरवरी को पाकिस्तान में आया था।

10 मार्च को 60 वर्ष की आयु के लोगों का किया गया टीकाकरण बता दें कि पाकिस्तान ने आधिकारिक तौर पर अपना कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम शुरू कर दिया, जिसमें फ्रंटलाइन हेल्थकेयर कार्यकर्ताओं को टीकाकरण की प्राथमिकता दी गई है। 10 मार्च 2021 को पाकिस्तान में 60 वर्ष की आयु के लोगों का टीकाकरण किया था।

रूस पर चुनाव में दखल देने का आरोप

बाइडेन ने पुतिन को हत्यारा बताया, बोले- उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ेगी; भड़के रूस ने राजदूत को वापस बुलाया

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को लेकर बड़ा बयान दिया है। पिछले साल हुए अमेरिकी चुनाव में दखल देने के मामले में उन्होंने पुतिन को हत्यारा बताते हुए कहा कि उन्हें इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। बाइडेन के बयान से भड़के रूस ने वॉशिंगटन में मौजूद अपने राजदूत को वापस बुला लिया है। इसकी वजह बताई गई है कि उन्हें मामले पर चर्चा के लिए वापस बुलाया गया है।

पुतिन का पर्दाफाश जल्द होगा : बाइडेन

इंटरव्यू के दौरान बाइडेन से उस अमेरिकी इंटेलिजेंस रिपोर्ट के बारे में पूछा गया था, जिसमें कहा गया है कि डोनाल्ड ट्रम्प को फायदा पहुंचाने के लिए पुतिन ने या तो चुनाव में दखल देने के ऑपरेशन की निगरानी की थी या कम से कम उसे

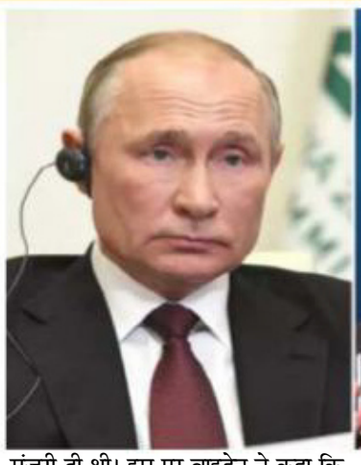

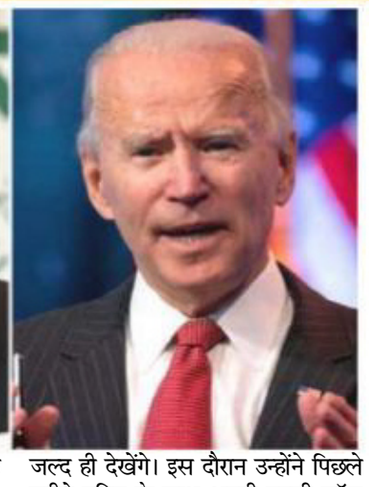

मंजूरी दी थी। इस पर बाइडेन ने कहा कि पुतिन ने जितने भी गलत काम किए हैं, सभी का पर्दाफाश जल्द होगा। इसके लिए वह जो कीमत अदा करने जा रहे है, आप जल्द ही देखेंगे। इस दौरान उन्होंने पिछले महीने पुतिन के साथ अपनी पहली कॉल का जिक्र भी किया।

रूस ने आरोपों को खारिज किया

रिपोर्ट में बताया गया कि रूस और ईरान ने चुनाव नतीजों को प्रभावित करने के लिए साजिश रची थी, लेकिन ऐसा कोई सबूत नहीं मिला कि किसी विदेशी दखल से वोटिंग प्रोसेस पर कोई असर पड़ा। राष्ट्रीय खुफिया कार्यालय की ओर से मंगलवार को जारी रिपोर्ट में अमेरिका में 2020 में हुए चुनावों में विदेशी दखल का डेटा दिया गया है। हालांकि रूस ने इसे निराधार बताया है।

अमेरिका ने यह आरोप तब लगाया है जब उसने अलेक्सी नवेलनी को जहर दिए जाने के बाद रूस के पर कई प्रतिबंध लगा दिए थे। इन प्रतिबंधों में रूसी खुफिया एजेंसी स्नस्कभी शामिल थी।

1988 में भी राजदूत को वापस बुलाया था

रूस ने कहा कि वह नहीं चाहता है कि अमेरिका के साथ उसके रिश्ते ऐसी जगह न पहुंच जाए, जहां से वापस न आया जा सके। इससे पहले 1988 में रूस ने इराक में हमले के विरोध में अमेरिका और ब्रिटेन से अपने राजदूत को वापस बुला लिया था।

रिपोर्ट में चुनाव प्रक्रिया प्रभावित करने में 5 देशों के नाम

रिपोर्ट के मुताबिक, रूस और ईरान के अलावा चुनाव प्रक्रिया को क्यूबा, वेनेजुएला और हिजबुल्ला ने भी चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की थी। हालांकि इनका प्रभाव काफी कम था। खुफिया एजेंसी सीआईए और नेशनल सिक्योरिटी एजेंसी की 15 पेज की रिपोर्ट में पुतिन के अलावा ईरान के सर्वोच्च नेता अली खमनोई के नाम का उल्लेख भी है। हालांकि पुतिन ने ट्रम्प को फायदा और खमनोई ने ट्रम्प को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की थी।

उत्तर कोरिया ने अमेरिका के वार्ता प्रस्ताव को ठुकराया

बोला- विरोधी नीतियों को छोड़े तभी होगी बातचीत

सियोल। उत्तर कोरिया ने गुरुवार को कहा कि वह वार्ता प्रस्ताव की तब तक अनदेखी करेगा जब तक अमेरिका उसके खिलाफ विरोधी नीतियों को नहीं छोड़ता। इससे पहले अमेरिका ने कहा था कि उसने विभिन्न चैनलों के माध्यम से उत्तर कोरिया से संपर्क साधने की कोशिश की है। इसके बाद ही उत्तर कोरिया का यह बयान सामने आया है। विदेश मंत्री चोई सोन हुई का यह बयान दक्षिण कोरिया और अमेरिका के शीर्ष राजनयिकों और रक्षा प्रमुखों के बीच उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम को लेकर पांच सालों में पहली बार संयुक्त वार्ता से पहले आया।

चोई ने आगे कहा कि हमें नहीं लगता कि इसे लेकर अमेरिका को कोई जवाब देने की जरूरत है। इसे लेकर हम पहले ही अपना रुख साफ कर चुके हैं। उत्तर कोरिया- अमेरिका के बीच किसी भी तरह की बातचीत या संपर्क तब तक संभव नहीं हो सकता,

किम जोंग-उन की बहन ने अमेरिका को दी थी सख्त धमकी

जब तक कि अमेरिका अपनी विरोधी नीतियों को वापस नहीं ले लेता। इसलिए, हम भविष्य में भी अमेरिका के ऐसे प्रयास की अवहेलना करेंगे।

इससे पहले अमेरिका को तानाशाह किम जोंग-उन की बहन किम यो जोंग ने सख्त लहजे में चेतावनी दी थी और कहा था कि अगर अमेरिका चार साल शांति से रहने चाहता है तो वह हमारी जमीन पर बारूद की गंध फैलाने की कोशिश न करे और न ही यहां अस्थिरता का कारण बने। उन्होंने दक्षिण कोरिया से शांति समझौता तोड़ने की भी धमकी दी थी। क्षिण कोरिया के साथ अमेरिका का संयुक्त युद्धाभ्यास और अमेरिका के विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन व रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन की प्रस्तावित यात्रा से उत्तर कोरिया भड़क गया। इसकी वजह से उसने यह धमकी दी। चोई ने भी इस मुद्दे को उठाया और कहा कि अमेरिका ने दक्षिण कोरिया के लक्षित करते हुए खुले तौर पर आक्रामक संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू किए हैं।करोड़ से ज्यादा है। बीते 24 घंटे में 3.36 लाख नए संक्रमित मिले हैं। 6 हजार से ज्यादा मरीजों की मौत हुई है। अब तक 9 करोड़ 73 लाख से ज्यादा कोरोना संक्रमित ठीक हो चुके हैं।

दिसंबर 2020 की तरह की खतरनाक हो सकता है कोविड-19, वायरोलॉजिस्ट ने किया आगाह!

जर्मनी । जर्मनी के शीर्ष वायरोलॉजिस्ट क्रिश्चियन ड्रोस्टन ने आगाह किया है कि वहां पर एक बार फिर से हालात खराब हो सकते हैं। उनका कहना है कि जर्मनी में एक बार फिर से कोविड-19 महामारी का असर क्रिसमस की ही तरह दिखाई दे सकता है। आपको बता दें कि डॉक्टर ड्रोस्टन जर्मनी के उन चुनिंदा विशेषज्ञों में से एक हैं जिनकी कही बात का असर सरकार के फैसलों पर पड़ता है। कोविड-19 महामारी की शुरुआत में और बाद में भी जर्मनी की सरकार ने इसकी रोकथाम के लिए उनसे सलाह लेकर कदम आगे बढ़ाया था। इस लिहाज से उनके इस बयान की अहमियत काफी बढ़ गई है।

उनका यहां तक कहना है कि जर्मनी में कोविड-19 की तीसरी लहर आती दिखाई दे रही है। इसके लिए उन्होंने तेजी से वैक्सीनेशन करने पर जोर दिया है। डॉक्टर ड्रोस्टन ने एस्ट्राजेनेका वैक्सीन पर उठे सवालों के जवाब में कहा है कि वैक्सीन लेने वालों में खून के थक्कों का बनना एक चिंता का विषय है जिसको गंभीरता से लिया जाना चाहिए। डॉक्टर ड्रोस्टन का कहना है कि कोविड-19 का बी-117 वेरिएंट देश को मुश्किल में डाल सकता है। इस पर जल्द लगाम लगानी जरूरी है। इसकी वजह से देश में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और ये खतरे की घंटी हो सकती है। उनके मुताबिक इस वेरिएंट का सबसे पहला मामला ब्रिटेन में सामने आया था और इसकी रोकथाम में मुश्किल आई थी। जर्मनी में बढ़ते मामलों को देखते हुए उन्होंने सरकार को आगाह किया है कि कोविड-19 मामलों के मद्देनजर देश में दोबारा क्रिसमस जैसे हालात हो सकते हैं।

कोरोना दुनिया में

पिछले 24 घंटे में ब्राजील में 90 हजार से ज्यादा केस आए, यह अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा; यूरोपियन देशों में नई लहर का खतरा

वाशिंगटन। दुनियाभर कोरोना के मामले तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। सबसे बुरे हाल ब्राजील के हैं। यहां 90,830 नए केस रिकॉर्ड किए। यह देश में एक दिन में मिले संक्रमितों का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इससे पहले 7 जनवरी को 87,134 मामले सामने आए थे। इस दौरान 2,736 की मौत भी हुई। यहां अब तक 1.17 करोड़ लोग कोरोना की चपेट में आ चुके हैं। 1.02 करोड़ लोग ठीक भी हुए और 2.85 लाख लोगों की मौत भी हुई।

उधर, विशेषज्ञों ने यूरोपियन देशों में कोरोना की दूसरी लहर की चेतावनी दी है। उनका कहना है कि फ्रांस, पोलैंड, इटली और जर्मनी समेत कई देशों में पिछले कई दिनों से कोरोना के मामलों में रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की गई है। फ्रांस में बीते दिन 38,501, पोलैंड में 25,052, इटली में 23,059 और जर्मनी में 16,094 मामले आए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इन हालात में एस्ट्राजेनेका की कोरोना वैक्सीन पर रोक लगाना खतरनाक साबित हो सकता है।

ब्राजील ने चौथी बार स्वास्थ्य मंत्री बदला

ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो ने कोरोना फैलने के बाद से चौथी बार अपने स्वास्थ्य मंत्री को बदलते हुए मार्सेलो क्रेरोगा को इस पद पर नियुक्त किया है। वे एडवर्डो पैजुएलो की जगह लेंगे। सैन्य जनरल पैजुएलो को स्वास्थ्य के क्षेत्र का कोई अनुभव नहीं होने के बावजूद पिछले साल मई में उन्हें स्वास्थ्य मंत्री नियुक्त किया गया था।

इससे पहले पैजुएलो ने सोमवार के प्रेस कान्फ्रेंस में इस बात के संकेत दिए थे कि बोल्सोनारो उनकी जगह किसी और को स्वास्थ्य मंत्री बना सकते हैं। पैजुएलो के पूर्ववर्ती दो स्वास्थ्य मंत्रियों ने बोल्सोनारो से मतभेदों के चलते अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

दुनिया में 12.18 करोड़ मरीज

दुनिया में कुल मरीजों की संख्या 12 करोड़ के

पार पहुंच गई है। अभी यह आंकड़ा 12.18 करोड़ से ज्यादा है। बीते 24 घंटे में 5.25 लाख नए संक्रमित मिले हैं। 9 हजार से ज्यादा मरीजों की मौत हुई है। अब तक 9 करोड़ 81 लाख से ज्यादा कोरोना संक्रमित ठीक हो चुके हैं। 26 लाख 91 हजार से ज्यादा ने जान गंवाई है। दुनियाभर में फिलहाल 2 करोड़ 6 लाख से ज्यादा संक्रमितों का इलाज चल रहा है। ये आंकड़े www.worldometers.info/coronavirus के मुताबिक हैं।

महाशक्तियों के बीच नए समीकरण: अलास्का में बातचीत की टेबल पर बैठेंगे अमेरिका और चीन, अच्छे रिश्तों की शुरुआत पर 5 विवादों का साया

वाशिंगटन। रिश्तों में कड़वाहट के बीच अमेरिका और चीन 18 मार्च को बातचीत की टेबल पर होंगे। यह मीटिंग अलास्का के एंकरेज में होगी। इसमें अमेरिका की ओर से विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर जैक सुलीवान अपने उनके चीनी काउंटरपार्ट से बात करेंगे। बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन की चीन से यह पहली बातचीत है।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यकाल में दोनों देशों के संबंध काफी बिगड़ गए थे। ऐसे में रिश्तों को दोबारा ट्रैक पर लाने में यह बैठक अहम साबित हो सकती है। हालांकि, मीटिंग से पहले अमेरिका ने सख्त रुख दिखाने के संकेत दिए हैं। उसने कहा है कि वह चीन से उइगरों पर अत्याचार, ताइवान, तिब्बत, हांगकांग में चीन के दखल और दक्षिण चीन सागर जैसे मुद्दों पर स्थिति साफ करने के लिए कहेगा।

अमेरिका के एक सीनियर अधिकारी का कहना है कि इस बैठक से बहुत ज्यादा उम्मीद नहीं करनी चाहिए। इसमें कोई समझौता करने के बजाय प्राथमिकताओं और मतभेदों पर चर्चा पर ज्यादा जोर रहेगा। हमें लगता है कि बातचीत के कुछ हिस्से मुश्किल हो सकते हैं। वहीं, व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी जेन साकी ने मंगलवार को कहा कि कुछ ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर राष्ट्रपति जो बाइडेन आवाज उठाने से पीछे नहीं हट सकते। इनमें ह्यूमन राइट्स, इकोनॉमी और टेक्नोलॉजी से जुड़े मसले शामिल हैं।

हांगकांग में लोकतंत्र का दमन

हांगकांग में चीन लगातार अपना दखल बढ़ाता जा रहा है। हांगकांग में लोकतंत्र का समर्थन करने वाले इसका विरोध करते हैं। अमेरिका लोकतंत्र समर्थकों का खुला समर्थन करता है। इसका असर चीन के साथ उसके संबंधों पर भी पड़ा है। दोनों देशों के बीच होने वाली बैठक में इस मुद्दे पर भी बात हो सकती है। मीटिंग से पहले अमेरिका ने हॉन्गकॉन्ग और चीन के 24 अफसरों पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। खबर के मुताबिक, ये प्रतिबंध को हांगकांग ऑटोनोमी एक्ट के तहत लाए गए थे।

यह एक्ट अमेरिका ने चीन के नए नेशनल सिक्योरिटी लॉ के जवाब में पिछले साल पास किया था। चीन ने कानूनी तौर पर विदेशी के साथ दखल पर रोक लगा दी थी। जिन लोगों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं, उनमें वांग चेन का नाम भी शामिल हैं। वांग चीन के 25 सदस्यों वाले पोलित ब्यूरो का हिस्सा हैं। यह चीन की सबसे बड़ी कानून बनाने वाली संस्था है। इस कमेटी में ताम यियू-चुंग हांगकांग के इकलौते प्रतिनिधि हैं। ताम ने ही नेशनल सिक्योरिटी लॉ का मसौदा तैयार किया था। अमेरिका के इस कदम पर चाइना इंटरनेशनल रेडियो का कहना है कि यह अंतरराष्ट्रीय कानून और संबंधों के बुनियादी मापदंड का गंभीर उल्लंघन है। चीनी मीडिया ने इसे चीन के अंदरूनी मामलों में गंभीर हस्तक्षेप बताया है।

मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि चीन उइगर मुसलमानों की आवाज को दबा रहा है। उन्हें बिना कारण कैद करके रखा जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ह्यूमन राइट्स के पक्षधर माने जाते हैं। अमेरिकी संसद में इस मुद्दे पर बिल भी पास हो चुका है। ऐसे में यह मसला चीन के साथ मीटिंग में उठ सकता है। अमेरिकी मॉनिटरिंग ग्रुप के मुताबिक, शिनजियांग में चीनी अत्याचार का शिकार होने वाले उइगर मुसलमानों की संख्या 10 लाख से ज्यादा है। दूसरी तरफ चीन इन आरोपों से इंकार करता है। चीन ने पूर्वी तुर्कस्तान पर 1949 में कब्जा कर लिया था। उइगर मुसलमान तुर्किक मूल के माने जाते हैं। शिनजियांग में कुल आबादी का 45 फीसदी उइगर मुसलमान हैं। 40त्न आबादी हान चीनी हैं। चीन ने तिब्बत की तरह शिनजियांग को स्वायत्त क्षेत्र घोषित कर रखा है।

'बुलडोजर' निकनेम से पहचाने जाने वाले तंजानिया के राष्ट्रपति का निधन, कोविड-19 से संक्रमित होने की थी खबरें

नैरोबी। तंजानिया के राष?ट्रपति जॉन पॉम्बे मगुफुली का दिल का दौरा पड़ने के बाद निधन हो गया है। उनका निकनेम बुलडोजर था। उन्हें ये नाम उनकी नीतियों की वजह से मिला था। उनके निधन की जानकारी उपराष्ट्रपति सामिया सुलुहू हासन ने दी है। कुछ समय पहले उन्हें कोविड-19 से संक्रमित होने का संदेह जताया गया था। वो करीब दो सप्ताह से अधिक समय से सार्वजनिक तौर पर देखे नहीं गए थे। इसलिए इन आशंकाओं को बल मिला कि उनकी मौत की वजह कोविड-19 हो सकती है। हालांकि उपराष्ट्रपति ने इन आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा है कि वो काफी समय से दिल की बीमारी से जूझ रहे थे। हासन ने लोगों से अपील की है कि वो अन्य देशों द्वारा फैलाई जा रही अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने ये भी कहा है कि ये बेहद आम बात है कि फ्लू या बीमार होने पर डॉक्टर को दिखाया ही जाता है। सरकार की तरफ से उनके निधन पर दो सप्ताह के शोक की घोषणा की गई है। इस दौरान सभी सरकारी इमारतों पर राष्ट्रीय ध्वज आधे झुके रहेंगे।

पहले राष्ट्रपति जिनका पद पर बने रहते हुआ निधन

उनके निधन के बाद सरकारी टीवी चैनल पर धार्मिक गीत दिखाए गए और शोक मनाया गया है। उनके निधन की घोषणा करते हुए हासन ने राष्ट्रपति जॉन को एक बहादुर नेता बताया। उन्होंने इसे राष्ट्र के लिए एक अपूर्णीय क्षति बताया है। उन्होंने बताया है कि राष्ट्रपति ने दर ए सलाम के अस्पताल में अंतिम सांस ली। आपको बता दें कि तंजानिया के इतिहास में वो

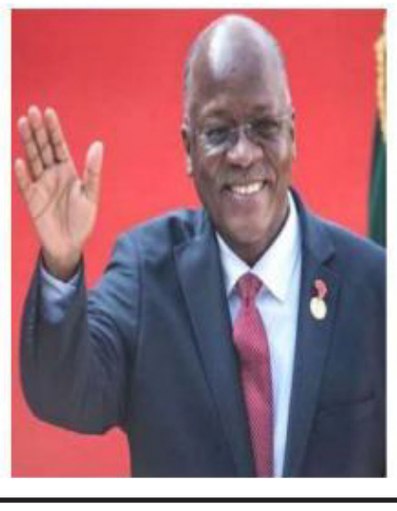

पहले ऐसे राष्ट्रपति हैं जिनका निधन पद पर रहते हुए हुआ है।

विपक्ष ने फैलाई कैसी-कैसी अफवाहें

उनके निधन पर प्रधानमंत्री कासिम मजालिवा ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति जॉन से बात की और विदेशों में बसे अपने लोगों को इसकी जानकारी भी दी। आपको बता दें कि राष्ट्रपति जॉन के दो सप्ताह से अधिक समय से सार्वजनिक तौर पर दिखाई न देने की वजह से आशंकाओं को बल मिला था। उनके सबसे बड़े प्रतिद्वंदी टूंडू लिसू ने यहां तक कहा था कि वो देश छोड़कर केन्या भाग गए हैं या फिर कोविड-19 का इलाज कराने भारत के अस्पताल में कोमा में चले गए हैं। जॉन अक्टूबर 2020 के चुनाव में टूंडू को जबरदस्त शिकस्त दी थी और दोबारा राष्ट्रपति बने थे। तंजानिया के विपक्षी नेता जिटो काब्वे ने भी राष्ट्रपति के निधन के बाद हासन से बात की और उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र उनके द्वारा किए गए कार्यों को कभी नहीं भूलेगा। उन्होंने इसको लेकर ट्विटर पर भी अपना शोक संदेश लिखा है।

हासन बन सकती हैं पहली महिला राष्ट्रपति

माना जा रहा है कि अब तंजानिया की सत्ता पर 61 वर्षीय हासन को बिठाया जाएगा। यदि ऐसा हुआ तो वो पूर्वी अफ्रीकी देश में सत्ता संभालने वाली पहली महिला राष्ट्रपति होंगी। हासन ने ब्रिटेन से पढ़ाई की है और वो संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में वर्ल्ड फूट प्रोग्राम में काम कर चुकी हैं। इसके अलावा वो कई अहम पदों पर भी रह चुकी हैं। हासन तंजानिया की पहली महिला उपराष्ट्रपति भी हैं। उन्होंने 2015 में ये पद संभाला था।

सभी के लिए किया काम

हासन ने बताया है कि राष्ट्रपति जॉन को 6 मार्च को दिल की समस्या के बाद जकाया किकवेटे कार्डिक इंस्टिट्यूट में भर्ती कराया गया था। अगले दिन उन्हें छुट्टी दे दी गई थी। इसके एक सप्ताह बाद उन्हें फिर समस्या हुई थी जिसके बाद उन्हें मजेना अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दर ए सलाम में उनके निधन के बाद सभी सड़कें सूनी हो गईं। आपको बता दें कि इस शहर की आबादी करीब दो करोड़ है। तंजानिया के नागरिक पैट्रिक ट्रिमो ने बताया कि वो राष्ट्रपति जॉन को तब से जानते थे जब वो पहली बार मंत्री बने थे।

दिल्ली भाजपा कार्यकारिणी की बैठक माजरा डबास गांव में होगी, राजनाथ समेत कई दिग्गज रहेंगे मौजूद

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा की दो दिवसीय कार्यकारिणी बैठक 20 मार्च से होगी। निगम उपचुनाव में मिली हार के बाद हो रही कार्यकारिणी की बैठक का विशेष महत्व है, क्योंकि इन दिनों संसद में पेश राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक के विरोध में आम आदमी पार्टी (आप) सरकार आक्रामक है और कृषि कानूनों के विरोध में दिल्ली की सीमाओं पर चल किसान धरना दे रहे हैं। बैठक में वर्तमान राजनीतिक हालात पर चर्चा के साथ ही अगले साल होने वाले नगर निगम चुनाव की रणनीति बनाई जाएगी। पहले दिन पंत मार्ग स्थित पार्टी कार्यालय में प्रदेश पदाधिकारियों, कोर कमेटी व अन्य वरिष्ठ नेताओं की बैठक होगी। अगले दिन बवाना विधानसभा के माजरा डबास गांव में कार्यकारिणी की बैठक होगी जिसे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह संबोधित करेंगे। बताया जाता है कि कृषि कानूनों के विरोध में दिए जा रहे धरने को ध्यान में रखकर कार्यकारिणी की बैठक ग्रामीण इलाके में की जा रही है। वहां किसान सभा भी आयोजित होगी जिसे भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री भूपेंद्र यादव संबोधित करेंगे। भाजपा नेताओं का कहना है कि दिल्ली के ग्रामीण इलाकों में जनसंवाद बढ़ाया गया है। किसानों को कृषि कानूनों के लाभ बताए जा रहे हैं। इसके सकारात्मक परिणाम मिले हैं। इस संवाद को और बढ़ाने की जरूरत है और कार्यकारिणी की बैठक में इस पर चर्चा होगी। लगभग एक वर्ष बाद निगम चुनाव है जिसकी तैयार को लेकर मंथन किया जाएगा। पिछले दिनों हुए उपचुनाव में पार्टी को मिली हार से जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने की जरूरत है। इसे लेकर कार्यकर्ताओं को वरिष्ठ नेताओं का मार्ग दर्शन मिलेगा। केंद्र सरकार व दिल्ली सरकार के अधिकार निर्धारित करने वाले विधेयक का आप विरोध कर रही है। जंतर मंतर पर धरना में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी शामिल हुए हैं। कांग्रेस भी इस विधेयक के विरोध में है। पार्टी का कहना है कि इस विधेयक को लेकर दुष्प्रचार किया जा रहा है। यदि समय रहते जवाब नहीं दिया गया तो अगले वर्ष होने वाले निगम चुनाव में नुकसान हो सकता है।

कुरान की आयतों को हटाने संबंधी विवाद में जमीयत उलेमा-ए-हिंद भी उतरा है। साथ ही उसने कहा है कि इस मसले पर कोई निर्णय लेने का संवैधानिक अधिकार सुप्रीम कोर्ट के पास नहीं है। इसलिए इससे संबंधित याचिका वह खारिज कर दें।

सुनंदा पुष्कर रहस्यमय मौत मामले में आया नया मोड़

शशि थरूर कोर्ट से बोले इसे माना जाए हादसा

नई दिल्ली। सुनंदा पुष्कर की मौत के मामले में आरोपित कांग्रेस नेता शशि थरूर ने बरी करने की मांग की है। थरूर ने राउज एवेन्यू स्थित विशेष अदालत में कहा कि सुनंदा की मौत का कोई कारण एजेंसियों की जांच में सामने नहीं आ सका है, लिहाजा उन्हें इस मामले में बरी किया जाए और इस मौत को एक हादसा माना जाए। शशि थरूर के वकील ने अदालत को बताया कि देश के नामी डाक्टरों और विशेषज्ञों ने जांच की, लेकिन कोई भी सही निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सका। ऐसे में इस मामले में आरोपित को बरी कर देना चाहिए। 17 जनवरी, 2014 की रात सुनंदा पुष्कर एक होटल के कमरे में मृत पाई गई थीं। इस संबंध में दिल्ली पुलिस ने हत्या का केस दर्ज किया था, लेकिन लंबी जांच के बाद सुनंदा के पति शशि थरूर के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने और प्रताड़ित करने के लिए आरोपपत्र दाखिल किया था। आरोपों पर दलीलें अभी पूरी नहीं हुई है और अदालत 23 मार्च को मामले में फिर सुनवाई करेगी।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और सुनंदा पुष्कर के पति शशि थरूर ने दलील दी है कि विशेषज्ञों की तरफ से कई तरह जांचें की गई हैं लेकिन उन्होंने 'मौत के कारण पर कोई निश्चित राय' नहीं दी है। ऐसे में इस मौत को हादसा माना जाए और उन्हें इस मामले से बरी किया जाए। शशि थरूर की तरफ से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता विकास पाहवा ने मामले में उन्हें (थरूर को) बरी किए जाने की गुजारिश करते हुए कोर्ट से कहा कि उनके खिलाफ आइपीसी की धाराओं 498ए या 306 के तहत दंडनीय अपराध को साबित करने के लिए कोई भी सबूत नहीं है। वकील ने कहा कि सुनंदा मौत को आकस्मिक माना जाना चाहिए।

15 किलो हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, म्यांमार से लाकर दिल्ली-एनसीआर में करते थे सप्लाई

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने 15 किलो हेरोइन के साथ बाउंसर सहित दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने एक्सयूवी 500 कार में बनाए गए गुप्त स्थान में हेरोइन छुपा रखा था। म्यांमार सीमा से कच्ची हेरोइन भारत में लाकर परिष्कृत कर तस्कर उसे दिल्ली-एनसीआर में खपाते थे। उत्तर प्रदेश (यूपी) हापुड़ निवासी शाजाद और सीलमपुर का रहने वाला अमीर खान लंबे समय से हेरोइन की तस्करी कर रहे थे। पुलिस यह छानबीन कर रही है कि वे अब तक कितनी हेरोइन की तस्करी कर चुके हैं। पुलिस ने तस्करों की यूपी नंबर की एक्सयूवी कार व मोबाइल फोन भी जब्त कर लिया है।

स्पेशल सेल के डीसीपी संजीव कुमार यादव ने बताया कि पुलिस मादक पदार्थ तस्करों पर लगातार निगरानी रख रही है। इसी दौरान पता चला ता कि एक तस्कर गिरोह बिहार, पश्चिम बंगाल, मणिपुर और यूपी से हेरोइन लाकर इसकी तस्करी दिल्ली-एनसीआर में कर रहा है। यह भी सूचना मिली कि दो तस्कर 17 मार्च को हेरोइन की खेप के साथ कार से मजनू का टीला इलाके में आने वाले हैं। इसकी पता चलते ही एसीपी जसबीर सिंह व इंस्पेक्टर कृष्ण कुमार की टीम ने वजीराबाद फ्लाईओवर के समीप से कार से आए शाजाद और अमीर खान को धर दबोचा।

तलाशी लेने पर शाजाद के पास से तीन किलो और अमीर के पास से दो किलो हेरोइन बरामद हुई। वहीं, एक्सयूवी कार की तलाशी ली गई तो उसमें छुपा कर रखी गई 10 किलो हेरोइन और मिली। तस्करों ने कार की खिड़कियों और फुटरेस्ट मैट के पास हेरोइन छुपाने का गुप्त स्थान बना रखा था। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि म्यांमार बार्डर के रास्ते कच्ची हेरोइन भारत में पश्चिम बंगाल, बिहार और पूर्वोत्तर राज्यों में मंगाई जाती थी। बाद में वे उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में हेरोइन की परिष्कृत कर हेरोइन की आपूर्ति दिल्ली-एनसीआर में करते थे। शाजाद और नदीम दूर के रिश्तेदार हैं। पहले शाजाद बाउंसर का काम करता था। नदीम के संपर्क में आकर वह तस्करी करने लगा था। पुलिस अब गिरोह के अन्य तस्करों की गिरफ्तारी से जुट गई है।

मिलेगा भरपेट भोजन, 60 इलाकों में खुलेगी अटल रसोई

उत्तरी दिल्ली नगर निगम 20 स्थानों पर अटल रसोई की शुरुआत करेगा

नई दिल्ली। दिल्ली के तीनों नगर निगम आने वाले कुछ महीनों में अटल रसोई से गरीबों की भूख मिटाने की तैयारी में जुट गई है। अगर यह योजना परवान चढ़ी तो राजधानी दिल्ली के 60 इलाकों में सिर्फ 10 रुपये का भुगतान करके भरपेट भोजन कर सकेंगे। जागरण संवाददाता से मिली जानकारी के मुताबिक, दिल्ली के तीनों निगम इलाकों में अटल रसोई खोलने पर तेजी से काम हो रहा है। योजना के मुताबिक, दक्षिणी दिल्ली नगर निगम में 40 स्थानों पर तो उत्तरी दिल्ली नगर निगम 20 स्थानों पर अटल रसोई की शुरुआत करेगा। अधिकारियों की मानें तो अटल रसोई के जरिये गरीब लोगों को सिर्फ 10 रुपये में भरपेट भोजना उपलब्ध कराया जाएगा। वर्ष 2017 के दिल्ली नगर चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की ओर से अटल रसोई के जरिये 10 रुपये में खाना देने का वादा किया गया था। इसके बाद वर्ष 2018 में अटल रसोई खोली भी गई थी। इसका विस्तार होता, इससे पहले ही कोरोना के चलते बंद हो गई। ऐसे में कोरोना का असर कम होने के साथ ही अटल रसोई को फिर खोलने की कवायद शुरू हो गई है। यहां पर बता दें कि भारतीय टीम के पूर्व खिलाड़ी और पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट से भाजपा सांसद गौतम गंभीर जन रसोई भोजनालय की शुरुआत कर चुके हैं। जन रसोई में उनके संसदीय निर्वाचन क्षेत्र पूर्वी दिल्ली में जरूरतमंद लोगों को 1 रुपये में दोपहर का भोजन दिया जा रहा है। गौतम गंभीर गांधी नगर में पहले ही भोजनालय की शुरुआत कर चुके हैं,

जिसके बाद गणतंत्र दिवस पर अशोक नगर में भी ऐसा ही भोजनालय खोला है। गंभीर गंभीर की मानें तो मेरा हमेशा से मानना रहा है कि जाति, पंथ, धर्म और वित्तीय हालात से परे सभी को स्वस्थ और स्वच्छ भोजन करने का अधिकार है. यह देखकर अफसोस होता है कि बेघर और बेसहारा लोगों को दिन में दो वक्त की रोटी भी नसीब नहीं हो पाती। उन्होंने पूर्वी दिल्ली के 10 विधानसभा क्षेत्रों में कम से कम एक जन रसोई भोजनालय खोलने की योजना बनाई है। इसे एक-एक धरातल पर उतारा जाएगा। यहां पर बता दें कि हरियामा के रेवाड़ी में नई अनाजमंडी में हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत अटल रसोई की ट्रायल के तौर पर शुरुआत हो चुकी है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर अटल किसान-मजदूर कैंटीन इसका नाम रखा गया है। नया सवेरा महिला महासंघ को इस कैंटीन की कमान सौंपी गई है। समूह से जुड़ी सात महिलाएं इस कैंटीन में काम कर रही हैं। रोजाना सुबह 11 बजे से दोपहर बाद 3 बजे तक कैंटीन में जरूरतमंदों को भोजन दिया जा रहा है। नया सवेरा समूह की कलस्टर हैड कुसुम का कहना है कि कैंटीन ट्रायल के तौर पर ही चल रही है तथा 200 के लगभग लोग खाना खाने आते हैं। यहां आम उपभोक्ताओं को 10 रुपये में ही कैंटीन में भोजन मिल रहा है।

तंदूर में रोटी डालने से पहले आटे में मिलाता था थूक, वीडियो वायरल होने के बाद 3 लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। ख्याला थाना पुलिस ने एक होटल मालिक व दो ऐसे युवकों को गिरफ्तार किया है जो पहले आटे में थूक मिलाते थे और फिर रोटी को तंदूर में डालते थे। इंटरनेट मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने आरोपितों का पता लगाया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। तीनों आरोपितों के खिलाफ जानलेवा रोग का संक्रमण फैलाने और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक खाद्य पदार्थ बेचने से जुड़ी धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। आटे में थूक लगाने वाले दो आरोपित इब्राहिम व सबी अनवर मूलतः बिहार के निवासी हैं, जबकि होटल मालिक आमिर दिल्ली का ही रहने वाला है। इब्राहिम सीतामढ़ी जिला स्थित बहुराहो व सबी अनवर किशनगंज जिला स्थित कतामता का रहने वाला है।

पश्चिमी जिला पुलिस के अधिकारी ने बताया कि किसी व्यक्ति ने पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त के ट्विटर हैंडल पर एक वीडियो भेजा। वीडियो में नजर आया कि रोटी बनाने की प्रक्रिया के दौरान इसे बनाने वाले व्यक्ति आटे पर थूक रहे हैं। वीडियो बनाने वाले ने दावा किया कि यह मामला पश्चिम जिले के ख्याला इलाके का है। इसपर पुलिस अधिकारियों ने वीडियो को ख्याला थाना भेजकर इसपर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। थाना प्रभारी गुरसेवक सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने वायरल वीडियो की जांच शुरू की और उस होटल चांद की पहचान कर ली, जिसमें वीडियो बनाया गया था। यह होटल विष्णु गार्डन इलाके में स्थित है। जांच में पता चला कि होटल मालिक आमिर है। वीडियो में रोटी बनाने वाले दोनों युवक होटल में दिख गए। पुलिस ने होटल मालिक व रोटी बनाने वाले दोनों युवकों को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में इब्राहिम ने रोटी पर थूके जाने की बात कबूल कर ली। इसके पीछे के मकसद के बारे में आरोपितों ने कुछ नहीं बताया। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया, लेकिन जमानती धारा होने की वजह से उन्हें जमानत दे दी गई।

कोरोना से बचाव के इंतजामों को दुरुस्त करने लगे हैं दुकानदार

नई दिल्ली। दिल्ली समेत देशभर में जिस हिसाब से कोरोना संक्रमण के मामले बढ़े हैं, उसमें दुकानदार इससे बचाव के इंतजामों को फिर से अपनाने पर जोर देने लगे हैं। इसे लेकर बाजारों के कारोबारी संगठनों की ओर से भी दुकानदारों को एडवाइजरी जारी की जा रही है, जिसमें मास्क के साथ सैनिटाइजर और थर्मल स्कैनर केफिर से इस्तेमाल पर जोर है। इसी तरह शारीरिक दूरी बनाए रखने के लिए दुकानों के बाहर-भीतर चिन्ह बनाने समेत अन्य इंतजाम करने को कहा गया है। अनलाक के दौर में करीब-करीब सभी गतिविधियां सामान्य होने लगी हैं। बाजारों में भी सामान्य कामकाज होने लगा है। ऐसे में कोरोना के बढ़ते मामलों के चलते फिर से कारोबार प्रभावित न हो, इसे लेकर कारोबारी संगठन सचेत होने लगे हैं। चांदनी चौक सर्व व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय भार्गव ने कहा कि दुकानदारों को एडवाइजरी

अनलाक के दौर में करीब-करीब सभी गतिविधियां सामान्य होने लगी हैं। बाजारों में भी सामान्य कामकाज होने लगा है। ऐसे में कोरोना के बढ़ते मामलों के चलते फिर से कारोबार प्रभावित न हो, इसे लेकर कारोबारी संगठन सचेत होने लगे हैं।

भेजकर उन्हें बचाव के नियमों को कड़ाई से पालन करने को कहा जा रहा है। मुलाकातों में भी यह मुद्दा उठाया जा रहा है। उनसे बिना मास्क के ग्राहकों के दुकान में प्रवेश न देने तथा दुकान के भीतर शारीरिक दूरी पालन कराने पर जोर दिया जा रहा है। हालांकि, वे कहते हैं कि लोगों में इसको लेकर लापरवाही देखने को मिल रही है। कई लोग बिना मास्क के घूम रहे हैं, जिन पर प्रशासन की ओर से सख्ती की आवश्यकता है। कनाट प्लेस के कारोबारी संगठन नई दिल्ली ट्रेडर्स एसोसिएशन (एनडीटीए) के अध्यक्ष अतुल भार्गव ने कहा कि कोरोना के मामले बढ़ने के साथ ही दुकानदारों को बचाव के पुराने नियम पर लौटने को कहा जा रहा है। इसके लिए जल्द सभी दुकानदारों को सकरुलर जारी किया जाएगा तथा उनसे सैनिटाइजर, मास्क व थर्मल स्कैनिंग के अनिवार्य उपयोग पर जोर दिया जाएगा। इसी तरह दुकानों के बाहर-भीतर शारीरिक दूरी बनाए रखने के लिए कनाट प्लेस में चिन्ह लगवाए जाएंगे। वैसे, एनडीटीए इस महामारी को लेकर शुरू से ही सचेत रहा है। खान मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संजीव मेहरा ने कहा कि उनके यहां इसको लेकर ढिलाई नहीं रही है। अभी भी पूर्व की तरह नियमों का पालन किया जा रहा है।

मास्क नहीं पहनने वाले नेताओं के चुनाव पर लगे रोक

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर समेत देशभर में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में तेजी से इजाफा हो रहा है। इस बीच मास्क को लेकर देशभर के लोगों में लापरवाही देखने को मिल रही है। वहीं, मास्क न पहनने वाले नेताओं के चुनाव पर रोक लगाने की मांग को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई है। इस जनहित याचिका में कहा गया है कि नेता और उनके प्रचारक कोविड-19 नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। आने वाले दिनों में पश्चिम बंगाल समेत कई बड़े राज्यों में राज्यों में विधानसभा चुनाव हैं। कई राज्यों में तो चुनाव प्रचार से तेज हो गया है। ऐसे में वहां प्रचार के लिए दिल्ली से भी अलग-अलग पार्टियों के नेता जा रहे हैं। ऐसे में कोरोना के फैलने से नहीं रोका जा सकता। याचिका में केंद्र सरकार और भारतीय निर्वाचन आयोग को इस संबंध में दिशानिर्देश जारी करने की भी मांग की गई है। साथ ही कहा गया है कि चुनाव आयोग को चुनाव की घोषणा करते समय मास्क पहनने के संबंध में अधिसूचना जारी करनी चाहिए। डॉक्टर विक्रम सिंह की तरफ से दायर इस जनहित याचिका में कहा गया है कि फेस मास्क की अनिवार्यता को लेकर चुनाव आयोग को भी पत्र लिखा गया था, लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके चलते ही हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई है, ताकि केंद्र और चुनाव आयोग के लिए दिशानिर्देश जारी कराए जा सकें। याचिका में इस नियम पर सवाल उठाया गया है कि आम जनता पर तो मास्क न पहनने के लिए जुर्माना लगाया जा रहा है, लेकिन चुनावी रैलियों में इस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं हो रही। जबकि वहां पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुटती है।

केंद्र सरकार ने लगाई मुख्यमंत्री घर-घर राशन योजना पर रोक, केजरीवाल को लगा झटका

नई दिल्ली। राजधानी में अधिकारों को लेकर छिड़ी जंग के बीच केंद्र की ओर से दिल्ली में सत्तासीन आम आदमी पार्टी सरकार को शुक्रवार को बड़ा झटका लगा है। केंद्र सरकार ने दिल्ली में आगामी 25 मार्च से शुरू होने वाली मुख्यमंत्री घर-घर राशन योजना पर रोक लगा दी है। केंद्र सरकार की ओर से मुख्यमंत्री घर-घर राशन योजना पर रोक लगाने के पीछे तर्क दिया गया है कि राशन वितरण राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत किया जाता है। ऐसे में इसमें किसी तरह का बदलाव नहीं किया जा सकता है। जानकारी सामने आ रही है कि केंद्र सरकार ने दिल्ली सरकार के खाद्य आपूर्ति सचिव को लिखी चिट्ठी में कहा है कि इस योजना को शुरू न करें। वहीं, अरविंद केजरीवाल सरकार इस योजना के लिए टेंडर भी अवार्ड कर चुकी है और 25 मार्च से इसे लॉन्च होना था। बता दें कि दिल्ली सरकार की ओर से 25 मार्च को मुख्यमंत्री घर-घर राशन योजना का उद्घाटन करने की तारीख तय थी। इसका उद्घाटन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल खुद करने वाले थे। मिली जानकारी के मुताबिक, खुद सीएम अरविंद केजरीवाल 25 मार्च को सीमापुरी सर्कल के 100 घरों में डिलीवरी के साथ इस योजना की शुरुआत करने वाले थे।

इसके तहत राशन की डोर स्टेप डिलीवरी की जाने की योजना थी। मुख्यमंत्री घर-घर राशन योजना के तहत गेहूं के बदले आटा एवं चावल का पैकेट देने की योजना थी। चावल और चीनी के पैकेट पर इसके तैयार होने की तिथि व एक्सपायरी तिथि भी दी जाती, जिससे जनता को राशन के इस्तेमाल की सही जानकारी मिलती। दिल्ली के मंत्री इमरान हुसैन की मानें तो राशन गोदाम से लेने, पैकेजिंग और गरीबों के घर तक पहुंचाने की प्रक्रिया सीसीटीवी, जीपीएस व बायोमीटिक सिस्टम के तहत पूरी की जा रही थी। दिल्ली सरकार की ओर से दावा किया गया था कि डोर स्टेप डिलीवरी ऑफ राशन शुरू होने के बाद लोगों को राशन की दुकान पर आने की जरूरत नहीं पड़ती। अगर किसी उपभोक्ता को 25 किलो गेहूं और 10 किलो गेहूं और 10 किलो चावल की जरूरत होती, तो 25 किलो की एक शानदार पैकिंग में साफ-सुथरा गेहूं या आटा और 10 किलो चावल की एक बोरी बनाकर उसके घर पहुंचा दिया जाता।

बदमाश की पिस्टल पर भारी पड़ा महिला का झांडू, बदमाश को भागने पर किया मजबूर

पश्चिमी दिल्ली। एक महिला ने बहादुरी दिखाते हुए एक लूटेरे को दबे पांव भागने को मजबूर कर दिया।

पुलिस अधिकारी महिला के हौसले की तारीफ कर रहे हैं। बदमाश ने महिला के साथ तब लूटपाट की कोशिश की जब वह अपने घर के सामने झाड़ू दे रही थी। पुलिस ने आरोपित की तलाश शुरू कर दी है। पालम थाना पुलिस ने महिला की शिकायत पर लूटपाट के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। महिला पालम इलाके में रहती हैं। बुधवार को सुबह साढ़े सात बजे जब वे अपने घर के बाहर झाड़ू लगा रही थीं तब एक युवक उनके पास आया और उन पर पिस्टल तान दी। बदमाश ने इनसे कहा कि वह अपने गले में पहनी सोने की चेन उतारकर उसके हवाले कर दें। बिना डरे महिला ने हिम्मत दिखाई और झाड़ू से बदमाश के उपर वार कर दिया। झाड़ू लगने से बदमाश का संतुलन बिगड़ा और उसके हाथ से पिस्टल नीचे गिर गई। इस बीच महिला शोर मचाने लगी। शोर सुनकर आसपास के लोग उस ओर दौड़े। लोगों को आता देख बदमाश उठा और नीचे पड़ा पिस्टल लेकर फरार हो गया।महिला ने तुरंत घटना की जानकारी पुलिस को दी।

पुलिस ने मौका मुआयना करने के बाद मामला दर्ज कर लिया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को खंगालकर फरार बदमाश की पहचान करने में जुटी है।

दरअसल कई इलाकों में बाइक सवार बदमाश सुबह के समय निकलते हैं और वो बच्चों को स्कूल बस तक छोड़ने जा रही महिलाओं, सामान खरीदने जा रही महिलाओं या युवतियों को इसी तरह से निशाना बनाते हैं।चूंकि सुबह के समय सड़क पर भीड़ कम होती है इस वजह से इनको भगाने में भी आसानी होती है।

सिर्फ 31 दिन में पास हो जाएगा सपनों के घर का नक्शा

82 फीसद से ज्यादा नक्शे निगमों के बिना हस्तक्षेप के पास हो रहे हैं

नई दिल्ली। राजधानी में सपनों का घर बनाने के लिए भ्रष्टाचार ही सबसे बड़ा ग्रहण साबित होता है। दिल्ली नगर निगम से लेकर दिल्ली पुलिस और दूसरी एजेंसियों को बड़ा चढ़ावा देना पड़ता था तब जाकर नक्शा पास हो पाता था। लेकिन, अब यह बात बीते जमाने की हो चुकी है। सपनों के घर से भ्रष्टाचार का ग्रहण हट रहा है। अब लोग बिना निगम के दफ्तरों के चक्कर लगाए या फिर बिना किसी सिफारिश के नक्शे पास करा पा रहे हैं। इतना ही नहीं, जिन नक्शों को पास होने में छह माह से लेकर एक साल तक समय लग जाता था, वे अब गिनती के दिनों में पास हो रहे हैं। निगम की ओर से किए गए सर्वे में यह बात सामने आई है कि 82 फीसद से ज्यादा नक्शे निगमों के बिना हस्तक्षेप के पास हो रहे हैं। इसका फायदा लोगों को कम दाम में अपना घर बनाने के रूप में मिल रहा है। दरअसल, वर्ष 2016 में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत दिल्ली नगर निगम ने ऑनलाइन नक्शे की स्वीकृति की शुरुआत की थी। इसके तहत दिल्ली के तीनों नगर निगमों (पूर्वी, उत्तरी और दक्षिणी) में एकीकृत पोर्टल के माध्यम से भवन निर्माण के लिए सरल योजना के तहत 105 से लेकर 500 वर्ग मीटर तक के रिहायशी प्लाटों के नक्शों को आनलाइन ही स्वीकृति दी जाती है।

इसके तहत लोगों को अब निगम के दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते हैं। निगम के अनुसार वर्ष 2019-20 में 2501 नक्शों में 80.45 फीसद नक्शे बिना निगम के हस्तक्षेप के पास हो गए तो वहीं वर्ष 2020-21 में 4632 में 82.36 फीसद नक्शे पास हुए, जबकि पहले नक्शे पास कराने के लिए इंजीनियरों से व्यक्तिगत रूप से संपर्क करना पड़ता था, जिससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता था। अब बिना किसी के संपर्क में आए आनलाइन पोर्टल से नक्शे स्वीकृत होने लगे हैं। दिल्ली में भवन निर्माण के लिए नक्शा पास करना यानी निर्माण की परमिट लेने में सरलता से भारत की विश्व बैंक की नजर में भी रैंकिंग सुधर रही है। यही वजह है कि वर्ष 2018 में विश्व बैंक की ओर से जारी डूइंग बिजनेस रिपोर्ट में भारत 181 वें स्थान पर था, अब वह 27वें स्थान पर जा पहुंचा है। हर साल निगम को ईज आफ डूइंग बिजनेस में उपलब्धियां हासिल हो रही हैं।

कैदियों से मिलना है तो परिजन को पहले कराना होगा कोरोना टेस्ट

नई दिल्ली। एक बार फिर कोरोना संक्रमण ने पांव पसारना शुरू कर दिया है। देश की सबसे बड़ी जेल में इसका प्रसार न हो इसके लिए जेल प्रशासन के साथ स्वास्थ्य विभाग भी सतर्कता बरत रहा है। ज्ञात हो पिछले वर्ष शुरुआती लहर में कई कैदी व कर्मचारी कोरोना संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं और दो कैदियों की तो संक्रमण के कारण मौत भी हो चुकी है। उस तरह की परिस्थिति एक बार फिर जेल परिसर में उत्पन्न न हो इसके लिए कैदियों से मिलने के लिए आने वाले उनके परिजनों की भी गेट पर रैपिड एंटीजन किट से कोरोना जांच सुनिश्चित की जा रही है।

संपादकीय

भुलाए न भूलेगी वह भयावहता

अगले चंद दिनों में कोरोना महामारी के मद्देनजर देश भर में लगाए गए लॉकडाउन को एक साल पूरा होने जा रहा है। इसके संताप से हुए खट्टे-मीठे अनुभव अभी तरोताजा हैं। यह व्यापक जनहानि बचाने के उद्देश्य से उठाया गया एक सरकारी अस्त्र था। आमजन को हुई तमाम दुश्वारियों के बावजूद यह काफी हद तक सफल भी रहा। भय और भूख मानव स्वभाव के लक्षण हैं। ये दोनों ही ऊर्जा व नए-नए आविष्कार करने हेतु प्रेरित करते रहे हैं। लॉकडाउन एक त्रासदी टालने के लिए लागू हुआ, लेकिन इसने अनगिनत कठिनाइयां आमजन के लिए खड़ी कर दी थीं। हालांकि, यह सब जगह कड़ाई से लागू किया भी नहीं जा सकता था। आबादी की लगभग 60 फीसदी संख्या ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है। इस आबादी के कमोबेश सक्रिय बने रहने से एक और बड़ी त्रासदी टल गई। जब लॉकडाउन लगा, तब गेहूं की फसल कटाई के चरण पर आ गई थी। भारतीय किसानों ने वैसे भी आपदाओं से दो-दो हाथ नियमित अंतराल पर करने की आदत डाल रखी है। ज्यादातर किसान निडरता से खेतों में जुटे रहे और लॉकडाउन समाप्त होने तक गल्ला मंडियों, गोदामों और अपने घरों तक में खूब भंडारण कर दिया। सकल घरेलू उत्पाद में भले ही कृषि क्षेत्र का अंशदान घट गया हो, पर कृषि का यह योगदान देश में अन्न के लिए मचने वाले भावी उपद्रव व अशांति को टालने में कामयाब रहा। लॉकडाउन की पहली निर्धारित अवधि समाप्ति की बाट जोह रहे शहरी व कस्बाई कामगार, मजदूर व अनेक छोटे-मोटे व्यवसायी इसकी अवधि फिर से बढ़ने से आशंकित व आक्रोशित हो गए। तब तक तमाम धर्मार्थ संस्थाएं व उदारजन इन करोड़ों लोगों को भोजन-पानी उपलब्ध कराते रहे थे। फिर अफवाहों की आंधी सोशल मीडिया से चलने लगी कि यह लॉकडाउन अनिश्चित समय तक चलेगा। गांव में रहने वाले अपने स्वजनों से मिलने व वहां ज्यादा सुरक्षा की उम्मीद में लौट चले। सिर पर पोटली रख, सीने से बच्चों को लगाए पैदल ही लौट जाने का क्रम चला। एक अनुमान के अनुसार, उस दौर में करीब दस करोड़ लोग सड़कों पर थे। भूख, प्यास, बीमारी झेलते हजारों किलोमीटर की यात्रा तय करते गए। मजबूर सरकार ने बाद में विशेष श्रमिक रेल गाड़ियां, बसें चलाकर घर-गांव पहुंचने में लोगों की मदद की। लॉकडाउन ने निजी क्षेत्र में काम करने वाले करोड़ों लोगों को बेरोजगार कर दिया। असंगठित क्षेत्र में बगैर पंजीकरण काम करने वाले करोड़ों लोग थे ,जो रोजी-रोटी के मोहताज हो गए। नौबत ऐसी आ गई थी कि 'जान है, तो जहान है' के सिद्धांत पर सरकारें काम करने लगी थीं। फिर धीरे-धीरे डेढ़ महीने बाद एक-एक करके लॉकडाउन में रियायतें शुरू हुईं। रियायतें जरूरी थीं, ताकि जान भी बची रहे और जीविका भी। जैसे-जैसे अर्थव्यवस्था पर लॉकडाउन का असर सामने आने लगा, सरकार बारी-बारी से गतिविधियों को मंजूरी देती गई। यह हमारे इतिहास में दर्ज है कि वर्क फ्रॉम होम, ई-कॉमर्स के प्लेटफॉर्म और मोबाइल नेटवर्क ने हमें गर्त में जाने से कैसे बचाया।

हम कैसे भूल जाएं, शुरुआत में न जांच आसान थी और न इलाज। 23 करोड़ की आबादी वाले उत्तर प्रदेश से कोविड के सैंपल पुणे जांच के लिए भेजे जाते थे। पूरे देश में ज्यादातर जांच केंद्रों का कोई अर्थ नहीं रह गया था। सभी को बस कोरोना महामारी ही नजर आ रही थी, बाकी बीमारियों की चर्चा गायब थी। मास्क निर्माण बहुत सीमित था। पीपीई किट का तो नाम भी बहुत कम लोगों ने सुना था। उस समय सैनिटाइजर भी ज्यादा नहीं बनते थे। ऑक्सीजन सिलेंडर व वेंटिलेटर तो अच्छे-अच्छे नामचीन अस्पतालों में ही मिलते थे, वहां भी सीमित संख्या में। हम विदेश की ओर देखने लगे थे और फिर बाद में हमने खुद बनाना शुरू किया। आज हम कोरोना से लड़ने की सामग्रियां अन्य विकासशील जरूरतमंद देशों को निर्यात करने लगे हैं। अस्पताल और दवा क्षेत्र बहुत हद तक विकसित हो चुके हैं। विश्व की 80 प्रतिशत दवाएं यहां निर्मित और निर्यात हो रही हैं। लॉकडाउन ने हमारी जीवन शैली व जीवन दर्शन, दोनों को प्रभावित किया है। संयम, श्रम, अनुशासन, स्वल्पाहार जैसे नैतिक पाठ लोग पढ़ना भूल गए थे। लॉकडाउन के दौर में घरों में बंद लोगों को आशा की किरणें इन्हीं मानवीय गुणों में नजर आने लगीं। निजी व आसपास की सफाई के प्रति जो लापरवाह थे, अब सजग हो गए हैं। नदियों में गंदगी बहाना हमारी संस्कृति का हिस्सा लगता है, लेकिन हमने पहली बार लॉकडाउन के एक माह में ही ऋषिकेश से वाराणसी तक गंगा-जल को निर्मल होते देखा। जलचर सक्रिय हो गए। अनेक जगहों पर जंगली जानवर सड़कों तक आने लगे। जालंधर से हिमालय, नंदा देवी की बर्फीली चोटियां नजर आने लगीं। आगरा में लॉकडाउन की अवधि में आंधी आई और तेज वर्षा हो गई, फिर तेज धूप खिली, तब ड्रोन कैमरे से किले और ताज की ली गई तस्वीरें आज भी अविश्वसनीय सी लगती हैं। वर्ष 1569 में बनकर तैयार हुआ किला जितना लाल तब लगता रहा होगा, वैसा ही तस्वीरों में लगने लगा। लॉकडाउन के सन्नाटे में एक ऐसा समय भी आया, जब न्यूनतम मूलभूत जरूरतें बहुत सिमट गईं, आने वाला कल एक स्वप्न सा लगने लगा। चोरी, छिनैती, डकैती, दुश्मनी, अपहरण, हत्या दुर्घटनाएं तो जैसे फंतासी उपन्यास की विषय-वस्तु लगने लगीं। घमंड से चूर हो रहे इंसानों की हेकड़ी एक अदृश्य वायरस ने निकाल दी और न जाने कितने पाठ पढ़ा दिए। अजीब-अजीब भय थे। एक खबर अमेरिकी मीडिया से छनकर आई कि वहां धनाढ्य लोग बड़ी संख्या में बंदूकें व कारतूस खरीद रहे हैं, उन्हें आशंका हो गई थी कि भूखे-प्यासे लोग समूह में हमले कर खाने-पीने का सामान लूटेंगे। यह आशंका भारत में भी थी, लेकिन सेवाभावियों से भरे इस देश ने सबको बचा लिया। तब अफवाहों का बाजार भी गरम था। कई लोग जमाखोरी में लगे थे। दूध-सब्जी, दवा जैसी जरूरी चीजें प्रशासन और पुलिस ने सभी लोगों को उपलब्ध कराने की युद्धस्तर पर जिम्मेदारी संभाल रखी थी। लोग बिना बाल कटाए रह गए। कम से कम कपड़ों में काम चलाने लगे। अच्छे-महंगे कपड़े, जेवर के प्रति लगाव ही मानो खत्म हो गया। एक खुशी यह भी है कि यह अदृश्य वायरस सामाजिक समरसता की ऐसी क्रांति ले आया कि भिश्ती, मुंशी, हाकिम, सब बचने के लिए एक ही नाव पर सवार हो गए और अच्छे-बुरे अनुभवों से धनी हुए।

प्रवीण कुमार सिंह

नकली सेक्युलर नेताओं के लिए देश की एकता-अखंडता से अधिक महत्वपूर्ण है वोट बैंक

इसके बाद जो तबका ममता की नजर में राज्य के लिए 'महाविपत्ति' था, वही उनकी पार्टी के लिए वोट बैंक के रूप में 'महासंपत्ति' बन गया। वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बन गए। मोदी सरकार ने सीएए और एनआरसी की जरूरत महसूस की। इस पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि 'जो भी बांग्लादेश से यहां आए हैं, वे चुनाव में वोट देते रहे हैं, वे सभी भारतीय नागरिक हैं। उन्हें यहां से भगाया नहीं जा सकता।' सीएए, एनपीआर और एनआरसी के विरोध में ममता ने एक अन्य अवसर पर यह भी कहा था कि इसे लागू करने पर गृहयुद्ध हो जाएगा।

बंगाल विधानसभा चुनाव के संभावित नतीजों के पूर्वानुमान आने शुरू हो गए हैं। कुछ अनुमानों में भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच लगभग बराबरी का मुकाबला बताया जा रहा है। कुछ दिनों में स्थिति और भी साफ हो जाएगी। पिछले कुछ महीनों में जितने बड़े पैमाने पर सांसदों, विधायकों और नेताओं ने तृणमूल कांग्रेस को छोड़ा, वह एक रिकॉर्ड है। यह गौर करने लायक है कि जो भी नेता तृणमूल कांग्रेस छोड़ रहा है, वह मुख्यतः भाजपा में शामिल हो रहा है। आम तौर पर ऐसा तब होता है, जब दल छोड़ने वाले नेताओं को उनके मतदाताओं से यह संकेत मिलता है कि किसी खास दल से चुनाव लड़ोगे, तभी उन्हें उनके वोट मिलेंगे। आखिर इतनी बड़ी संख्या में सांसद-विधायक ममता का साथ क्यों छोड़ रहे हैं? जिस दल के जीतने की पक्की उम्मीद रहती है, उसे शायद ही कोई छोड़ता हो। स्पष्ट है कि अभी जो चुनावी लड़ाई बराबरी की दिख रही है, उसका स्वरूप आने वाले दिनों में बदल भी सकता है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की रणनीतियों से यह लगता है कि वह विरोधियों के प्रति तीखे तेवर अपनाने में पीछे नहीं रहने वालीं। 2016 में ममता बनर्जी ने मोदी और शाह को सार्वजनिक रूप से पंडा और गुंडा कहा था। वह यह शब्दावली अब भी दोहरा रही हैं। ममता बनर्जी के एजेंडे में न सिर्फ तुष्टीकरण और भतीजे को राजनीति में आगे बढ़ाने के काम शामिल है, बल्कि बांग्लादेशी घुसपैठियों की तरफदारी करना भी है।

ममता बनर्जी अपने नेताओं पर लग रहे भ्रष्टाचार के आरोपों को गलत बताती हैं। इसके साथ ही केंद्र की विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं के अमल को लेकर भी उपेक्षा एवं असहयोगपूर्ण रवैया अपनाती हैं। इससे भाजपा के लिए अनुकूल राजनीतिक-चुनावी परिस्थिति तैयार

हो रही है। घुसपैठियों की विशेष पक्षधरता के कारण ही ममता बनर्जी ने 2020 के प्रारंभ में दार्जिलिंग की रैली में यह घोषणा कर दी थी कि बंगाल में सीएए यानी नागरिकता संशोधन कानून लागू नहीं होने दिया जाएगा।

ध्यान रहे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हाल में कहा है कि कोरोना टीकाकरण के बाद सीएए लागू किया जाएगा। इससे पहले केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट में यह कह चुकी है कि किसी भी संप्रभु देश के लिए राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर यानी एनआरसी जरूरी है। याद रहे कि अमेरिका, चीन, जर्मनी और जापान जैसे देशों की कौन कहे, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में भी नागरिकता रजिस्टर और नागरिकता कार्ड का प्रविधान है। भारत में कुछ लोगों को सीएए और एनआरसी किसी भी कीमत पर मंजूर नहीं। इनमें ममता प्रमुख हैं। उनके जैसे वोटलोलुप नेताओं के लिए भारत कोई देश नहीं, बल्कि मात्र धर्मशाला है। यह चिंताजनक है कि नकली सेक्युलर नेताओं के लिए देश की एकता-अखंडता से अधिक महत्वपूर्ण उनका वोट बैंक है।

पिछले महीने ही ममता बनर्जी ने कहा कि यदि मुझे जेल में बंद भी कर दिया गया तो मैं बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की तरह जाय बांग्ला का नारा दूंगी। आखिर मुजीब की भूमिका दोहराने के पीछे ममता बनर्जी की मंशा क्या है? कहां मुजीब और कहां ममता? पता नहीं उनका इरादा क्या है, लेकिन अल्पसंख्यकों के तुष्टीकरण की राजनीति में वह किसी से पीछे नहीं रहना चाहतीं। इन दिनों बाटला हाउस मुठभेड़ की चर्चा हो रही है। इस मुठभेड़ के बारे में एक समय ममता बनर्जी ने कहा था कि यदि मुठभेड़ सच साबित हुई तो मैं राजनीति छोड़ दूंगी। अदालत के फैसले ने इस मुठभेड़ को सच साबित किया है। वह ऐसा बयान देकर एक तरह से इंडियन मुजाहिदीन के उन आतंकियों का बचाव कर रही थीं, जिन्होंने दिल्ली पुलिस के एक इंस्पेक्टर को मार दिया था। क्या ऐसी ही राजनीति मुजीब करते थे? क्या वह देश के दुश्मनों के साथ थे? ऐसा तो बिल्कुल भी नहीं था। मुजीब एक विशेष परिस्थिति में पूर्वी पाकिस्तान में चमके थे। उन्हें चुनाव में बहुमत मिलने के बावजूद पश्चिमी पाकिस्तान के शासकों द्वारा पाकिस्तान का शासक नहीं बनने दिया गया था। पूर्वी पाकिस्तान के अधिकतर लोगों की सहानुभूति मुजीब के साथ थी।

तृणमूल कांग्रेस के जीतने पर ममता बनर्जी ही मुख्यमंत्री बनेंगी। यदि ममता फिर से सत्ता में आ जाती हैं तो भी केंद्र सरकार को सीएए, एनपीआर लागू करने में पीछे नहीं हटना चाहिए। घुसपैठियों से मुक्ति पाकर देश को सुरक्षित बनाने का दायित्व केंद्र सरकार को निभाना ही पड़ेगा। ममता बनर्जी की राजनीति कितनी मौकापरस्त है, यह एक खास राजनीतिक प्रकरण से पता चल जाएगा। इस प्रकरण से यह भी पता चल जाएगा कि वोट बैंक की राजनीति के कारण ममता किस तरह अपने ही रुख से पलट गईं। यह प्रकरण 2005 का है। तब बंगाल में वाम मोर्चा की सरकार थी। ममता तब लोकसभा सदस्य थीं। 4 अगस्त, 2005 को उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष की टेबल पर कागजों का पुलिंदा जोर से फेंका। उसमें अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को मतदाता बनाए जाने के सुबूत थे। उनके नाम गैरकानूनी तरीके से मतदाता सूची में शामिल करा दिए गए थे। यह अवैध काम वाम मोर्चा सरकार के लोगों ने किया था। ममता ने सदन में कहा कि घुसपैठ की समस्या राज्य में 'महाविपत्ति' बन चुकी है। इन घुसपैठियों के वोट का लाभ वाम मोर्चा उठा रहा है। उन्होंने इस पर सदन में चर्चा की मांग की। चर्चा की अनुमति न मिलने पर ममता ने सदन की सदस्यता से इस्तीफा भी दे दिया। चूंकि उनका इस्तीफा विधिवत रूप से तैयार नहीं किया गया था, इसलिए वह मंजूर नहीं हुआ।

वर्ष 2011 में ममता बनर्जी बंगाल की मुख्यमंत्री बनीं। तबसे घुसपैठियों के वोट उनकी पार्टी को मिलने लगे। इसके बाद जो तबका ममता की नजर में राज्य के लिए 'महाविपत्ति' था, वही उनकी पार्टी के लिए वोट बैंक के रूप में 'महासंपत्ति' बन गया। वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बन गए। मोदी सरकार ने सीएए और एनआरसी की जरूरत महसूस की। इस पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि 'जो भी बांग्लादेश से यहां आए हैं, वे चुनाव में वोट देते रहे हैं, वे सभी भारतीय नागरिक हैं। उन्हें यहां से भगाया नहीं जा सकता।' सीएए, एनपीआर और एनआरसी के विरोध में ममता ने एक अन्य अवसर पर यह भी कहा था कि इसे लागू करने पर गृहयुद्ध हो जाएगा। देखना है कि बंगाल में क्या होता है? वहां जो भी हो, देशघाती राजनीति को पनपने का अवसर नहीं मिलना चाहिए।

राजनय और झुंझलाहट

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पिछले दिनों जारी अमेरिकी एनजीओ फ्रीडम हाउस और स्वीडन स्थित वी-डेम इंस्टिट्यूट की रिपोर्टों को सिरे से खारिज कर दिया। यह तो खैर कोई बड़ी बात नहीं है, पर पिछले कुछ समय से विदेशों में हो रही आलोचना को लेकर सरकार के रुख में जो एक किस्म की झुंझलाहट दिख रही है, उसके कारणों पर समय रहते विचार किया जाना चाहिए। फ्रीडम हाउस की सालाना रिपोर्ट में भारत का दर्जा फ्री (स्वतंत्र) से घटाकर पार्टली फ्री (आंशिक रूप से स्वतंत्र) कर दिया गया है। लगभग इसी तर्ज पर वी-डेम इंस्टिट्यूट की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत अब इलेक्टोरल डेमोक्रेसी नहीं रहा, यह इलेक्टोरल ऑटोक्रैसी यानी चुनावी तानाशाही में बदल चुका है। निश्चित रूप से ये बड़े निष्कर्ष हैं जो अधिक तथ्यों, गंभीर अध्ययन और जिम्मेदार बहस की मांग करते हैं। इन सबके अभाव में इन निष्कर्षों की विश्वसनीयता पर यूं भी पूरी दुनिया में सवाल उठेंगे और भारत सरकार की भूमिका इतनी ही हो सकती है कि वह इस वितंडावाद को उचित मंचों पर तथ्यों के जरिये खारिज करे।

इससे पहले भी सरकारें अलग-अलग अंतरराष्ट्रीय संगठनों की रिपोर्टों को प्रश्नांकित करती रही हैं और इसमें प्रायः उन्हें विपक्ष का समर्थन भी प्राप्त होता रहा है। नरसिंह राव के दौर में जम्मू-कश्मीर को लेकर आई कुछ विदेशी रिपोर्टें देशव्यापी एकजुटता का सबब बन गई थीं। इसलिए मुद्दा भारत सरकार द्वारा ऐसी रिपोर्टों को ठुकराने का नहीं बल्कि कई स्तरों पर दिख रही बेचैनी का है। यह बेचैनी सरकार और उससे प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़े व्यक्तित्वों की असंयत प्रतिक्रिया में जाहिर हो रही है। अगर हमारे देश के अंदर हो रहे किसान आंदोलन पर विदेशी हस्तियां कोई टिप्पणी करती हैं या किसी और देश की संसद में इसे लेकर बहस होती है, या फिर लोकतांत्रिक अधिकारों में कथित कटौती पर कहीं कोई सवाल उठता है तो इसके पीछे जानकारी की कमी और कुछ मामलों में गलतफहमी भी हो सकती है। सरकार उन संगठनों और संस्थाओं से संवाद में उतर सकती है, उनकी गलतफहमियों को दूर करने का प्रयास कर सकती है या ज्यादा कुछ किए बिना इस बात का इंतजार कर सकती है कि देर-सबेर हकीकत उनकी समझ में आ जाएगी।

इसके विपरीत ऐसे मामलों में आक्रामक प्रतिक्रिया देने या बाहर हर तरफ अपने दुश्मन फैले हुए मान लेने में नुकसान ही नुकसान है। किसी जिम्मेदार व्यक्ति का यह संकेत देना विशेष रूप से चिंताजनक है कि हम अपने थिंक टैंक के जरिए लोकतंत्र के खास अपने मानक लेकर सामने आएंगे और उस कसौटी पर बाकी दुनिया को कसेंगे। लोकतंत्र और मानवाधिकार जैसे जीवन मूल्यों को लेकर इस तरह की बात बाहर से आ रही आलोचनाओं को प्रामाणिक बना देगी और इससे हमारा अलगाव और बढ़ेगा। अच्छा यही होगा कि सरकार देश के भीतर टकराव के कुछ बड़े मामलों में तत्काल सौहार्दपूर्ण बातचीत का रास्ता पकड़े ताकि पहले देश में, फिर विदेश में भारतीय लोकतंत्र को लेकर कटूक्तियों की कोई जगह ही न बचे।

पढ़ाई पर कोरोना की मार, औपचारिक शिक्षा व्यवस्था पर गंभीरता से सोचने का समय

कोरोना की मार का असर अब शिक्षा व्यवस्था पर भी साफ दिखाई देने लगा है। देखा जाए तो कोरोना महामारी के कारण लगभग सभी क्षेत्र प्रभावित हुए हैं। वैसे समग्र प्रयासों से दुनिया के तमाम देशों में उद्योग-धंधे पटरी पर आने लगे हैं, अर्थव्यवस्था में सुधार भी दिखाई देने लगा है, परंतु अभी भी कुछ गतिविधियां ऐसी हैं जो इस कारण प्रभावित हो रही हैं। इसमें से शिक्षा व्यवस्था प्रमुख है। भारत सहित कई देशों में स्कूल खुलने लगे हैं तो उनमें बड़ी कक्षा के बच्चों ने आना भी शुरू किया है, परंतु पूरी तरह से शिक्षा व्यवस्था के पटरी पर आने का काम फिलहाल तो बहुत मुश्किल ही दिखाई दे रहा है।

लगभग एक साल से स्कूली शिक्षा व्यवस्था प्रायः ठप है। प्राथमिक से उच्च शिक्षा व्यवस्था को पटरी पर लाना सरकारों के सामने बड़ी चुनौती है। ऑनलाइन शिक्षा के भले ही कितने दावे किए गए हों, पर उन्हें किसी भी स्थिति में कारगर नहीं माना जा सकता। इसका एक बड़ा कारण दुनिया के अधिकांश देशों में सभी नागरिकों के पास ऑनलाइन शिक्षा की सुविधा का मुकम्मल तौर पर उपलब्ध नहीं होना भी है। इंटरनेट की सुविधा और फिर इसके लिए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता हमारे यहां बहुत ही सीमित है। इतना ही नहीं, महामारी का टीका उपलब्ध होने के बावजूद स्कूल खोलना किसी चुनौती से कम नहीं लग रहा है।कोरोना प्रोटोकॉल का पालन अपनेआप में एक बड़ी चुनौती है, ऐसे में आवश्यकता तो शिक्षा बजट को बढ़ाने की है, पर उसके स्थान पर शिक्षा बजट में कटौती शिक्षा के क्षेत्र में देश दुनिया को पीछे ले जाना ही है। जरूरत यह थी कि कोरोना प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित कराने पर जोर देते हुए शिक्षण संस्थाओं को खोलने की बात की जाती। इसके लिए कक्षाओं में एक सीमा से अधिक विद्यार्थियों के बैठने की व्यवस्था न होने, थर्मल स्केनिंग की व्यवस्था, सैनिटाइजरों की उपलब्धता और अन्य सावधानियां सुनिश्चित करने की व्यवस्था अतिरिक्त बजट देकर की जानी चाहिए थी।

इसी तरह से अन्य आधारभूत सुविधाओं के विस्तार पर जोर दिया जाना चाहिए था, क्योंकि ऑनलाइन कक्षाओं के कारण बच्चों में सुनाई देने में परेशानी जैसे साइड इफेक्ट सामने आने लगे हैं। ऑनलाइन पढ़ाई की गुणवत्ता और उसके परिणाम भी अधिक उत्साहवर्धक नहीं हैं। अपितु बच्चों में मोबाइल व लैपटॉप के दुष्परिणाम सामने आने लगे हैं। समय की मांग है कि औपचारिक शिक्षा व्यवस्था के बारे में भी गंभीरता से सोचा जाए। गैर-सरकारी संस्थाओं को भी इसके लिए आगे आना होगा, क्योंकि यह भावी पीढ़ी के भविष्य का सवाल है। केवल फीस लेने या नहीं लेने से इस समस्या का समाधान नहीं होने वाला है।

वर्तमान दौर में लगभग सभी देशों में बच्चों की शिक्षा प्रभावित हुई है। परिजनों की अभी भी बच्चों को स्कूल भेजने की हिम्मत नहीं हो रही है। आधारभूत सुविधाएं और संसाधन होने के बावजूद विकसित देशों में भी शिक्षा को पटरी पर नहीं लाया जा सका है। कोरोना प्रोटोकॉल का पूरी तरह से पालन करने की राह में हमारे देश में भी स्कूलों के सामने अनेक मुश्किल हैं। वर्तमान जरूरतों के अनुसार संसाधन उपलब्ध कराना मुश्किल भरा काम है तो दूसरी ओर शिक्षण संस्थाओं द्वारा यह अपने संसाधनों को अपने स्तर से जुटाना आसान नहीं है।

अभिभावकों से इसी राशि को वसूलना भी कोरोना महामारी से टूटे हुए लोगों पर अतिरिक्त दबाव बनाना ही होगा। आम आदमी वैसे ही मुश्किलों के दौर से गुजर रहा है। वर्तमान हालात में देश-समाज के सामने शिक्षा को बचाना बड़ा दायित्व हो जाता है। इसके लिए हम सभी को आगे आना होगा और नवाचारों के माध्यम से शिक्षा को एक नई राह दिखानी होगी, ताकि सभी तक आसानी और सुलभता से शिक्षा को पहुंचाया जा सके।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में चौथी पारी खासे आक्रामक अंदाज में खेल रहे शिवराज सिंह

शिवराज सिंह की खासियत उनका कूल-कूल स्वभाव है, यद्यपि चौथी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद पिछले एक वर्ष से प्रदेश में हर क्षेत्र के माफिया के खिलाफ जैसा आक्रामक अभियान चल रहा है, उससे उनकी लोकप्रियता में बढ़ोतरी स्वाभाविक है। अपराधियों के खिलाफ उन्होंने घोषणा की थी कि वे प्रदेश छोड़कर भाग जाएं, नहीं तो जमीन में गड़वा दूंगा। इसमें दोराय नहीं कि राजनेताओं की हर बात में राजनीति घुली रहती है। इसके बावजूद शिवराज सिंह की मौजूदा राजनीति मध्य प्रदेश के लिए अच्छी है।

कहा जाता है कि दूध का जला छाछ भी फूंक-फूंककर पीता है। मुख्यमंत्री के रूप में चौथी पारी खासे आक्रामक अंदाज में खेल रहे शिवराज सिंह की कार्यशैली में यह बात साफ दिखती है। वर्ष 2018 विधानसभा चुनाव के नतीजों ने शिवराज सिंह समेत पूरी पार्टी को स्तब्ध कर दिया था, क्योंकि लगातार करीब 13 वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियां और शिवराज सिंह की लोकप्रियता देखते हुए किसी को ऐसे नतीजे की उम्मीद नहीं थी। बहरहाल, 15 महीने बाद कांग्रेस सरकार का पतन हो गया और शिवराज सिंह को मुख्यमंत्री की कुर्सी चौथी बार हासिल हो गई।

मुख्यमंत्री पिछले करीब एक साल से जिस शैली में काम कर रहे हैं, उसे देखकर लगता है कि उनका ध्यान वर्ष 2023 में होने वाले अगले विधानसभा चुनाव पर केंद्रित है। यह स्वाभाविक भी है। वह अपने फैसलों और तेवरों से चुनाव का एजेंडा भी तय कर रहे हैं। उनके चुनाव रथ पर भगवा झंडा ही फहरा रहा होगा, इसके बावजूद वह अपने शासनकाल की उपलब्धियों पर ही भरोसा करेंगे। वह किसानों, महिलाओं और युवाओं से वृहद समर्थन की अभिलाषा लेकर चुनाव मैदान में उतरेंगे। दरअसल, 2018 के नतीजे ने शिवराज सिंह को यह सबक जरूर दिया है कि आत्मविश्वास भरपूर रखिए, पर अति-आत्मविश्वास कतई नहीं। शायद इसीलिए चुनाव से करीब पौने तीन साल पहले वह इस तरह सक्रिय एवं आक्रामक दिख रहे हैं, मानो चुनाव में दो-चार महीने ही शेष हैं। उन्हें यह सबक भी

मिल गया है कि मध्य प्रदेश की चुनावी परिस्थिति अधिकतर अन्य राज्यों से भिन्न है। यहां यूपी, बिहार या झारखंड की तरह क्षेत्रीय पार्टियां नहीं हैं, इसलिए कांग्रेस कितनी भी कमजोर हो जाए, चुनाव में सीधा मुकाबला उससे ही होना है।

परंपरागत उपज के अलावा फल-फूलों की बिक्री के लिए भी यहां अच्छे साधन उपलब्ध हैं। शायद यही वजह है कि यहां के किसानों ने महीनों से चल रहे किसान आंदोलन की ओर रुख नहीं किया।शिवराज सिंह की खासियत उनका कूल-कूल स्वभाव है, यद्यपि चौथी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद पिछले एक वर्ष से प्रदेश में हर क्षेत्र के माफिया के खिलाफ जैसा आक्रामक अभियान चल रहा है, उससे उनकी लोकप्रियता में बढ़ोतरी स्वाभाविक है। अपराधियों के खिलाफ उन्होंने घोषणा की थी कि वे प्रदेश छोड़कर भाग जाएं, नहीं तो जमीन में गड़वा दूंगा। इसमें दोराय नहीं कि राजनेताओं की हर बात में राजनीति घुली रहती है। इसके बावजूद शिवराज सिंह की मौजूदा राजनीति मध्य प्रदेश के लिए अच्छी है।

शिवराज सिंह हमेशा आरएसएस और भाजपा के राष्ट्रवादी दर्शन के मुखर-प्रखर प्रवक्ता रहे हैं। उनकी सरकार पर कभी किसी वर्ग के तुष्टीकरण या उपेक्षा का आरोप तो नहीं लगा, पर वह हिंदुत्व के सवाल पर पारदर्शी दिखते हैं। उन्होंने सनातन धर्म की परंपराओं के प्रति आस्था दर्शाते हुए सरकारी समारोहों की शुरुआत कन्या पूजन से किए जाने की अनिवार्य व्यवस्था लागू की। जिन समारोहों में मुख्यमंत्री रहते हैं, वह खुद कन्या पूजन करते हैं। अपने सरकारी दौरों में वह पूज्य नदियों और धर्मस्थलों पर जाना नहीं भूलते, जहां वह आरती-पूजन के अलावा भावमग्न होकर कीर्तन भी करते हैं। उनके शासकीय फैसलों में भी यह भाव व्यक्त होता है। बहुसंख्यक समाज की लड़कियों के खिलाफ लव जिहाद साजिश की कमर तोड़ने के लिए सर्वाधिक कठोर कानून मध्य प्रदेश में ही लागू है। इसी तरह प्रदेश में कुछ स्थानों पर बहुसंख्यक समाज की धार्मिक रैलियों पर अल्पसंख्यक समुदाय के घरों से पथराव किया गया तो प्रशासन ने कानूनी कार्रवाई के अलावा 24 घंटे के भीतर उन घरों पर बुलडोजर चलवा दिया। ऐसे अन्य प्रसंग भी हैं जिनमें राष्ट्रवाद, हिंदुत्व और सनातन रीति-नीति के प्रति मुख्यमंत्री का लगाव प्रदर्शित होता है।

किसानों, महिलाओं और युवाओं पर भरोसा शिवराज सिंह जातियों का वोटबैंक बनाने के बजाय किसानों, महिलाओं और युवाओं को प्रभावित करने की चेष्टा कर रहे हैं। महिलाओं-बालिकाओं में वह हमेशा लोकप्रिय रहे जिसके चलते उन्हें मामा की लोक-उपाधि हासिल है। राज्य पुलिस को उनका निर्देश है कि महिलाओं के प्रति अपराध के मामलों में त्वरित, पारदर्शी और कठोरतम कार्रवाई की जानी चाहिए। महिलाओं के कल्याण के लिए मध्य प्रदेश सरकार की योजनाएं नजीर मानी जाती हैं। इसी तरह किसानों के लिए भी मध्य प्रदेश उत्तम राज्य माना जाता है। यहां सरकार ने सभी प्रमुख जिंसों की उच्च एमएसपी निर्धारित कर रखी है जिसके चलते पड़ोसी राज्यों के सीमावर्ती जिलों के भी किसान मध्य प्रदेश के क्रय केंद्रों पर अपनी उपज बेचना पसंद करते हैं। परंपरागत उपज के अलावा फल-फूलों की बिक्री के लिए भी यहां अच्छे साधन उपलब्ध हैं। शायद यही वजह है कि यहां के किसानों ने महीनों से चल रहे किसान आंदोलन की ओर रुख नहीं किया।शिवराज सिंह की खासियत उनका कूल-कूल स्वभाव है, यद्यपि चौथी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद पिछले एक वर्ष से प्रदेश में हर क्षेत्र के माफिया के खिलाफ जैसा आक्रामक अभियान चल रहा है, उससे उनकी लोकप्रियता में बढ़ोतरी स्वाभाविक है। अपराधियों के खिलाफ उन्होंने घोषणा की थी कि वे प्रदेश छोड़कर भाग जाएं, नहीं तो जमीन में गड़वा दूंगा। इसमें दोराय नहीं कि राजनेताओं की हर बात में राजनीति घुली रहती है। इसके बावजूद शिवराज सिंह की मौजूदा राजनीति मध्य प्रदेश के लिए अच्छी है।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

सीएम योगी आदित्यनाथ बोले- लोक कल्याण पत्र को माना गीता, परिणाम सबके सामने

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार के कार्यकाल के चार वर्ष पूरा होने के अवसर को भारतीय जनता पार्टी समारोह के रूप में मना रही है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने लोक भवन में मीडिया को संबोधित करने के बाद लखनऊ में अवध शिल्प ग्राम, शहीद पथ पर सरकार के चार वर्ष पूरा होने को लेकर लगाई गई प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उनके साथ डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा व संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना के साथ मोहनलालगंज से सांसद कौशल किशोर तथा भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर निराश्रित महिलाओं को पेंशन योजना का प्रमाण पत्र प्रदान किया। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समारोह में मौजूद लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का चार वर्ष का कार्यकाल रिफॉर्म का, परफॉर्म का और ट्रांसफॉर्म का रहा है। इन चार वर्ष में हमने इसे बीमारू प्रदेश से समर्थ प्रदेश की ओर अग्रसर किया है। उन्होंने कहा कि आज से चार वर्ष पहले हमने प्रदेश की सत्ता संभाली थी। उस समय हमने भाजपा के लोक कल्याण पत्र को पवित्र गीता मानकर अपना काम प्रारंभ किया।

हमारी सरकार के भाजपा के लोक कल्याण पत्र के आधार पर काम करने का परिणाम सभी के सामने है। प्रदेश ने हर क्षेत्र में बड़ी तरक्की की है। प्रदेश में बड़ा निवेश आ रहा है और यह रोजगार के बड़े केंद्र के रूप में स्थापित हो गया है। सरकार ने लोक कल्याण संकल्प पत्र को गीता मानकर उस पर अमल किया और उसे हकीकत में बदला गया। लोगों के मन में अब एक नई धारणा बनी है कि प्रदेश अब पहले वाला उत्तर प्रदेश नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले तो यह तय कर पाना मुश्किल था कि यह सड़क है या खेत खलिहान है। चार वर्ष का प्रदेश सरकार का कार्यकाल रिफार्म, परफार्म और ट्रांसफार्म का रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए 17 रेंजों में जल्द ही विधि विज्ञान प्रयोगशालाएं स्थापित हो रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था जिस दिन चप्पल पहनने वाला हवाई यात्रा करेगा उस दिन समझना बदलाव आया है। इसी क्रम में प्रदेश सरकार आज उड़ान योजना के तहत एयर कनेक्टिविटी को बढ़ाने का काम कर रही है। प्रदेश में तीन अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट हैं जबकि एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट ग्रेटर नोएडा के जेवर में बन रहा है।

आप हमें अंधेरा देकर गए थे हमने उजाला दिया : केशव प्रसाद मौर्य- समारोह को डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार हमें गड्ढा देकर गई तो हमने चमचमाती सड़क बनाई।

आप हमें अंधेरा देकर गए थे हमने उजाला दिया है। उन्होंने कहा कि हिन्दुस्तान को जिस प्रकार के प्रधानमंत्री की जरूरत थी वैसे नरेंद्र मोदी मिले। उसी तरह उत्तर

प्रदेश को जैसे मुख्यमंत्री की आवश्यकता थी वैसे ही हमें योगी आदित्यनाथ जी मिले। इनकी बड़ी सोच से प्रदेश लगातार विकास की राह पर है।

प्रदेश में अब नकल विहीन परीक्षा- डॉ. दिनेश शर्मा - डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि इन चार वर्षों में उत्तर प्रदेश सरकार बिना किसी आरोप के टीम भावना के साथ एक ऐतिहासिक काम करने में सफल रही। पिछले 15 वर्ष में 48 माध्यमिक विद्यालय बने थे लेकिन योगी सरकार में 251 माध्यमिक विद्यालय बनाए गए। प्रदेश में अब नकल विहीन परीक्षा कराई जा रही है। सीसीटीवी से परीक्षाओं की मॉनिटरिंग की जा रही है। कानून-व्यवस्था के साथ ही सड़क तथा कनेक्टिविटी बेहतर होने से बाहर की कंपनियां यहां निवेश कर रहीं। इतना ही नहीं चीन चीन से निकलकर कंपनियां उत्तर प्रदेश यूपी आ रहीं हैं।

प्रदेश को दूसरा ऐसा मुख्यमंत्री नहीं मिलेगा- स्वतंत्र देव- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि प्रदेशवासियों मोदी जी तथा योगी जी पर विश्वास करना। ऐसे लोग धरती पर कम ही पैदा होते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने अयोध्या में भव्य श्री राम मंदिर निर्माण का भूमि पूजन किया। इस बड़े काम का बीड़ा अगर हमारी सरकार ने न उठाया होता तो ऐसा संभव न होता।

उन्होंने कहा कि प्रदेश को दूसरा ऐसा मुख्यमंत्री नहीं मिलेगा जिन्होंने अपनी ईमानदारी और निष्ठा से प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया। महाभारत में कौरव और पांडव के बीच युद्ध के बाद जब कन्हैया से पूछा गया कि आप किसके साथ खड़े हैं तो वह बोले सत्य के साथ, वैसे ही प्रदेशवासियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ का साथ दिया।

हमारी सरकार ने माफिया को जेल भेजा: सुरेश कुमार खन्ना - संसदीय कार्य तथा वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने इस अवसर पर एक शायरी से अपना संबोधन शुरू किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रदेश में पिछली सरकार में माफिया से केस वापस लिया गया, जबकि हमारी सरकार ने उनको जेल भेजा। इस सरकार का संकल्प किसान का कर्ज माफ करना था, हमने इसको पूरा किया है।

अपराधी सिर्फ अपराधी होता है- पुलिस एनकाउंटर में बड़ी संख्या में मुसलमानों के मारे जाने के बारे में पूछे गए सवाल पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अपराधी सिर्फ अपराधी होता है। उसकी न कोई जात होती है, न मत होता है और न मजहब। सरकार प्रदेश की 24 करोड़ जनता के हित में लगातार जरूरी कदम उठा रही है। जनता के हित में जो भी जरूरी कदम उठाने होंगे, सरकार उन्हें उठाने से नहीं हिचकेगी। माफिया से खाली कराई भूमि उद्योग के लिये लैंडबैंक और गरीबों को जमीन के पट्टा देने के काम आ रही है। पहले यहां कोई निवेशक निवेश नहीं करना चाहता था। चार वर्ष में तीन लाख करोड़ निवेश हुआ, 35 लाख को रोजगार मिला।

स्वतंत्रदेव सिंह ने दी मुख्यमंत्री को बधाई: इससे पहले उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार के 19 मार्च 2021 यानी आज चार वर्ष पूरा करने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जमकर बधाई मिल रही है। भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह ने शुक्रवार को सीएम योगी आदित्यनाथ के सरकारी आवास पर जाकर उनको बधाई दी।

स्वतंत्र देव सिंह ने सीएम योगी आदित्यनाथ को इस अवसर पर एक बुके प्रदान कर उनको बधाई देने के साथ ही आने वाले एक वर्ष के कार्यकाल के लिए शुभकामना प्रेषित की। योगी आदित्यनाथ सरकार के चार वर्ष पूरे होने पर भारतीय जनता पार्टी शुक्रवार से प्रदेश भर में आठ दिन तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करेगी। आठ दिवसीय आयोजनों के पहले दिन सभी जिलों में पत्रकार वार्ता व विकास कार्यों की प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। भाजपा के महामंत्री अमरपाल मौर्य ने बताया कि सभी जिलों में जनकल्याणकारी योजनाओं व विकास कार्यों की प्रदर्शनी लगाई जायेंगी। जिसका उद्घाटन प्रभारी मंत्री, पार्टी पदाधिकारी, बोर्डों, आयोगों, निगमों के अध्यक्ष व सदस्य करेंगे।

जिला मुख्यालयों पर भी प्रेसवार्ता के माध्यम से योगी आदित्यनाथ सरकार की योजनाओं को प्रचारित किया जाएगा। इसी कड़ी में 20 मार्च को विधानसभा क्षेत्रों में विधायक स्थानीय स्तर पर कराए विकास कार्यों का दस्तावेज प्रस्तुत करेंगे। 21 मार्च को 826 ब्लाकों पर किसान मेला तथा नगर निकायों में आत्मनिर्भर संकल्प के साथ विभिन्न कार्यक्रम होंगे। 22 को महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम तथा 23 मार्च को 3051 जिला पंचायत वार्डों में युवा सम्मेलन होंगे। उन्होंने बताया कि 24 मार्च को प्रवासी श्रमिक, रेहड़ी, खोमचा, पटरी दुकानदारों के ब्लाक स्तर पर कार्यक्रम तथा 25-26 मार्च को प्रत्येक बूथ पर प्रत्येक घर तक संपर्क किया जाएगा।

संक्षिप्त खबर

बिहार में फिलहाल लॉकडाउन के संकेत नहीं, खुले रहेंगे शिक्षण संस्थान; सीएम नीतीश ने कही बड़ी बात

पटना । कोरोना संक्रमण को लेकर बिहार में उठाए जा रहे एहतियाती कदमों को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा है कि बिहार में घबराने को कोई बात नहीं है। यहां के हालात ठीक हैं। आगे भी स्थिति नहीं बिगड़े, इसलिए कदम उठाए जा रहे हैं। उनकी बातों से स्पष्ट हो गया कि हालात नहीं बिगड़े तो बिहार में फिलहाल लॉकडाउन नहीं लगने जा रहा है और स्कूल-कॉलेज खुले रहेंगे। विदित हो कि देश के कई भागों में कोरोनावायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों में वृद्धि हुई है। खासकर महाराष्ट्र, केरल, पंजाब और मध्यप्रदेश में मामले बढ़े हैं। इसे देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को मुख्यमंत्रियों के साथ वर्चुअल मीटिंग की थी। इसमें बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी शामिल हुए थे। प्रधानमंत्री के साथ बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने ये बातें कहीं हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बताया कि होली के महापर्व के दौरान दूर-दूर से बिहार के लोग अपने घर आ रहे हैं। ऐसे लोगों की मॉनिटरिंग की जा रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि बिहार में कोरोना जांच का काम फिर से बढ़ाया जा रहा है। रोजाना 70 हजार तक जांच का लक्ष्य बनाया गया है। कोशिश यह की जा रही है कि हर दिन अधिक से अधिक आरटी-पीसीआर जांच की जाए। इस बीच राज्य में कोरोना वैक्सीन देने का काम भी बढ़ाया गया है। सभी को वैक्सीन लेने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

खुद रख रहे नजर, रोजाना कर रहे समीक्षा- मुख्यमंत्री ने बिहार में हालात ठीक रखने की अपनी प्रतिबद्धता जाहिर करते हुए कहा कि वे खुद प्रतिदिन रात में नौ बजे आंकड़े देखते और समीक्षा भी करते हैं। इस संबंध में दो दिनों के बाद महत्वपूर्ण बैठक होने जा रही है। उन्होंने कहा कि बिहार में हालात ठीक हैं, लेकिन सतर्कता जरूरी है।

पुलिस की अपील का हुआ असर, 50 से अधिक युवाओं ने थाने में आकर जमा किया चाकू

रायपुर । राजधानी रायपुर के युवा शौक में स्टाइलिस चाकू खरीद रहे हैं। ये युवा ऑनलाइन बेवसाइट के जरिए चाकू मांगा रहे हैं। जिस कारण अपराध का ग्राफ बढ़ रहा है। लेकिन बीते दिनों पुलिस ने युवाओं से अपील की थी कि चाकूओं को थाने में जमा कर दें। इसका अब असर देखने को मिल रहा है। आजाद चौक सब डिवीजन के चार पुलिस थाना क्षेत्रों में 50 से अधिक युवाओं ने चाकू सरेंडर किया है। ऑनलाइन बेवसाइट से चाकू खरीदने वाले युवाओं को आमानाका, सरस्वती नगर, कबीरनगर और आजाद चौक थाने में बुलाया गया। इसके बाद युवकों ने थाने में चाकू जमा किया है।

इन युवकों ने ऑनलाइन आर्डर कर फ्लिपकार्ट से चाकू की खरीदी की थी। पुलिस भी स्टाइलिश, पेन और कार्ड की शक्ल वाले चाकू देखकर हैरान रह गई। ऑनलाइन साइट्स अमेजॉन और फ्लिपकार्ट से 800 लोगों ने साल 2020 में चाकू मंगवाया था। पुलिस अभियान चलाकर उन्हें चाकू जमा करने बोल रही है. आज ही इस संबंध में एएसपी सिटी ने सभी टीआई और सीएसपी की बैठक लेकर ऐसे लोगों की तस्दीक कर चाकू जमा करवाने कहा था। पिछले कुछ दिनों पूर्व धारदार हथियार से हुई घटनाओं के मद्देनजर पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय कुमार यादव ने चाकूबाजी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए मातहत अधिकारियों को निर्देश दिए थे। इसके तहत थाना प्रभारियों ने कार्य योजना तैयार कर अवैध रूप से चाकू लेकर घूमने वालों और बिक्री करने वालों की पतासाजी शुरू कर दी है।

पंजाब कैबिनेट में री-एंट्री पर नवजोत सिंह सिद्धू का शायराना अंदाज में खुलासा, ट्वीट कर कही बड़ी बात

चंडीगढ़ । पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह से मुलाकात के एक दिन बाद ही नवजोत सिंह सिद्धू ने ट्विटर पर शायराना अंदाज में अपनी बात रखी। सिद्धू ने लिखा, तिनके से हल्की रुई, रुई से हल्का मांगने वाला आदमी... न अपने लिए मांगा था, न मांगा है और मांगूंगा। सिद्धू का यह ट्वीट उनकी पंजाब कैबिनेट में री-एंट्री को लेकर चल रही चर्चाओं से जोड़कर देखा जा रहा है। इससे पहले नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी डॉ. नवजोत कौर सिद्धू ने साफ कहा था कि नवजोत सिंह सिद्धू किसी पद के पीछे नहीं भागते। वह सिर्फ पंजाब का कल्याण चाहते हैं। एक साल में सिद्धू क्या परफार्मेंश दे पाएंगे। यह बात नवजोत कौर ने सिद्धू की कैप्टन से मुलाकात से पहले ही कही थी। गत दिवस कैप्टन सरकार के चार वर्ष पूरे होने के अवसर पर पत्रकारों से बातचीत में कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा था कि हर कोई चाहता है कि वह हमारी टीम का हिस्सा बनें। उन्होंने कहा कि वह सिद्धू को उनके बचपन से जानते हैं और बीते दिन भी उनके साथ मीटिंग बहुत ही सुखद रही है। वह आशावान हैं कि सिद्धू फिर से वापसी का फैसला जल्द ही लेंगे। उन्होंने कहा कि वह इस बात पर भी खुश होंगे कि प्रताप सिंह बाजवा और शमशेर सिंह दूलों भी टीम का हिस्सा बनें। उन्होंने आगे कहा कि चाहे सभी की अपनी इच्छाएं होती हैं, परंतु यह फैसला करना कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के हाथ में है। उन्होंने कहा, ''कठिन समय में आपको अपनी इच्छाओं को एक तरफ करना होगा और पार्टी के साथ खड़ा होना पड़ेगा।''

बता दें, कैप्टन अमरिंदर सिंह की कैबिनेट में नवजोत सिद्धू को शामिल करने को लेकर कई दिनों से चर्चाएं हैं। कांग्रेस के पंजाब प्रभारी हरीश रावत कैप्टन व सिद्धू के बीच खराब हुई केमिस्ट्री को ठीक करने की जुगत में हैं। इसी कैप्टन व सिद्धू की यह मुलाकात इसी प्रयास का हिस्सा था। लेकिन दोनों नेताओं के बीच इस मुलाकात में भी दूरी मिटती नहीं दिखी।

कोरोना का कहर- लखनऊ में मास्क और फिजिकल डिस्टेंसिंग अनिवार्य

लखनऊ । महाराष्ट्र सहित पांच अन्य राज्यों के वैश्विक महामारी कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते प्रसार का असर उत्तर प्रदेश में भी दिखने लगा है। बीते चार दिन से लगातार बढ़ते नए संक्रमितों के कारण उत्तर प्रदेश सरकार हाई अलर्ट पर है।

लखनऊ में बीते तीन दिन से वैश्विक महामारी कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते प्रसार की संख्या पर जिलाधिकारी भी बेहद संजीदा हैं। जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने लखनऊ में मास्क के साथ ही फिजिकल डिस्टेंसिंग का पालन अनिवार्य कर दिया है। इसका उन्होंने बाकायदा आदेश भी जारी किया है। कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते प्रसार को देखते हुए लखनऊ के जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने यह आदेश जारी किया है।

उनके आदेश के अनुसार अब लखनऊ में मास्क का प्रयोग अनिवार्य हो गया है। घर से बाहर निकलने वाले हर व्यक्ति को अब मास्क का प्रयोग करना अनिवार्य हो गया है। डीएम ने इसके साथ ही हर जगह पर फिजिकल डिस्टेंसिंग को भी अनिवार्य कर दिया है। उनका निर्देश है कि हर स्थान पर फिजिल डिस्टेंसिंग का पालन अनिवार्य हो। किसी भी प्रतिष्ठान में बिना मास्क के किसी को भी प्रवेश नहीं दिया जाएगा। डीएम का निर्देश है कि किसी भी दशा में मास्क तथा फिजिकल डिस्टेंसिंग के नियम का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई होगी। डीएम का यह निर्देश सभी पुलिस तथा प्रशासनिक अधिकारियों के पास भी पहुंचा है और उन सभी से सख्ती ने इसका पालन कराने को कहा गया है। अभी स्कूलों को लेकर कोई योजना नहीं तैयार की गई है।

जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने बताया कि जनपद में पुनः कोविड प्रकरणों की संख्या में वृद्धि के दृष्टिगत पूर्व में कोविड प्रबन्धन हेतु निर्गत रक्षात्मक आदेशो का अनुपालन कराना अत्यंत आवश्यक है। कोविड 19 के पॉज़िटिव मरीज़ों की कांटेक्ट ट्रेसिंग के आधार पर यह संज्ञान में आया कि प्रतिष्ठानो/कार्यस्थल पर आने वाले विज़िटर्स/ग्राहकों का स्पष्ट विवरण न होने के कारण उक्त समस्या उत्पन्न हो रही है। अतः राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 में निहत प्रवधानों के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदेश निर्गत किए गए हैं कि पूर्व में लागू व्यवस्था पुनः कड़ाई के साथ सभी प्रतिष्ठानों/कार्यस्थलों में लागू कर दी जाए। सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कराया जाए तथा सभी स्थानों पर बिना मास्क के प्रवेश/बिक्री प्रतिबंधित की जाए और सेनेटाइजर का प्रयोग प्रवेश द्वार/कार्यस्थलों में अनिवार्य किया जाए। इसके अतिरिक्त सभी प्रतिष्ठानो/कार्यस्थलों में कोविड हेल्पडेस्क पूर्व की भांति बनाई जाए ताकि संक्रमण को रोका जा सके।

पश्चिम बंगाल चुनाव में नेहा सिंह राठौर का लोकगीत वाला तड़का, ममता को बताया बंगाल का काल

पटना । बिहार विधानसभा चुनाव के वक्त का बिहार में का बा... लोकगीत गाकर सुर्खियों में रहीं बिहार की लोक गायिका नेहा सिंह राठौर अब पश्चिम बंगाल चुनाव के मैदान में तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ ताल ठोक रहीं हैं। चुनाव के साथ होली का भी माहौल है, इसलिए उनके नए चुनावी लोकगीत में दोनों के रंग हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तंज कसते हुए अपने लोकगीत में नेहा ममता बनर्जी को बंगाल का काल बताती हैं। साथ ही भारतीय जनता पार्टी का राम का मुद्दा भी उठा रहीं हैं।

सत्ता विरोधी लोक गीतों के लिए जानी जाती हैं नेहा- विदित हो कि नेहा सिंह राठौर अपने कटाक्ष करते सत्ता विरोधी लोक गीतों के लिए जानी जाती हैं। ज्यादा दिन नहीं हुए, जब नेहा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी उनकी दाढ़ी को लेकर अपने गाने के माध्यम से घेरा था। बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान भी उन्होंने बिहार में गरीबी, बेरोजगारी व भुखमरी को केंद्र में रखकर राज्य की नीतीश कुमार की सरकार को निशाने पर लिया था।

नेहा का नया लोकगीत होली के मूड में तथा ममता बनर्जी को केंद्र में रखकर है। वे कहतीं हैं- दीदी बंगाल के होई गैलू तू काल, बोलो सा रा रा रा...। बांग्लादेसियन के स्वर्ग बंगाल, अपने लोगन के कैलू कंगाल, बोलो सा रा रा रा...। नेहा के गीत में आगे ममता बनर्जी के गुस्सा पर कटाक्ष हैं- दीदी नाके पे गुस्सा, काटेलू बवाल, बोलो सा रा रा रा...। गाने में ममता बनर्जी को तानाशाह भी बताया गया है। यह भी कहा गया है कि बंगाल की जनता उनकी रंगाबजी से परेशान है।

नेहा के गीत में बीजेपी के एजेंडा भगवान राम का मुद्दा भी उठाती हैं। ममता को घेरते हुए फरमातीं हैं- खाली दाल-भात से दाल ना गली, हमरे राम के विरोध तोहरा ना फली, बोलो सा रा रा रा...। विदित हो कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लगातार कहते रहे हैं कि पश्चिम बंगाल में राम का नाम लेना मुश्किल हो गया है।

गीत से बिहार चुनाव के वक्त खड़ा हुआ था विवाद- इसके पहले नेहा सिंह राठौर बिहार विधानसभा चुनाव के वक्त विवादों में आईं थीं। तब बिहार में विकास के मुद्दे को घेरते हुए उनका गीत बिहार में का बा... वायरल हो गया था।

नेहा के गीत को विपक्षी महागठबंधन ने हथियार बनाकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को निशाने पर लिया था। उधर, भारतीय जनता पार्टी ने भी बिहार में ई बा... गाना से पलटवार किया था। बीजेपी ने जवाब में कई वीडियो बनाए थे।

पटना हाईकोर्ट ने कहा- शराब माफिया और पुलिस के बीच मिलीभगत है, जिससे शराबबंदी है फेल

पटना । जब साढ़े चार सौ लीटर शराब जब्ती का आरोपी बिना नियमित ज़मानत के छूट गया तो पटना हाईकोर्ट ने हैरानी जाहिर की द्य अदालत ने कहा कि शराब माफिया और पुलिस की मिलीभगत से ही शराबबंदी कानून का पालन नहीं हो रहा है यह टिप्पणी न्यायाधीश बिरेन्द्र कुमार की एकल पीठ ने उस समय की जब मुजफ्फरपुर के एक अभियुक्त जितेन्द्र राय उर्फ जितेंद्र यादव के वकील ने बिना बहस के ही जमानत अर्जी वापस ले ली। वकील ने कोर्ट को बताया कि निर्धारित सीमा के भीतर (60 दिन) में पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ आरोप-पत्र दायर नहीं की थी। जिस कारण भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 167 का लाभ मिल गया।

इस प्रकरण पर कोर्ट ने 4 अप्रैल को मुजफ्फरपुर के वरीय आरक्षी अधीक्षक को कोर्ट में हाजिर होने का निर्देश दिया है द्य उन्हें कोर्ट में हाजिर होकर बताना होगा कि आखिर किस कारण पुलिस अनुसंधान कार्य पूरा नहीं कर सकी और अभियुक्त को लाभ मिल गया

क्या था माजरा- अभियुक्त जितेंद्र यादव पर मुजफ्फरपुर के कांटी थाना कांड संख्या 776/ 2019 दर्ज हुआ था द्य इस घटना में अभियुक्त के पॉलट्री फॉर्म से 466 लीटर विदेशी शराब पाया गया था। अभियुक्त ने अपने बचाव के लिए पहले मुजफ्फरपुर जिला न्यायालय में जमानत अर्जी दायर की थी द्य लेकिन वहां उन्हें जमानत नहीं मिली तो 23 दिसंबर को पटना हाई कोर्ट में जमानत अर्जी दायर की द्य हाई कोर्ट में उसके जमानत पर तत्काल सुनवाई होनी संभव नहीं थी, तो पुलिस ने अभियुक्त की मदद करते हुए आरोप पत्र दायर नहीं किया और इसका लाभ अभियुक्त को मिल गया ।

अदालत ने डीजीपी से भी की थी शिकायत

न्यायाधीश ने जब पहली बार 23 फरवरी को इस जमानत मामले पर सुनवाई की तो पुलिस महानिदेशक को अपने स्तर से देखने को कहा कि आखिर यह सब क्या हो रहा है । आप अपने स्तर से इस मामले पर कार्रवाई करें द्य लेकिन डीजीपी की ओर से डीएसपी (मुख्यालय) ने शिथिलता के साथ कारण बताओ नोटिस का जवाब दे दिया।

प्राइवेट/सरकारी स्कूल फिर होंगे बंद, सरकार ले सकती है बड़ा फैसला...

रांची । देश के कुछ राज्यों में कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण ने राज्य सरकार की चिंता बढ़ा दी है। राज्य में कोरोना वायरस के फैलाव को कैसे रोका जाय, इसपर विचार-विमर्श चल रहा है।

अधिकारियों का फोकस इस बात पर है कि राज्य की आर्थिक गतिविधियां चलती रहे और कोरोना नियंत्रित रहे। अब विभाग में यह चर्चा तेज है कि राज्य में स्कूलों को फिर से बंद रखने पर निर्णय हो सकता है। एक महीने पहले ही राज्य सरकार ने आठवीं व इससे ऊपर की सभी कक्षाओं को खोलने संबंधित आदेश जारी किया था। हालांकि, उस आदेश में यह भी उल्लेखित था कि बच्चों को स्कूल बुलाने के पहले स्कूल प्रबंधन को बच्चों के अभिभावकों की सहमति लेनी होगी। सिर्फ बोर्ड परीक्षा ही ऑफलाइन करने संबंधित आदेश था। इसके पीछे विभाग ने यह तर्क दिया था कि बोर्ड की परीक्षा केंद्र संचालित है, जिसे ऑनलाइन नहीं लिया जा सकता था।

गौरतलब है कि एक बार फिर देश के महाराष्ट्र, हरियाणा, गुजरात, दिल्ली, पंजाब, केरल, तमिलनाडू व छत्तीसगढ़ में कोरोना वायरस की दूसरी लहर ने दूसरे राज्यों की भी चिंता बढ़ा दी है।

लखनऊ में मतांतरण-खतना कराने से इनकार पर हैवानियत, पत्नी-बच्चों को घर में बंद कर लगाई आग

लखनऊ । ठाकुरगंज निवासी एक युवक ने धर्म छिपाकर युवती को झांसे में लेकर शादी की। इसके बाद उसपर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने लगा। यही नहीं बच्चों का खतना करवाने की कोशिश। महिला के विरोध पर आरोपित ने बच्चों समेत उसे घर में बंद कर दिया और बाहर से आग लगा दी। महिला व बच्चे बाल-बाल बच गए। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने एफआइआर दर्ज की है।

महिला के मुताबिक 13 फरवरी 2009 को महिला ने आर्य समाज मंदिर में राजीव नाम के युवक से प्रेम विवाह किया था। आरोप है कि शादी के बाद महिला को पता चला कि उसके पति का असली नाम मोहम्मद अफजल सिद्दीकी है। अफजल ने खुद को अनाथ बताकर महिला को झांसे में लिया था और नाम छिपाकर शादी कर कर ली। महिला ने कई बार मामले की शिकायत पुलिस से की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। बुधवार रात करीब आठ बजे अफजल ने महिला और उसके दोनों बच्चों को घर में बंद कर दिया और आग लगा दी। महिला ने फोन कर डायल 112 पर मामले की सूचना दी। इसके बाद फायर ब्रिगेड और आसपास के लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया और महिला व उसके दोनों बच्चों को सकुशल बाहर निकाला जा सका।

दूसरों से शारीरिक संबंध बनाने का बनाया दबाव

आरोप है कि अफजल लगातार पत्नी को धर्म परिवर्तन का दबाव बना रहा था। आरोपित महिला को सात लोगों से शारीरिक संबंध बनाने के कह रहा था। आरोपित का कहना था कि शारीरिक संबंध बनाने के बाद ही उसका धर्म परिवर्तन होगा। यही नहीं अफजल दोनों बच्चों का जबरन खतना करने के लिए पीड़िता पर दबाव बना रहा था।

पीड़िता का कहना है कि पूर्व में भी उसने कई बार ठाकुरगंज पुलिस से शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने अफजल, उसके पिता, मां और अन्य मौलानाओं के खिलाफ जानलेवा हमला और यूपी विधि विरूद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अध्यादेश के तहत एफआइआर दर्ज की है। हालांकि अभी तक आरोपितों को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

प्रयागराज के एक थोक सब्जी मंडी में एक मजदूर सुबह-सुबह सब्जियों की बोरी लेकर जाता हुआ ।

एक नजर

राजस्थान के सीमावर्ती पेट्रोल पंप बंद होने की कगार पर, पेट्रोलिय डीलर्स की आशंका

जयपुर । उत्तरप्रदेश, हरियाणा, गुजरात और पंजाब के राजस्थान से सटे जिलों में 10 रुपये तक सस्ता पेट्रोल व डीजल मिलने से आम उपभोक्ताओं के साथ ही पेट्रोल पंप डीलर्स भी परेशान हैं। पेट्रालियम डीलर्स का कहना है कि केंद्र और राज्य सरकार ने यदि शीघ्र ही वैट कम नहीं किया तो राजस्थान के 14 जिलों के सीमावर्ती पेट्रोल पंप बंद हो जाएंगे। पेट्रोल पंप संचालकों का कहना है कि अशोक गहलोत सरकार ने डीजल पर वैट 18 से बढ़ाकर 28 और पेट्रोल पर 26 से 38 फीसदी कर दिया। इस कारण उत्तर प्रदेश के आगरा व मथुरा से सटे राजस्थान के भरतपुर और धौलपुर, हरियाणा से सटे राजस्थान के अलवर, चूरू, झुंझुनूं, पंजाब से सटे हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर एवं गुजरात के सीमावर्ती सिरोही, बांसवाड़ा व डूंगरपुर के पेट्रोल पंपों की बिक्री काफी कम हुई है। पड़ौसी राज्यों से आने वाले वाहन चालक वहीं से सस्ता पेट्रोल व डीजल लेकर आते हैं। इस कारण सीमावर्ती पेट्रोल पंपों पर तो स्टाफ को वेतन देने जितनी भी बिक्री नहीं हो रही है। शुक्रवार को अलवर में पेट्रोल की दर 99.07, बांसवड़ा में 99.09, धौलपुर में 98.27, श्रीगंगानगर में 101.25, हनुमानगढ़ में 101.20, डूंगरपुर में 99.12, झुंझुनूं में 98.62, भरतपुर मं 97.63 और जयपुर में 97.75 रूपए प्रति लीटर की दर है। जबकि पड़ोसी राज्यों में पेट्रोल की दर 85 से 97 रुपये प्रति लीटर तक है। भरतपुर पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार का कहना है कि अगर राज्य सरकार शीघ्र ही वैट में कमी नहीं करेगी तो कई पेट्रोल पंप आगामी दिनों में बंद हो जाएंगे। वैट कम करने को लेकर जिलों में मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टरों को ज्ञापन भी दिए गए हैं।

महाराष्ट्र एटीएस ने जांच के लिए सचिन वझे की हिरासत मांगी

मुंबई । राष्ट्रीय जांच एजेंसी के बाद, अब महाराष्ट्र आतंकवाद विरोधी दस्ता, मनसुख हिरेन की मौत के मामले की जांच के सिलसिले में सहायक पुलिस इंस्पेक्टर सचिन वझे को हिरासत में लेना चाहती है। एटीएस के शीर्ष सूत्रों ने इसकी पुष्टि की है। सूत्रों के अनुसार, एटीएस आज (शुक्रवार) ठाणे सत्र न्यायालय में सचिन वझे की अग्रिम जमानत याचिका का विरोध करेगी।

वझे ने ठाणे सेशंस कोर्ट में अग्रिम जमानत मांगी थी। इस बीच, एनआईए ने बुधवार को पुष्टि की थी कि 25 फरवरी की रात को मुकेश अंबानी के आवास के पास विस्फोटक से भरे वाहन के पास सीसीटीवी में कैद होने वाला व्यक्ति सचिन वझे ही था। मनसुख हिरेन 5 मार्च को ठाणे में मृत पाया गया था। जिसके बाद शक के दायरे में आये वझे को NIA की हिरासत में भेज दिया गया था। उन्होंने शनिवार को ठाणे जिला और सत्र न्यायालय में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी। यह मामला 12 मार्च को सुनवाई के लिए आया था लेकिन अदालत ने वझे को अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया था। राज्य सरकार को नोटिस जारी करते हुए मामले को 19 मार्च को सुनवाई के लिए टाल दिया था। मिली जानकारी के अनुसार मनसुख मौत मामले की जांच एटीएस को सौंपे जाने के बाद सचिन वझे का व्यवहार एटीएस के अधिकारियों के साथ अच्छा नहीं रहा था। कहा जा रहा है कि इस वजह से भी सचिन की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। एटीएस द्वारा लिखी गई मनसुख की मौत की एफआइआर में मनसुख की पत्नी विमला ने अपने पति की हत्या का शक सचिन वझे पर ही जताया है।

बंगाल में स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव के लिए आयोग से मिलने दिल्ली पहुंचे तृणमूल कांग्रेस का संसदीय प्रतिनिधिमंडल

कोलकाता । बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान की मांग को लेकर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस का संसदीय प्रतिनिधिमंडल आज दिल्ली में केंद्रीय चुनाव आयोग से मुलाकात करने के लिए पहुंचे हैं। जानकारी के मुताबिक, तृणमूल संसदीय प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ सांसद सौगात रॉय, महुआ मोइत्रा और यशवंत सिन्हा के साथ टीएमसी प्रतिनिधिमंडल चुनाव आयोग से पश्चिम बंगाल में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने के लिए पहुंचे हैं गौरतलब है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी व तृणमूल कांग्रेस की ओर से लगातार चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाए जा रहे हैं। ममता का कहना है कि चुनाव आयोग भाजपा नेताओं के इशारे पर काम कर रहा है। हालांकि आयोग इन आरोपों को पूरी तरह बेबुनियाद बता रहा हैं। जानकारी हो कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की सरकार को लगातार झटके पर झटके मिल रहे हैं। अब तक कई विधायक, पूर्व मंत्री और नेताओं ने पार्टी छोड़ भाजपा का दामन थाम लिया। वहीं टीएमसी नेता शिशिर अधिकारी भी भाजपा में शामिल हो सकते हैं।

मालूम हो कि पश्चिम बंगाल में निष्पक्ष और हिंसामुक्त मतदान पर चर्चा करने के लिए आज तृणमूल संसदीय प्रतिनिधिमंडल चुनाव आयोग से दिल्ली में मुलाकात करेंगे। इस प्रतिनिधिमंडल में सौगत रॉय, महुआ मोइत्रा और हाल ही में टीएमसी से जुड़े पूर्व भाजपा नेता यशवंत सिन्हा भी शामिल हैं।

जानकारी हो कि तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर नंदीग्राम में कथित तौर पर हुए हमले से जुड़ी चिंताओं को लेकर पार्टी का एक संसदीय प्रतिनिधिमंडल पहले भी दिल्ली में चुनाव आयोग के अधिकारियों से मुलाकात किया है। मालूम हो कि तृणमूल के एक प्रतिनिधिमंडल ने कोलकाता में चुनाव आयोग के अधिकारियों से मुलाकात की थी और निर्वाचन आयोग पर भाजपा नेताओं के आदेश अनुसार काम करने का आरोप लगाया था, तृणमूल नेताओं ने दावा किया कि यह हमला तृणमूल सुप्रीमो की जान लेने का गहरा षड्यंत्र था और भाजपा ने असामाजिक तत्वों को हिंसा करने के लिए नंदीग्राम भेजा था। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनर्जी ने आरोप लगाया था कि नंदीग्राम में चुनाव प्रचार के दौरान चार-पांच लोगों ने उन्हें धक्का दिया, जिसके कारण वह जमीन पर गिर गईं और उन्हें चोट लगी।

दिनेश त्रिवेदी का आरोप, राष्ट्रपति चुनाव में प्रणब मुखर्जी को वोट नहीं देना चाहती थीं ममता बनर्जी

कोलकाता । भाजपा नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद दिनेश त्रिवेदी ने कहा कि 2012 में प्रणब मुखर्जी UPA की ओर से राष्ट्रपति के उम्मीदवार थे। तब ममता जी ने उनका विरोध किया।उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि प्रणब मुखर्जी को वोट नहीं देंगे। वे खुद बंगाल की बेटी है तो प्रणब मुखर्जी भी बंगाल के पुत्र थे। उनकी करनी और कथनी में फर्क है। हम लोग शुभेंदु अधिकारी के साथ 12 से ज्यादा सांसद थे और हमने कहा था कि हम प्रणब मुखर्जी को वोट देंगे। ममता बनर्जी को लगा कि इससे पार्टी में दरार आ जाएगी। फिर ममता बनर्जी ने दुख भरे शब्दों में कहा था कि मुझे प्रणब मुखर्जी को वोट देना पड़ रहा है।उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में जो तोलाबाजी हो रही है, हिंसा है, कटमनी का चलन है उससे लोग ऊब गए हैं। बंगाल का जो दर्जा होना चाहिए आने वाले दिनों में वह दर्जा फिर से मिलने वाला है। जहां शांति नहीं है, वहां उन्नती नहीं हो सकती है। तृणमूल कांग्रेस से इस्तीफा देने वाले वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री दिनेश त्रिवेदी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस का भ्रष्टाचार और हिंसा मॉडल अब काम नहीं करेगा और राज्य को वापस अंधेरे दिनों में ले जाएगा। उन्होंने ममता द्वारा भाजपा नेताओं, पीएम नरेंद्र मोदी से लेकर गृहमंत्री अमित शाह तक को बाहरी बताने को बंगाल के उदारवादी लोकाचार का विरोधी करार दिया। पूर्व रेल मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता को देखते हुए उनकी सराहना की और कहा कि लोगों ने उनके नेतृत्व में विश्वास किया है। उन्होंने कहा कि बंगाल में जारी हिंसा और इस बारे में कुछ भी कर पाने में अपनी असमर्थता के कारण उन्हें घुटन महसूस हो रही थी।

कोर्ट से लौटते समय पुलिसकर्मी से हाथ छुड़ाकर भाग निकला चोरी का आरोपित

जम्मू । बिक्रम चौक से ज्यूल चौक की तरफ जाने पर तवी पार करते ही नदी के किनारे बने शिव मंदिर में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले कश्मीरी युवक फैयाज अहमद को वीरवार को नवाबाद पुलिस ने गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद उसे पूछताछ के लिए रिमांड पर लेने के लिए पुलिस उसे कोर्ट में पेश करने ले गई थी। कोर्ट से लौटते समय फैयाज पुलिसकर्मी से अपना हाथ छुड़ाकर भाग निकला।

संकट की आहट, महाराष्ट्र में बेकाबू हुई कोरोना महामारी, पंजाब और केरल भी बढ़ा रहे हैं चिंता, गुजरात की सीमाएं सील

नई दिल्ली । पिछले साल महामारी के चलते लोग घरों में कैद रहे। नये साल में कोरोना से निजात की उम्मीदें थीं, लेकिन कोरोना के लगातार बढ़ते मामले संकट की तरफ इशारा कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने भी मुख्यमंत्रियों के साथ हुई बैठक में निर्णायक कदम उठाने के लिए कहा। एंटीजन टेस्ट नहीं, आरटी-पीसीआर पर ही भरोसा करने को कहा। पिछले 15 दिनों में कोरोना के मामलों में सबसे ज्यादा तेजी आई है। महाराष्ट्र की स्थिति चिंताजनक है और बाकी राज्यों में भी ऐहतियात बरतने और अधिक सतर्क रहने की जरूरत है। राज्यों में कोरोना के बढ़ते मामलों पर एक नजर।

महाराष्ट्र में हाथ से बाहर जा रहे हालात - कोरोना से लंबे समय से जूझ रहे महाराष्ट्र में एक बार फिर हालात हाथ से बाहर जाते दिख रहे हैं। गुरुवार को महाराष्ट्र में कोरोना के रिकार्ड तोड़ 25,833 नए मरीज मिले हैं। इससे पहले 11 सितंबर 2020 को राज्य में एक दिन में सर्वाधिक 24,886 मामले दर्ज किए गए थे। राज्य में कोरोना से अब तक 53,138 मरीजों की मौत हो चुकी है। उधर देश भर में 102 दिन बाद 35,871 नए मामले सामने आए। इन मामलों के साथ अब तक संक्रमित होने वालों की कुल संख्या बढ़कर 1,14,74,605 हो गई है।

यह लगातार दूसरा दिन है जब महाराष्ट्र में 20 हजार से ज्यादा मामले सामने आए। बुधवार को महाराष्ट्र में कोरोना के 23,179 नए मामले दर्ज

किए गए थे और 84 लोगों की मौत हुई थी। कोरोना की इस नई और बेहद तेज रफ्तार ने सरकार के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। उल्लेखनीय है राज्य में पिछले साल 17 मार्च को कोरोना से पहली मौत हुई थी। ठीक एक साल बाद 17 मार्च को राज्य में कोरोना से मौतों का आंकड़ा 53 हजार को पार कर गया।

वहीं मध्य प्रदेश राज्य परिवहन प्राधिकरण ने कहा है कि कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के बीच अंतरराज्यीय बस सेवाओं पर अस्थाई रूप से 20 मार्च से 31 मार्च तक के लिए रोक लगा दी गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार 24 घंटों में महाराष्ट्र के बाद केरल में 1,792 और पंजाब में 1,492 नए मामले सामने आए। देश में कुल नए मामलों में 79.54 फीसद हिस्सेदारी महाराष्ट्र समेत पांच राज्यों की है। वहीं राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, असम समेत 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कोरोना से बीते 24 घंटों में एक भी मौत नहीं हुई। इस साल एक दिन में सबसे ज्यादा नए केस और मौतों के साथ महाराष्ट्र सबसे ज्यादा संक्रमित राज्यों की श्रेणी में अव्वल हो गया है। ज्यादातर नए केस मुंबई, नागपुर, पुणे इत्यादि से सामने आए हैं।

चिंताजनक यह है कि रिकवरी रेट पहले के मुकाबले कम हुआ है। अब यह 92.21 से घटकर 91.26 हो गया है। नए केसों में 85 फीसद एसिंप्टोमैटिक है। एक तरफ देशभर में नए केस लगातार बढ़ रहे हैं तो दूसरी तरफ पंजाब एकमात्र ऐसा राज्य है जहां दूसरे दौर के संक्रमण में मृत्यु दर पहले से ज्यादा है। पिछले हफ्ते पंजाब कोरोना से हुई मौतों के मामले में महाराष्ट्र के बाद दूसरे नंबर पर आ गया है।

गुजरात ने सील की सीमाएं -गुजरात में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए सरकार ने आठ बड़े शहरों में 10 अप्रैल तक स्कूल-कॉलेज और विश्वविद्यालय बंद कर दिए हैं। विश्वविद्यालयों की परीक्षाएं भी रद कर दी गई हैं। केवल 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं आयोजित होंगी। अहमदाबाद व सूरत में सार्वजनिक बस सेवा, गार्डन, जिम, जू आदि को बंद किया गया है और रात के कर्फ्यू की अवधि बढ़ा दी गई है। पड़ोसी राज्यों राजस्थान, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश से लगती सीमाओं को सील कर दिया गया है।

अमेरिकी प्रतिबंध के डर से कंपनियों ने अटकाया पिछले साल चाबहार का काम, विदेश मंत्रालय की रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली एजेंसी । चाबहार पोर्ट को विकसित करने का काम पिछले साल उन कंपनियों की वजह से अटका था, जिन्होंने अमेरिकी प्रतिबंधों के डर से समय पर उपकरणों की आपूर्ति नही की। विदेश मंत्रालय से सम्बद्ध संसदीय समिति की रिपोर्ट में मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी का उल्लेख करते हुए बताया गया है कि कोविड और अमेरिकी प्रतिबंधों की वजह से कई कंपनियों ने गत वर्ष आपूर्ति नही की। इसकी वजह से वर्ष 2020 -21 में चाबहार के लिए सौ करोड़ रुपये का आवंटन संशोधित बजट अनुमान में नही किया गया था।

समिति को विदेश सचिव ने बताया कि कोविड की वजह से उपकरणों की आपूर्ति नही हुई और कुछ कंपनियां जिनमे एक चीनी कंपनी भी शामिल थी। उन्होंने अमेरिका द्वारा ईरान पर लगाए गए एकतरफा प्रतिबंध की वजह से जरूरी उपकरणों की आपूर्ति नही ही। विदेश सचिव ने बताया कि चाबहार को प्रतिबंध से छूट मिली हुई है फिर भी कुछ कंपनियों को लगता है कि वे इसके दायरे में आ सकते हैं। इसलिए हमें वहां कुछ अड़चनें आ रही हैं।

समिति के सामने चीनी कंपनी ज़ेडपीएमसी का भी उल्लेख इस कड़ी में किया गया। रेल माउंटेड क्यू क्रेन की देरी से आपूर्ति शुरू हुई और यह मुख्य उपकरण है जिसके लिए 100 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया था। समिति को बताया गया कि 140 टन क्रेन के उपकरणों के पहले बैच की आपूर्ति 31 जनवरी को की गई और इसके लिए 58 करोड़ रुपये का बिल प्रक्रिया में है।

व्यापार को गति मिल रही- हालांकि सरकार ने ये जानकारी भी दी है कि चाबहार बंदरगाह के माध्यम से करीब 60,000 मीट्रिक टन गेंहू मानवीय सहायता के रूप में अफगानिस्तान तक आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। सरकार ने समिति को बताया है कि चाबहार को उत्तर दक्षिण अंतरराष्ट्रीय परिवहन गलियारा के रूप में विकसित करने की कवायद तेजी से चल रही है। ये चाबहार से मध्य एशिया होते हुए अफगानिस्तान के माध्यम से रूस तक जाएगा। सरकार को जल्द इस मार्ग का परीक्षण होने की उम्मीद है।

रूस ने इसमे विशेष रुचि दिखाई है। अन्य सम्बद्ध देश भी इसमे रुचि दिखा रहे हैं। भारत की कॉनकॉर कंपनी के अलावा रूस ने भी अपनी एक कंपनी परियोजना को संचालित करने के लिए नामित की है।

डिब्रूगढ़ में लाहोवाल कॉलेज में एक इंटरैक्टिव सत्र के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी छात्रों को संबोधित करते हुए।

महाराष्ट्र एटीएस को भी सचिन वाझे पर संदेह, मनसुख हिरेन केस में जांच के लिए हिरासत की करेगी मांग

मुंबई । मुकेश अंबानी केस में एनआईए के बाद अब महाराष्ट्र एटीएस को भी सचिन वाझे पर संदेह है। यही वजह है कि मनसुख हिरेन मौत मामले की जांच कर रही एटीएस आज निलंबित पुलिस अधिकारी सचिन वाझे की कस्टडी की मांग करेगी। ठाणे के सेशन कोर्ट में सचिन वाझे की अग्रिम जमानत याचिका पर आज सुनवाई है, जिसका एटीएस विरोध करेगी और फिर वाझे की कस्टडी की मांग भी करेगी। बता दें कि गिरफ्तारी की तलवार लटकने के बाद सचिन वाझे ने अग्रिम जमानत के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इस बीच एनआईए ने बुधवार को पुष्टि की कि 25 फरवरी की रात जब मुकेश अंबानी के घर के पास विस्फोटकों से लदी कार मिली थी, तो उस दौरान सीसीटीवी फुटेज में जो शख्स दिखा था, वह सचिन वाझे ही थे। एनआईए ने कहा था कि सीसीटीवी फुटेज में सचिन वाझे को अपने सिर को बड़े रूमाल से ढंकते हुए देखा जा सकता है, ताकि कोई उन्हें पहचान न सके। सचिन वाझे ने चेहरे को ढकने के लिए और पहचान जाहिर न हो पाए, इसके लिए एक ओवर साइज़्ड कुर्ता-पायजामा (पजामा) पहना था। एजेंसी ने कहा कि वह पीपीई किट नहीं था। ऐसा इसलिए किया ताकि उनके चाल-चलन और हा-भाव से कोई पहचान न सके।

बता दें कि निलंबित और इस मामले में 13 मार्च को गिरफ्तार किए गए पुलिस अधिकारी सचिन वाझे शहर पुलिस की अपराध शाखा के सीआईयू से संबंद्ध थे। शाखा का दफ्तर दक्षिण मुंबई में पुलिस आयुक्त कार्यालय के परिसर में स्थित है। व्यावसायी मनसुख हिरन की पत्नी का आरोप है कि एसयूवी का कुछ समय तक वाजे ने इस्तेमाल किया था। हिरन ने दावा किया था कि स्कॉर्पियो उनके पास से चोरी हुई थी। हिरन की 5 मार्च को रहस्यमयी परिस्थितियों में मौत हो गई है। सचिन वाझे को बीते रविवार को 25 मार्च तक एनआईए की कस्टडी में भेजा गया है। शनिवार को उन्होंने ठाणे के जिला एवं सत्र न्यायालय में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी। मामले की सुनवाई में अंतरिम राहत देने से कोर्ट ने इनकार कर दिया था और राज्य सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था और मामले को आज की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया था।

बेरोजगार युवाओं ने विस.उप चुनाव में कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोला, युवाओं का अभियान नौकरी नहीं तो वोट नहीं

जयपुर । राजस्थान की चार में से तीन विधानसभा सीटों पर उप चुनाव की तारीख घोषित होने के साथ ही बेरोजगार युवाओं ने कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। बेरोजगार युवाओं ने नौकरी नहीं तो वोट नहीं का अभियान शुरू किया है। बेरोजगार युवाओं के एक संगठन ने कांग्रेस उम्मीदवारों के खिलाफ प्रत्याशी खड़े करने की घोषणा की है। वहीं दूसरे संगठन ने मतदाताओं को कांग्रेस को वोट नहीं देने को लेकर आग्रह करने का अभियान शुरू किया है। अभियान की शुरूआत सहाड़ा विधानसभा क्षेत्र से की गई है। यहां कांग्रेस के विधायक कैलाश त्रिवेदी की मौत के कारण उप चुनाव हो रहे हैं। इसके बाद राजसमंद और

सुजानगढ़ में भी यह अभियान चलाया जाएगा।

सुजानगढ़ में कांग्रेस के भंवरलाल शर्मा व राजसमंद में भाजपा की किरण माहेश्वरी के निधन के कारण उप चुनाव हो रहे हैं । तीनों जगह 17 अप्रैल को मतदान होगा और 2 मई को चुनाव परिणाम आएगा। सहाड़ा में बेरोजगार युवाओं ने अरूण शर्मा को अपना प्रत्याशी बनाया है, शेष दो सीटों पर अगले दो-तीन दिन में उम्मीदवार घोषित किया जाएगा। इन युवाओं की मतदाताओं से अपील है कि कांग्रेस का बहिष्कार कर उनके प्रत्याशी को वोट दें। दअरसल, ये युवा प्रतियोगी परीक्षाएं दे रहे हैं, जिनमें किसी की परीक्षा होनी है तो किसी का परिणाम आना है और किसी में नियुक्ति दी जानी है। लंबे समय से नियुक्ति टाली जा रही है। प्रतियोगी परीक्षओं को विभिन्न कारणों से लगातार आगे खिसकाया जा रहा है। राजस्थान एकीकृत बेरोजगार संघ के अध्यक्ष उपेन यादव का कहना है कि नौकरी नहीं तो वोट नहीं अभियान 17 अप्रैल तक चलेगा।

उन्होंने बताया कि नर्सिंग भर्ती 2013 से शुरू हुई थी जो अब तक पूरी नहीं हुई। प्रयोगशाला सहायकों की भर्ती 2018 में निकाली गई थी,जो अब तक पूरी नहीं हुई। स्कूली व्याख्याताओं की परीक्षा होने के बाद भी नियुक्ति नहीं दी जा रही। इसी तरह 2013 में सहायक कर्मचारी की भर्ती निकाली गई थी जो अब तक पूरी नहीं हुई। वादे के बावजूद पंचायत सहायकों को नियमित नहीं किया गया। बेरोजगारी भत्ता सभी पंजिकृत बेरोजगारों को नहीं दिया जा रहा है । यह माना जा रहा है कि इन मामलों को लेकर बेरोजगार युवाओं की नाराजगी से सत्तारूढ़ दल कांग्रेस को परेशानी हो सकती है।

राज्यों में बढ़ रहे कोरोना के नए मामलों में महाराष्ट्र सबसे आगे

नई दिल्ली। बीता साल महामारी के चलते घरों में कैद रहा। नये साल में कोरोना से निजात की उम्मीद थी लेकिन कोरोना के लगातार बढ़ते मामले संकट की तरफ इशारा कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने भी मुख्यमंत्रियों के साथ हुई बैठक में निर्णायक कदम उठाने के लिए कहा। एंटीजन टेस्ट नहीं आरटी-पीसीआर पर ही भरोसा करने को कहा। पिछले 15 दिनों में कोरोना के मामलों में सबसे ज्यादा तेजी आई है। महाराष्ट्र की स्थिति चिंताजनक है और बाकी राज्यों में भी एहतियात बरतने और अधिक सतर्क रहने की जरूरत है। राज्यों में कोरोना के बढ़ते मामलों पर एक नजर।

महाराष्ट्र में रिकवरी रेट में आई कमी- इस साल एक दिन में सबसे ज्यादा नए केस और मौतों के साथ महाराष्ट्र सबसे संक्रमित राज्यों की श्रेणी में अव्वल हो गया है। ज्यादातर नए केस मुंबई, नागपुर, पुणे इत्यादि से सामने आए हैं। चिंताजनक यह है कि रिकवरी रेट पहले के मुकाबले कम हुआ है। अब यह 92.21 से घटकर 91.26 हो गया है। नए केसों में 85 फीसद एंसप्टोमैटिक है।

पंजाब में मृत्यु दर पिछली बार से ज्यादा- एक तरफ देशभर में नए केस लगातार बढ़ रहे हैं तो दूसरी तरफ पंजाब एकमात्र ऐसा राज्य है जहां दूसरे दौर के संक्रमण में मृत्यु दर पहले से ज्यादा है। पिछले हफ्ते पंजाब कोरोना से हुई मौतों के मामले में महाराष्ट्र के बाद दूसरे नंबर पर आ गया है।

चित्तौड़गढ़ में रसोई गैस के रिसाव से मकान में लगी आग, हादसे में तीन जिंदा जले, अन्य चार झुलसे

उदयपुर । चित्तौड़गढ़ जिले के मीठारामजी का खेड़ा क्षेत्र के एक मकान में रसोई गैस के रिसाव के बाद लगी आग में एक परिवार के तीन लोग जिंदा जल गए। हादसे में अन्य चार लोग भी झुलस गए, जिनका उपचार जिले के श्रीसांवलियाजी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उदयपुर के लिए रेफर कर दिया गया। इनमें से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है।

घटना गुरुवार देर रात तीन बजे की है। मिली जानकारी के अनुसार मीठारामजी का खेड़ा स्थित पुरुषोत्तम भांबी के मकान में अचानक आग फैल गई। हादसे में मकान मालिक पुरुषोत्तम भांबी के अलावा उनकी माता सजनी बाई और पत्नी जमुना देवी जिंझर जिंदा जल गई। जबकि उनके परिवार के जयदीप, भूमि, उमेश और सूरज बुरी तरह झुलस गए। सूचना पर पुलिस और दमकल दल मौके पर पहुंचा। हादसे की सूचना पर पुलिस उप अधीक्षक मनीष शर्मा, कोतवाली और सदर थाना पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा। दमकल दल ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और पुलिस और दमकल दल ने मकान में फंसे लोगों को बाहर निकाला तथा सभी को श्री सांवलियाजी जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सक टीम ने पुरुषोत्तम भांबी, उनकी मां सजनी बाई तथा उनकी पत्नी जमुना देवी की मौत की पुष्टि की, जबकि उनके परिवार के अन्य चार सदस्यों को प्राथमिक उपचार के बाद उदयपुर के एमबी अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।

आग बुझने पर की गई जांच के बाद दमकल दल ने खुलासा किया कि आग रसोई गैस के सिलेंडर से गैस रिसाव के चलते लगी।

यह अच्छा रहा कि सिलेंडर की पूरी गैस निकल चुकी थी। उसमें यदि गैस बची होती तो सिलेंडर फटने से और भी बड़ा हादसा हो सकता था। हालांकि आग की वजह से कमरे की छत की पट्टियां गिर गई थी और कमरे में सो रहे सात लोग बाहर निकल नहीं पाए और आग ने उन्हें घेर लिया था। घटना की सूचना पड़ोसियों के जरिए ही पुलिस और दमकल को मिली। फंसे पुरुषोत्तम और उसके परिवार के लोगों के चीखने और चिल्लाहट की वजह से पड़ोसियों की नींद खुल गई थी। आग बुझाने में दमकल दल को दो घंटे से अधिक का समय लगा।

दुर्घटना को रोकने के लिए देशभर के रेलवे पुलों और ओवरब्रिजों की सेहत जांचेगी थर्ड पार्टी

नई दिल्ली । रेलवे पुल टूटने से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए भारतीय रेलवे पुख्ता एहतियाती उपाय कर रहा है। इसके लिए रेलवे ने अपनी रुटीन जांच के साथ सुरक्षा और संरक्षा के मद्देनजर पुलों और ओवरब्रिजों की सेहत की थर्ड पार्टी से भी जांच कराने का फैसला किया है। इससे इन पुलों की समय पर मरम्मत कराई जा सकेगी और दुर्घटना से बचा सकेगा।

रेलवे के पास फिलहाल देशभर में कुल डेढ़ लाख से अधिक पुल हैं। इनमें लगभग साढ़े तीन हजार ऐसे ओवरब्रिज हैं, जो रेलवे ट्रैक से होकर गुजरने वाली सड़कों पर बनाए गए हैं। जबकि 3,700 से अधिक ऐसे ओवरब्रिज हैं जो पैदल सवारियों और यात्रियों की सहूलियत के लिए बनाए गए हैं।

स्वतंत्र विशेषज्ञों से ऑडिट कराने का फैसला - भारतीय रेलवे के पास इन पुलों और ओवरब्रिजों के रखरखाव और निगरानी के लिए एक व्यवस्थित प्रणाली है जो वास्तविक स्थितियों का पता लगाती रहती है। इन पुलों का निरीक्षण साल में दो बार किया जाता है।

इनमें पहला मानसून शुरू होने से पहले और दूसरा मानसून सीजन समाप्त होने के बाद होता है। मौजूदा बुनियादी ढांचे को मजबूती प्रदान करने, सही स्थितियों से वाकिफ रहने और किसी भी संदेह से बचने के लिए स्वतंत्र विशेषज्ञों से ऑडिट कराने का फैसला किया गया है। इसमें पुराने पड़ चुके पुलों में अंदरूनी तौर पर जंग लगने से कमजोर होने का अध्ययन भी कराया जाता है।

80 साल से अधिक पुराने सभी पुलों को होगी जांच - थर्ड पार्टी जांच के लिए विशेषज्ञों की टीम को दायित्व सौंपा जाएगा। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग रिसर्च सेंटर समेत अन्य संस्थानों को यह जिम्मेदारी दी जाएगी।

थर्ड पार्टी जांच में डिजाइन, पुलों के भार सहने की क्षमता, मौजूदा ढांचा समेत अन्य पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इनमें 80 साल से अधिक पुराने सभी पुलों को शामिल किया जाएगा।

रेलवे जिन पुलों को नाजुक अथवा कमजोर समझ रहा है, उनकी भी जांच कराई जाएगी। जिन पुलों पर ट्रेनों की गति को प्रतिबंधित कर दिया गया है, उन्हें जरूर जांचा जाएगा।

राजस्थान में विधायक कोष सवा दो करोड़ से बढ़ाकर 5 करोड़ किया गया

जयपुर । राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विधायकों को संतुष्ट करने के लिहाज से विधायक क्षेत्रीय विकास कोष की राशि सवा दो करोड़ से बढ़ाकर 5 करोड़ प्रतिवर्ष कर दी। विधायक लंबे समय से कोष बढ़ाने की मांग कर रहे थे। कांग्रेस में चल आंतरिक खींचतान के बीच विधायकों को खुश करने के लिए सीएम ने घोषणा की है। बृहस्पतिवार को राज्य विधानसभा में वित्त एवं विनियोग विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए गहलोत ने कई घोषणाएं की।

उन्होंने 1 मई मजदूर दिवस से मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना लागू करने की घोषणा की। इसके तहत प्रदेश के सभी परिवारों को 5 लाख रूपए प्रतिवर्ष केश लैस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। चिकित्सा सुविधा को सशक्त करने के लिहाज से कई तहसीलों में प्राथमिक चिकित्सलयों को क्रमोन्नत करने, अगले साल से उच्च माध्यमिक स्कूलों में 500 से अधिक छात्राएं अध्ययन करेंगी वहां छात्रावास स्थापित करने की घोषणा की। सीएम ने उर्वरकों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिहाज से 2 लाख टन यूरिया और एक लाख टन डीएपी खाद के अग्रिम भंडारण के लिए 20 करोड़ का प्रावधान करने, एक नई कृषि उपज मंडी खोलने, दो जगह कृषि कॉलेज खोलने, राशन डीलर्स के आश्रितों को अनुकंपात्मक डीलरशिप पौत्र, पौत्री व पुत्रवधु को देने का प्रावधान करने,सड़कों के नवीनीकरण,आरओबी निर्माण व उच्च स्तरीय पूल बनाने के लिए 1 हजार 535 करोड़ का प्रावधान करने की सीएम ने घोषणा की। को-ऑपरेटिव सोसायटियों द्वारा की जाने वाली धोखाधड़ी पर लगाम लगाने के लिए जिला स्तर पर इन मामलों की सुनवाई करने वाले विशेष कोर्ट खोलने और एक विजिलेस अथोरिटी बनाने की भी घोषणा की।

स्ट्रगल के दौरान मां ने किया सपॉर्ट, मुश्किल समय में भेजती थीं पैसे

बॉलिवुड के पॉप्युलर कॉमिडी ऐक्टर वरुण शर्मा की फिल्म 'रूही' रिलीज हो चुकी है। फिल्म को दर्शकों की मिलीजुली प्रतिक्रिया मिली है। लंबे संघर्ष के बाद जाने-माने कॉमिक कलाकार वरुण शर्मा को जब 'फुकरे' मिली, तो उनके किरदार चूचा ने उनकी जिंदगी बदल दी। 'छिछोरे' में उनके चरित्र सेक्सा को भी काफी पसंद किया गया। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी फिल्म 'रूही' से। उनसे एक विशेष मुलाकात।

आपकी फिल्म इस हफ्ते सिनेमा हॉल का मुंह देखनेवाली है? किस तरह की फीलिंग्स आ रही है?

मुझे ट्रेलर के रिस्पॉन्स से बहुत पॉजिटिव फीलिंग आ रही है। जिस तरह से सिनेमाघरों में एहतियात बरते जा रहे हैं और लोग भी सावधानी रख रहे हैं, ऐसा मालूम हो रहा है कि यह अब हमारी जिंदगी का हिस्सा ही बन गया है। मुझे लगता है कि इकट्ठा बैठकर परिवार बहुत वक्त से हंसा नहीं है बाहर जाकर। मैं देश की उस जनता में शुमार हूं, जिनकी धड़कन सिनेमा और क्रिकेट है। मैं उम्मीद और प्रार्थना करता हूं कि लोग अपने प्रियजनों के साथ फिल्में देखने आएं और पिछले साल जो थिएटर जाने में गैप आया था उसे पूरा कर दें।

आपके कॉमिक रोल हीरो के सामानांतर रखे जाते है। इस जगह को बनाने में कितनी स्ट्रगल करनी पड़ी?

मुझे लगता ही नहीं था कि मैं कभी कॉमिडी कर सकता हूं। 'फुकरे' से पहले जब मैं थिएटर करता था, तो अश्वत्थामा और अंधा युग जैसे हार्डकोर और इंटेंस नाटक किया करता था। कॉमिडी मैंने फुकरे के साथ करनी शुरू की। लोगों ने इन किरदारों को अपनाया और खूब प्यार भी दिया। मैं अर्ज करता हूं कि यह सिलसिला लंबे समय तक चलता रहे। जो 2 हीरो और 3 हीरो फिल्म का दौर वापस आया है, उससे मैं खुश हूं। अब कॉमिडी में अच्छी स्क्रिप्ट लिखी जाने लगी हैं। हालांकि शुरुआती दौर में काफी रिजेक्ट हुआ। एक बार मेन रोल का झांसा देकर जूनियर आर्टिस्ट का किरदार भी दिया गया। ऑडिशन कई होते थे और रिजेक्शन भी खूब। अगली बारी, अगली बारी सुन-सुनकर परेशान हो जाता था। उसके बाद घर चला जाता और मम्मी को फोन करते थे कि पैसे खत्म हो गए हैं, थोड़े पैसे भेज दो न। मम्मी कहीं कुछ हो नहीं रहा है, कुछ समझ नहीं आ रहा है, वापस आ जाऊं क्या? लेकिन मम्मी सपॉर्ट कर देती थीं।

कॉमिक इमेज होने के नाते आपसे हमेशा कॉमिडी की अपेक्षा की जाती, कभी आपको कोफ्त होती है?

लोगों को अमूमन लगता है कि मैं बड़े परदे पर लोगों को हंसाता हूं, तो मेरा व्यक्तिगत स्वभाव भी ऐसा ही होगा। मगर ऐसा है नहीं है। इंसान होने के नाते हम भी अच्छे और बुरे वक्त से गुजरते हैं। आपके दिमाग में परिवार की, घर की, आर्थिक जैसी कई चीजें चल रही होती हैं। कई बार सुबह 5 बजे की फ्लाइट होती है और वॉशरूम में कोई फैन मुझसे कॉमिक एक्ट की उम्मीद कर रहा होता है। कभी आप बीमार होते हैं और आपसे पब्लिक प्लेस पर कहा जाता है कि एक डायलॉग सुनाएं, उस वक्त मैनेज करना मुश्किल होता है। लेकिन एक ऐक्टर होने के नाते जब हम सेट पर जाते हैं, तब बिल्कुल एक पायलट की तरह। प्लेन में पायलट के दरवाजे के बाहर लिखा होता है अपनी सारी परेशानियों को इस दरवाजे के बाहर छोड़ दें, क्योंकि पायलट पर 250 लोगों की जिम्मेदारी होती है। वैसे ही ऐक्टर होते हुए प्रडयूसर की पैसों की जिम्मेदारी हम लोगों की मेहनत पर होती है। मैं भी अपने आपको उस जहाज का पायलट मानता हूं। मैं अपनी सारी परेशानियां पीछे छोड़कर आ जाता हूं। और जैसे ही टेक खत्म होता है तब दोबारा स्ट्रेस में आ जाता हूं (हंसते हुए)

आप कई ऐक्टर-ऐक्ट्रेसेज के साथ काम कर चुके हैं। आपके सबसे चहीते साथी कलाकार कौन हैं?

सभी के साथ मेरा अलग अनुभव रहा है। भगवान की दया से फिल्म करने के बाद वह मेरी निजी जिंदगी में बड़े अजीज दोस्त बन गए हैं। जैसे वरुण धवन। हम अब बहुत करीबी दोस्त हैं। कृति सेनन और मैं अच्छे दोस्त बन चुके हैं। अब जाह्नवी (कपूर) और राज (राजकुमार राव) प्यारे फ्रेंड्स बन गए हैं। आप जब शूटिंग और प्रमोशंस के दौरान इतना समय किसी इंसान के साथ गुजारते हैं, तो लगाव हो जाता है। जब हम किसी फिल्म प्रॉजेक्ट पर 6 महीने साथ में रहते हैं, तो आप असली रूप में ही बाहर आता हैं। जब आप किसी इंसान को अच्छे से जान लेते हैं, तब आप अपने आप ही उसके करीबी हो जाते हैं।

सुशांत राजपूत जैसे साथी कलाकार के साथ आपने उनके जाने से पहले ही 'छिछोरे' की थी। क्या आपको कभी शूटिंग के वक्त सुशांत सिंह राजपूत का मिजाज बदला हुआ-सा महसूस हुआ था?

नहीं बल्कि उस दौरान हम एक यूनिट नहीं परिवार की तरह काम करते थे। उस समय हमने बहुत मस्ती की थी। वह पूरा का पूरा प्रोसेस पहले तो हॉस्टल लाइफ और उसकी जर्नी। हमने आईआईटी हॉस्टल में पूरी फिल्म शूट की थी। हम सात लोग हमेशा हर वक्त इकट्ठा रहा करते थे। जैसे मस्ती-मजाक करना, बातें करना, खेलना कूदना। कभी ऐसा महसूस ही नहीं हुआ।

आपको नहीं लगता इस हादसे को एक अलग ही रुख दे दिया गया?

ऐसा बहुत लगता है। चीजें देखने और पढ़ने में बहुत तकलीफदेह होती हैं। भगवान उसकी आत्मा को शांति दे। मैंने उस पूरे दौर में अपना फोन बंद कर दिया था। वह बहुत ही ज्यादा कठिन समय था। दिशा सालियन (सुशांत की पूर्व मैनेजर) मेरी बहुत करीब थी। वही मेरा काम संभालती थीं। मैं उस खबर और घटना से हक्का-बक्का रह गया था और उस समय चुपचाप ही रहा करता था, क्योंकि मेरे लिए कई सारी चीजें हैं, जिसे मैं बाहर नहीं निकालना चाहता और खुद ही सुलझाना चाहता हूं।

दर्शकों को हंसाने आ रही है 'फुकरे 3'

'फुकरे' सीरीज की फिल्में दर्शकों को हंसाने में कामयाब रही हैं। 2013 में रिलीज हुई फिल्म 'फुकरे' में जबदस्त कॉमेडी देखने को मिली थी। इस फ्रेंचाइजी की अब तक दो फिल्में बन चुकी हैं। इस साल की शुरुआत में खबरें आई थीं कि मेकर्स 'फुकरे 3' को बनाने की योजना पर काम कर रहे हैं। अब जानकारी सामने आ रही है कि फिल्म की मुहूर्त पूजा हो चुकी है और जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू होगी। अभिनेता पुलकित सम्राट ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में जानकारी दी है कि इस फिल्म की मुहूर्त पूजा हो चुकी है। साथ ही उन्होंने मुहूर्त पूजा की तस्वीर भी शेयर की है। पुलकित ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, 'फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होगी। आप सभी अपना प्यार भेजते रहिएगा।' वहीं वरुण और ऋचा ने भी फिल्म के मुहूर्त पूजा की तस्वीर शेयर कर अपनी खुशी जाहिर की है। एक इंटरव्यू में पुलकित ने बताया था कि फिल्म की टीम फिर साथ काम करने के लिए उत्साहित है। पहले वरुण शर्मा ने बताया था कि फिल्म की शूटिंग अप्रैल में शुरू होगी। फिल्म में अपनी भूमिका को लेकर वरुण ने बताया था, फिल्म में 'चूचा' का पात्र मेरी पहचान बन गई है। इसने मुझे वह सबकुछ दिया है, जो मुझे अपने करियर में मिला है। वापस उसी तरह की भूमिका को निभाना मेरे लिए रोमांचकारी और चुनौतीपूर्ण कार्य होगा। बता दें कि सुपरहिट फिल्म 'फुकरे' से वरुण ने 2013 में अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। खबरों की मानें तो 'फुकरे 3' की कहानी में कोरोना वायरस की चर्चा हो सकती है। फिल्म निर्देशक मृगदीप ने एक इंटरव्यू में बताया था, फिल्म का यह भाग भी हास्यपूर्ण तरीके से एक मैसेज देगा, जो लोगों को पसंद आएगा। ऑरिजनल कहानी में कोविड-19 के बारे में कुछ नहीं बताया जाएगा। हम अभी इस पर विचार कर रहे हैं। निर्देशक ने बताया था कि लॉकडाउन के दौरान ही फिल्म की तैयारियां शुरू हो चुकी थीं। 'फुकरे' का निर्देशन मृगदीप सिंह लांबा ने किया था। फिल्म में मुख्य भूमिका में पुलकित, वरुण, अली फजल, मंजोत सिंह, ऋचा चड्ढा और प्रिया आनंद दिखी थीं। ल्म की कहानी चार युवा लड़कों की है, जो पैसा कमाने और अपने सपनों को पूरा करने के लिए शॉर्टकट का इस्तेमाल करते हैं।

दर्शकों को हंसाना आसान नहीं है, लेकिन यह नामुमकिन भी नहीं है

लेडीज स्पेशल और सास बिना ससुराल जैसे शो में अपने शानदार रोल के लिए पहचाने जाने वाले एक्टर विष्णु भोलवानी अब सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर हाल ही में शुरू हुए सिटकॉम 'सरगम की साढ़े साती' में आशा अमर अवस्थी का रोल निभा रहे हैं। वो अपारशक्ति अवस्थी यानी कुणाल सलूजा के बड़े भाई का रोल निभा रहे हैं, जो बड़े तुनकमिजाज हैं और सबसे बराबरी करते हैं। वो हमेशा अपने पिता से मुकाबला करने की कोशिश करते हैं। वो अपने पिता के साथ साड़ी की दुकान पर काम करते हैं और अक्सर महिला ग्राहकों से लड़ पड़ते हैं। उनके गुस्से की वजह भी होती हैं। वो हमेशा शांत रहने की कोशिश करते हैं, लेकिन फिर भी खुद से जूझते रहते हैं। कॉमेडी करना अक्सर मुश्किल माना जाता है क्योंकि इसका एकमात्र उद्देश्य लोगों को हंसाना होता है। कुछ लोग कॉमेडी करना सीखते हैं और कुछ लोगों में यह गुण स्वाभाविक रूप से होता है। इसी तरह एक्टर विष्णु भोलवानी को भी शुरुआत में कॉमेडी करना मुश्किल लगा, लेकिन यह उनके लिए नामुमकिन भी नहीं था, क्योंकि उन्होंने सरगम की साढ़े साती की टीम के साथ इसकी प्रैक्टिस की और इसे सीखा। कॉमेडी सीखने को लेकर विष्णु भोलवानी ने कहा, यह पहली बार है, जब मैं एक सिटकॉम में काम कर रहा हूं। इससे पहले मैंने जितने भी शोज किए, वो सब सीरियस ड्रामा थे, जिसमें कॉमेडी का कोई स्कोप नहीं था। जब हमने इसके लिए वर्कशॉप और ट्रेनिंग सत्र शुरू किया, तो मुझे शुरुआत में लोगों को हंसाना बहुत मुश्किल लगा। मुझे लगा कि जब मैं सीन्स की शूटिंग करूंगा, तो इसे कैसे कर पाऊंगा। लेकिन मुझे यह नामुमकिन भी नहीं लगा, क्योंकि 'सरगम की साढ़े साती' की मेरी शानदार टीम और हमारे डायरेक्टर केदार शिंदे सर ने हर कदम पर मेरा मार्गदर्शन किया, चाहे वो एक्सप्रेशन्स हों या डायलॉग डिलीवरी! यहां तक कि मुझमें हमारे प्रोड्यूसर विपुल शाह का विश्वास भी कम नहीं हुआ। उन्होंने आगे बताया, हम सभी ने एक परिवार की तरह मिलकर इसे संभव बनाया। यह एक टीमवर्क है और सभी ने मिलकर इस कॉमेडी को धीरे-धीरे आगे बढ़ाया।

कृष्णा अभिषेक के साथ विवाद पर बोले गोविंदा

बॉलीवुड एक्टर गोविंदा और उनके भांजे कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक का विवाद तो काफी पॉपुलर है। दोनों मामा-भांजे एक-दूसरे के सामने नहीं आते हैं। अब हाल ही में गोविंदा ने कृष्णा के साथ हुए विवाद पर फिर अपना रिएक्शन दिया है। गोविंदा ने एक इंटरव्यू में कहा कि कृष्णा अच्छे इंसान हैं, लेकिन जो भी वह कर रहे हैं इसके पीछे कोई और है। गोविंदा ने कहा, मुझे नहीं पता कौन उनसे ये सब करवा रहा है नहीं तो वह अच्छे लड़का है। उन्होंने कहा, वो ये सब करके ना सिर्फ मजे कर रहे हैं बल्कि इससे मेरी इमेज भी खराब हो रही है। जो भी इसके पीछे वो चाहता है हमारे बीच कुछ सही ना हो। गोविंदा की बेटी टीना अहुजा ने कुछ दिनों पहले एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि उन्हें कभी नेपो किड नहीं कहा जा सकता क्योंकि उनके पापा गोविंदा ने कभी उनकी मदद नहीं की। टीना ने कहा था कि उन्हें अब तक अपनी मेहनत और टैलेंट की वजह से काम मिला है।

अरशद ने की फिल्म इंडस्ट्री को लेकर बात

अरशद वारसी जल्द ही कृति सैनन और अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'बच्चन पांडे' में नजर आने वाले हैं। हाल ही में इन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि फिल्म बिजेनस में ऐसी कौन सी चीज है, जिसे सुनकर वह चिढ़ जाते हैं।

बॉलीवुड एक्टर अरशद वारसी फिल्म इंडस्ट्री में एक लंबा सफर तय कर चुके हैं। फिल्मों के साथ इन्होंने कई कमर्शियल ऐड्स किए। अब अरशद वारसी जल्द ही कृति सैनन और अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'बच्चन पांडे' में नजर आने वाले हैं। हाल ही में इन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि फिल्म बिजेनस में ऐसी कौन सी चीज है, जिसे सुनकर वह चिढ़ जाते हैं। अरशद वारसी ने कहा कि सेट्स पर होने वाली भागदौड़ और पागलपन उन्हें काफी पसंद है। हर कोई इधर-उधर भाग रहा होता है। मुझे यह देखना बहुत अच्छा लगता है। फिल्मों के प्रति मेरे अंदर कुछ भी नाराजगी नहीं। फिल्म इंडस्ट्री लोगों के साथ फेयर है या नहीं, इस पर अरशद बोले- हर किसी को एक खास तरह की संवेदनशीलता चाहिए। अरशद कहते हैं कि यहां जो लोगों के पास है, वह उससे खुश हैं। संतुष्ट हैं। वह जरूरी चीजों पर ध्यान देते हैं। हर किसी को अपनी जिंदगी में एक ऐसी चीज ढूंढनी चाहिए, जिससे वह संवेदनशील बनें। तभी वह जगह और काम उनके लिए शानदार एक्सपीरियंस होगा। अरशद आखिरी बार भूमि पेडनेकर के साथ फिल्म 'दुर्गामती' में नजर आए थे। फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई थी।

सूर्यवंशी की रिलीज डेट का हुआ ऐलान

बीते लंबे वक्त से अक्षय कुमार और कैटरीना कैफ स्टारर फिल्म सूर्यवंशी की रिलीज का इंतजार फैन्स को है। ऐसे में आज रोहित शेट्टी के जन्मदिन के खास मौके पर फिल्म सूर्यवंशी की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है। इसके साथ ही लंबे वक्त से ये भी सवाल गूंज रहा था कि फिल्म ओटीटी पर रिलीज होगी या फिर सिनेमाघरों में, तो इस सवाल से भी पर्दा उठ गया है। बता दें कि अक्षय कुमार और कैटरीना कैफ स्टारर फिल्म सूर्यवंशी 30 अप्रैल को रिलीज होगी। अक्षय कुमार ने खुद ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी है। अक्षय कुमार ने अपने ट्वीट में लिखा- हमने आप सभी से सिनेमा के दमदार एक्सपीरियंस का वादा किया था और वो वादा पूरा होगा। आखिरकार इंतजार खत्म होगा. आ रही है पुलिस। सूर्यवंशी सिनेमाघरों में 30 अप्रैल 2021 को रिलीज होगी।

रणवीर- अजय का कैमियो

बता दें कि सूर्यवंशी का ट्रेलर बीते साल 02 मार्च को रिलीज हुआ था और फिल्म के ट्रेलर को फैन्स ने खूब पसंद किया था। उसके बाद से ही फैन्स को फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। ऐसे में अब जब फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान हो चुका है तो फैन्स काफी खुश हैं और सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर कर रहे हैं।

रोहित शेट्टी का कॉप यूनिवर्स

गौरतलब है कि फिल्म सूर्यवंशी रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स का हिस्सा है, ऐसे में फिल्म में सिंघम अजय देवगन और सिम्बा रणवीर सिंह भी कैमियो करते दिखेंगे। फिल्म में जोरदार एक्शन देखने को मिलेगा, ये बात तो फिल्म के ट्रेलर से ही साफ हो गई थी। ऐसे में अब हर किसी को फिल्म का इंतजार है।

'द इम्मोर्टल अश्वत्थामा' के लिए इतने किलो वजन बढ़ाएंगे विक्की कौशल

बॉलीवुड एक्टर विक्की कौशल इन दिनों कई फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त हैं। फिलहाल वह अपनी फिल्म 'द इम्मोर्टल अश्वत्थामा' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। 'उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक' के निर्देशक आदित्य धर के साथ वह इस फिल्म के प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म में अपनी भूमिका के हिसाब से खुद को ढालने के लिए विक्की कड़ी मेहनत कर रहे हैं। विक्की इस फिल्म के लिए अपना वजन 120 किलो तक बढ़ाएंगे। विक्की पौराणिक कथा पर आधारित साइंस फिक्शन फिल्म 'अश्वत्थामा' के लिए अपनी शारीरिक संरचना में बदलाव ला रहे हैं। निर्देशक आदित्य ने विक्की की भूमिका को लेकर एक इंटरव्यू में बताया, फिल्म में मार्शल कॉम्बैट के अलग-अलग फॉर्म्स में कुशलता हासिल करना, हथियारों की ट्रेनिंग इत्यादि चीजों को पूरा करना मुश्किल भरा काम है। अभी उनका वजन 76 किलो है और 'उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक' के लिए उन्होंने अपना वजन 95 किलो तक बढ़ाया था। आदित्य ने आगे बताया कि विक्की फिल्म के लिए अपना वजन 115-120 किलो तक बढ़ाएंगे। आदित्य के मुताबिक, विक्की ने अपनी फिजिकल ट्रेनिंग को बहुत गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा कि जब विक्की किसी चीज पर अपना ध्यान लगाते हैं तो उसे पूरी शिद्दत से पूरा करते हैं। खबरों के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग अप्रैल से जुलाई के बीच में शुरू हो सकती है। फिल्म में विक्की के साथ सारा अली खान मुख्य भूमिका में दिखने वाली हैं। फिल्म में अश्वत्थामा को आधुनिक दौर में सुपरहीरो के तौर पर दिखाया जाएगा। आदित्य ने बताया कि उनकी टीम सुरक्षा के मद्देनजर जून तक कोरोना वायरस के वैक्सीन की डोज ले लेगी। फिल्म को पूर्वी यूरोप के लोकेशंस में शूट किया जा सकता है। इस फिल्म का निर्माण रॉनी स्क्रूवाला करेंगे।

सूर्यकुमार को 'गलत' आउट दिए जाने पर भड़के कोहली, सॉफ्ट सिग्नल में बदलाव की मांग

अहमदाबाद, 19 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने यहां नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए चौथे टी20 मैच में अर्धशतक लगाकर खेल रहे सूर्यकुमार यादव को गलत तरीके से आउट देने के तीसरे अंपायर के फैसले पर नाराजगी व्यक्त की है।

कोहली ने इसके साथ ही अंपायर के सॉफ्ट सिग्नल को लेकर बदलाव की भी मांग की है।

सूर्यकुमार ने फाइन लेग पर शॉट खेला जिसे डेविड मलान ने लपका। वीडियो में दिख रहा था कि कैच लपकने के बाद गेंद मैदान से जा लगी है। हालांकि मैदानी अंपायर के आउट देने के सिग्नल के कारण सूर्यकुमार को आउट करार दिया गया।

कोहली ने कहा, टेस्ट सीरीज के दौरान ऐसा हुआ था जब मैं अजिंक्य रहाणे के बगल में खड़ा था और उन्होंने साफ तौर पर गेंद पकड़ी थी लेकिन वह पूरी तरह निश्चित नहीं थे तो हमने ऊपर अपील की।

उन्होंने कहा, अगर फील्डर को संदेह है और स्कवायर लेग के अंपायर के पास देखने के लिए कोई रास्ता नहीं है तो वह कैसे साफ तौर पर देख सकते हैं। सॉफ्ट सिग्नल जरूरी है लेकिन यह मुश्किल भी है।

कोहली ने कहा, मुझे यह समझ नहीं आता कि अंपायरों के लिए मुझे नहीं पता का विकल्प क्यों नहीं है। यह अंपायर कॉल के ही समान है। ऐसे फैसले पूरे मैच का रूख बदल देते हैं, विशेषकर बड़े मुकाबलों में। अंत में हमें उम्मीद के अनुरुप नतीजा मिला लेकिन कल किसी और टीम के साथ ऐसा हो सकता है। बड़े मैचों के लिए यह अच्छा नहीं है। मैदान में स्पष्टता की जरूरत है।

सूर्यकुमार के अलावा वाशिंगटन सुंदर को आउट देने पर भी अंपायर के फैसले पर सवाल खड़े किए गए। सुंदर ने शॉ खेला जिसे बाउंड्री पर खड़े आदिल राशिद ने पकड़ा। इस पर अंपायर ने विभिन्न रिप्ले में देखा कि राशिद का पैर बाउंड्री से टच हो रहा है कि नहीं। लेकिन अंपायर ने अंत में सुंदर को आउट करार दिया।

भारत ने इस मैच में इंग्लैंड को 186 रनों का लक्ष्य दिया था लेकिन इंग्लैंड की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 177 रन ही बना सकी और उसे आठ रन से हार का सामना करना पड़ा।

इंग्लैंड के खिलाफ तीन वन डे के लिए भारतीय टीम घोषित

» कृष्णा, कृणाल पांड्या और सूर्य भारतीय टीम में शामिल तीन नए चेहरे

» रोहित, ऋषभ,भुवनेश्वर, सुंदर और सिराज की हुई टीम में वापसी

» बुमराह, शमी, नवदीप सैनी, सैमसन, मयंक व मनीष को नहीं मिली जगह

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसी)। कर्नाटक के 25 बरस के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा, मुंबई के विस्फोटक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव और बड़ोदा ऑलराउंडर क्रुणाल पांडया इंग्लैंड के खिलाफ शुक्रवार को तीन वन डे मैचों की क्रिकेट सीरीज के लिए शुक्रवार को घोषित भारत की 18 सदस्यीय टीम में शामिल तीन नए चेहरे हैं।

चेतन शर्मा की अगुआई वाली अखिल भारतीय सीनियर क्रिकेट चयन समिति द्वारा चुनी गई वन डे टीम हर लिहाज से संतुलित है। सूर्य कुमार यादव को इंग्लैंड के खिलाफ बृहस्पतिवार को चौथे टी-20 मैच में तूफानी अर्द्धशतक जड़ जीत दिलाने का इनाम वन डे के लिए घोषित भारतीय टीम में जगह बनाने के रूप में मिला।भारत के लिए पहले ही 18टी-20 मैच खेल कर 14 विकेट ले चुके क्रुणाल पांडया अपनी सटीक दिशा के साथ गेंदबाजी करने की कूवत के चलते प्रसिद्ध कृष्णा ने भी पहली बार भारत की वन डे टीम में जगह बनाई है। रोहित शर्मा, ऋषभ पंत और भुवनेश्वर कुमार, वाशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज की भारतीय वन डे टीम में वापसी हुई है। भारत की टीम मेहमान इंग्लैंड टीम के खिलाफ ये तीन वन डे मैच पुणे में क्रमशः 23,26 और 28 मार्च को खेलेगी।

भारत ने पिछले साल के आखिर में अपनी अंतिम वन डे सीरीज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसके घर में खेली थी। ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर वहां खेलने वाली भारतीय वन डे में शमिल रहे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, नवदीप सैनी, विस्फोटक बल्लेबाज संजू सैमसन, मयंक अग्रवाल और मनीष पांडे को इग्लैंड के खिलाफ पुणे में तीन वन डे मैचों क सीरीज लिए चुनी गई टीम में शामिल नहीं किया है।

विजय हजारे वन डे क्रिकेट में चार चार शतकों सहित रनो का अंबार लगाने वाले सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ और देवदत्त पड्डीकल अनुभवी रोहित शर्मा की वापसी के साथ पहले से ही शिखर धवन, केएल राहुल और शुभमन गिल के रूप में कई सलामी बल्लेबाजी की मौजूदगी के चलते वन डे के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने में नाकाम रहे हैं। प्रदीष कृष्णा को सीमित ओवरो की क्रिकेट का सीमित अनुभव है और उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में कर्नाटक के लिए सात मैचों में 14 विकेट लिए लेकिन आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खासतौर पर दबाव में अपनी कसी हुई गेंदबाजी से वह वन डे के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने में कामयाब हुए हैं।

आईपीएल के प्रदर्शन का सूर्यकुमार को मिला पुरस्कार

सूर्य कुमार को घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में शानदार प्रदर्शन का सिला इंग्लैड के खिलाफ अहमदबाद में सीरीज चौथे टी-20 से दनादन क्रिकेट में आगाज करने के रूप में मिला। सूर्य ने भारत के लिए अपने इस पदार्पण मैच में ही अर्द्धशतक जड़ जीत दिला कर मेजबान टीम को सीरीज में दो-दो की बराबरी दिखाकर हर किसी को प्रभावित किया है। सूर्य ने इसके साथ ही विजय हजारे वनड ट्रॉफी मे मुंबई के लिए एक शतक और दो अर्द्धशतक कुल पांच मैचां में 332 रन बना कर राष्ट्रीय चयनकर्ताओं को खासा प्रभावित किय है।

सदस्यीय टीम

विराट कोहली (कप्तान), रोहित शर्मा (उप कप्तान), शिखर धवन, शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पांड्या, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), लोकेश राहुल (विकेटकीपर), युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, क्रुणाल पांड्या, वाशिंगटन सुंदर, टी नटराजन, भुवनेश्वर कुमार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, शार्दुल ठाकुर।

कमल, साथियान, मनिका और सुतीर्था ने किया टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई

दोहा, 19 मार्च (एजेंसियां)। अनुभवी टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंता शरथ कमल, जी साथियान, सुतीर्था मुखर्जी और मनिका बत्रा ने इस साल 23 जुलाई से शुरू होने वाले टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है। साथियान ने दो जीत के साथ एशियाई ओलंपिक क्वालीफिकेशन टूनार्मेंट में साउथ एशिया ग्रुप में टॉप पर पहुंचकर ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया। इस बीच, कमल ने गुरुवार को पांच ग्रुपों के बीच सर्वोच्च रैंक दूसरे स्थान पर रहकर टोक्यो का टिकट कटाया। महिला एकल में सुतीर्था मुखर्जी ने देश की मनिका बत्रा को हराकर ओलिंपिक का टिकट कटाया। हालांकि सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग होने के चलते बत्रा का भी टोक्यो में खेलना तय है।

टेबल टेनिस

टोक्यो ओलंपिक कमल का चौथा और साथियान, मनिकाद और सुतीर्था का पहला होगा। कमल ने कहा, मार्च 2020 से अब तक बहुत सी चीजें हुई हैं। मैं ओमान में चैंपियन बना और अच्छी लय में था और केवल दो सप्ताह में थाईलैंड में क्वालीफिकेशन मैच खेलने की तैयारी कर रहा था और अचानक सब कुछ एक ठहराव पर आ गया। मैंने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल की है और यह राहत की सांस है, खासकर इस साल। हालांकि यह मेरा चौथा ओलंपिक होगा, यह मेरा सर्वश्रेष्ठ ओलंपिक होगा।

कमल ने मनिका बत्रा के साथ मिलकर मिश्रित युगल के सेमीफाइनल में जगह बनाकर इस वर्ग में भी क्वालीफाई कर लिया है। शरत और मनिका की जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में मोहम्मद अब्दुल वहाब और कतर के महा फारमजी को 11-6, 11-6, 11-2, 11-3 से हराया। भारतीय जोड़ी को पहले राउंड में बाई मिला था।

पीएसएल 2021 जून में फिर से होगा शुरू

कराची, 19 मार्च (एजेंसियां)। खिलाड़ियों और सहायक स्टाफ के कोरोना से संक्रमित पाए जाने के बाद बीच में ही रोका गया पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) का मौजदू सत्र जून में फिर से शुरू होगा। इससे पहले 23 मई को एक सप्ताह का क्वारंटीन शुरू होगा, जिसके बाद निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत मैच खेले जाएंगे।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टूर्नामेंट के लिए दो विकल्प तैयार किए हैं। पहले विकल्प की बात करें तो इसमें छह जून से मुकाबले शुरू होंगे और हर दिन डबल हेडर मुकाबले खेले जाएंगे और 20 जून को फाइनल खेला जाएगा, जबकि दूसरे विकल्प के हिसाब से दो जून से मुकाबले शुरू होंगे और हर दिन एक मैच आयोजित होगा और 20 जून को फाइनल होगा। फ्रेंचाइजियां भी इसी विकल्प को प्राथमिकता दे रही हैं। पहले विकल्प के हिसाब से 10 दिनों में 16 मुकाबले खेले जाएंगे, जिसके बाद दो दिनों में फाइनल सहित तीन प्लेऑफ मुकाबले होंगे। दूसरे विकल्प में 13 दिनों में 16 मैच खेले जाएंगे, हालांकि अभी समय और क्वारंटीन के दिनों को लेकर विचार-विमर्श जारी है। पीएसएल प्रबंधन जल्द ही इस पर अंतिम फैसला लेगा।

पीसीबी और विभिन्न फ्रेंचाइजियों के बीच बीते दिनों हुई वर्चुअल बैठक में यह फैसला लिया गया था और सभी पक्षों ने ढाई महीने के भीतर कराची में टूर्नामेंट के दोबारा शुरू होने को लेकर खुशी जताई थी।

पीएसएल

संक्षिप्त समाचार

शशि शर्मा क्रिकेट में दहिया अकादमी की पहली जीत

नई दिल्ली। सरीफ के हरफनमौला खेल (23 और 3/30) और दिविक (65) और शिवम् भारद्वाज (62) की शानदार बल्लेबाजी की मदद से दहिया अकादमी ने पुश अकादमी को 21 रन से पराजित कर पहले शशि शर्मा मेमोरियल अंडर-19 क्रिकेट टूर्नामेंट के लीग राऊंड में अपनी पहली जीत हासिल की। सरीफ को स्पोर्ट सन मैन ऑफ़ द मैच का पुरस्कार टूर्नामेंट कमिटी के सदस्य साहिल गुलाटी और लव ने प्रदान किया। पहले खेलते हुए दहिया अकादमी की टीम 37.2 ओवर में 222 रन बनाकर आउट हो गयी पुश अकादमी की तरफ से लक्ष्य सहरावत और मणि शंकर यादव ने तीन -तीन और स्टेफेन वीग ने दो विकेट लिए। जबाब में पुश अकादमी की टीम मयंक गुप्ता 51 के वावजूद 34 ओवर में 201 रन बनाकर आउट हो गयी दहिया अकादमी के लिए सरीफ और प्रवेश ने तीन-तीन विकेट चटकाए।

विजन पांचाल के आलराउंड खेल से सपोर्टिंग आर एम क्रिकेट के सेमीफाइनल में

नई दिल्ली। विजन पांचाल के हरफनमौला खेल (5/28 और 40) और रोहन राठी (31अविजित) की उम्दा बल्लेबाजी की बदौलत स्पोर्टिंग क्लब ने एस एस स्पोर्ट्स को चार विकेट से पराजित कर पहले आर एम मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया जहाँ इनका मुकाबला 23 मार्च को गोल्डन होक्स क्लब से होगा जबकि पहला सेमीफाइनल एल बी शास्त्री और हरियाणा अकादमी की बीच 22 मार्च को होगा। फाइनल मैच 25 अप्रैल को होगा। पहले बल्लेबाजी करते हुए एस एस स्पोर्ट्स की टीम वीरेंदर दहिया के 61 रनों की मदद से 32.2 ओवर में 154 रन बनाकर आउट हो गयी। जवाब में स्पोर्टिंग क्लब ने टारगेट को 26.3 ओवर में 6 विकेट खोकर 155 रन बकर अपनी टीम को सेमीफाइनल में पहुंचाया। विजन पांचाल को टर्फ स्पोर्ट्स मैन ऑफ़ द मैच का पुरस्कार डीडीसीए के स्टेट पैनल अंपायर विपिन गुप्ता ने प्रदान किया।

कमलप्रीत ने तोडा डिसकस थ्रो का रिकॉर्ड और हासिल किया ओलम्पिक टिकट

पटियाला। कमलप्रीत कौर की 24वीं राष्ट्रीय फेडरेशन कप सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शुक्रवार को एक वैध थ्रो ने न केवल नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित कर दिया बल्कि उन्हें इस साल जुलाई अगस्त में होने वाले टोक्यो ओलंपिक में भी पहुंचा दिया। महिलाओं की हाई प्रोफाइल दौड बन गयी 200 मीटर स्पर्धा में असम की हिमा दास (23.21 सेकंड)ने गजब की तेजी दिखाते हुए एस धनलक्ष्मी (23.39ह्य) और अर्चना सुसीनद्रन (23.60) को पीछे छोड़कर स्वर्ण पदक जीत लिया। के एलाकियादासन ने पुरुषों की 200 मीटर और अय्यासामी धरुन तथा आर विद्या रामराज ने पुरुषों और महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ के खिताब अपने नाम किये ।

धीमी ओवर गति को लेकर इंग्लैंड पर जुर्माना

अहमदाबाद, 19 मार्च (एजेंसियां)। भारत के खिलाफ हुए चौथे टी20 मैच में धीमी ओवर गति के कारण इंग्लिश टीम पर जुर्माना लगाया गया है। आईसीसी ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। आईसीसी के मुताबिक इंग्लिश टीम पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। एमिरेट्स आईसीसी के एलीट पैनल ऑफ मैच रेफरी जवागल श्रीनाथ ने पाया कि इयोन मोर्गन की टीम निर्धारित समय में एक ओवर कम फेंक सकी थी।

प्लेयर्स और प्लेयर सपोर्ट पर्सन के लिए आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, खिलाड़ियों को उनकी मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना देना होगा क्योंकि वे आवंटित समय में ओवर पूरे करने में विफल रहते हैं। मोर्गन ने प्रस्तावित जुर्माने को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं थी।

ऑन-फील्ड अंपायर केएन अनंतपद्मनाभन, नितिन मेनन और थर्ड अंपायर वीरेंद्र शर्मा ने स्लो ओवर रेट को लेकर मैच रेफरी के सामने शिकायत की थी।

सिंधु व लक्ष्य सेन आल इंग्लैंड ओपन के क्वार्टर फाइनल में

बर्मिंघम, 19 मार्च (एजेंसियां)। मौजूदा विश्व चैंपियन और पांचवीं सीड पीवी सिंधू ने आसान जीत के साथ यहां जारी आल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। सिंधु के अलावा लक्ष्य सेन भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। सिंधु ने महिला एकल के अपने दूसरे दौर के मुकाबले में डेनमार्क की लिने क्रिस्टोफर्सन को केवल 25 ही मिनट में 21-8, 21-8 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। ओलंपिक रजत पदक विजेता सिंधु ने पूरे मैच के दौरान अपना दबबदा कायम रखा और लगातार 13 प्वाइंटस लेकर 25 मिनट में ही मुकाबला अपने नाम कर लिया। क्वार्टर फाइनल में अब सिंधु का सामना जापान की अकाने यामागुची से होगा। वहीं, पुरुष एकल में लक्ष्य सेन ने भी टूनार्मेंट के दूसरे दिन क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। सेन ने फ्रांस के थॉमस रोक्सेल को 53 मिनट तक चले मुकाबले में 21-18, 21-17 से मात दी। क्वार्टर फाइनल में अब सेन का सामना नीदरलैंडस के मार्क केलजोउ से होगा।

बैडमिंटन

महिला युगल में, अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी ने राउंड-16 में छठी सीड बुल्गारिया की गैब्रियला स्टोवा और स्टेफनी स्टोवा को 16-17, 21-10 से हराकर में क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अश्विनी और सिक्की रेड्डी अब शुक्रवार को नीदरलैंड की गैर वरीय सेलेना पीक और चेरिल सीन के साथ भिड़ेंगे। गैर वरीयता प्राप्त समीर वर्मा तीसरी सीड डेनमार्क के एंडर्स एंटोसेन से 20-22, 10-22 से प्री-क्वार्टर फाइनल में हार गए।

एचएस प्रणॉय को दुनिया के नंबर वन खिलाड़ी जापान के केंटो मोमोटा से 48 मिनट में 15-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। प्रणॉय की मोमोटा के खिलाफ यह लगातार आठवीं हार है। बी साई प्रणीत दूसरी सीड डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसेन से 21-15, 12-21, 12-21 से हार गए और टूनार्मेंट से बाहर हो गए।

पल्लेकेल बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच दो टेस्टों की मेजबानी करेगा

ढाका। बांग्लादेश की टीम दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका का दौरा करेगी और यह टेस्ट मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तहत खेले जाएंगे। ये दोनों टेस्ट पल्लेकेल इंटरनेशनल स्टेडियम में आयोजित होंगे। श्रीलंका क्रिकेट ने शुक्रवार को यह घोषणा की। बांग्लादेश को जुलाई 2020 में तीन टेस्ट खेलने थे। यह सीरीज कोरोना के कारण बदली गई और इसे अक्टूबर-नवंबर में खेला जाना था, लेकिन इस सीरीज को कोविड-19 महामारी के चलते स्थगित कर दिया।

बांग्लादेश की टीम अब 12 अप्रैल को श्रीलंका पहुंचेगी और 21 से 25 अप्रैल तथा 29 अप्रैल से तीन मई तक दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख निजामुद्दीन ने इस साल फरवरी में इस दौरे की पुष्टि करते हुए कहा था, %% हम जानते हैं कि श्रीलंका में कोविड-19 की स्थिति में काफी सुधार हुआ है। इंग्लैंड ने श्रीलंका का दौरा किया था और हमें बताया गया है कि यदि हम उसी प्रोटोकॉल का पालन करते हैं जो इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के दौरान रखे गए थे तो हम भी अपने टेस्ट मैच खेल सकते हैं।

बीसीसीआई ने टी-20 विश्व कप को लेकर पीसीबी की चिंताओं को किया संबोधित

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने साल के अंत में भारत में होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए पाकिस्तान क्रिकेट टीम, मीडिया और प्रशंसकों के भारत में प्रवेश संबंधी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और इसके प्रमुख एहसान मनी की चिंताओं को संबोधित किया है। जानकारी के मुताबिक बीसीसीआई ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को पत्र लिख कर यह सुनिश्चित किया है कि पाकिस्तानी क्रिकेट टीम या मीडिया किसी को भी टी-20 विश्व कप के लिए भारत आने में कोई परेशानी नहीं होगी। बीसीसीआई ने केंद्र सरकार के अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) को लिखे पत्र के हवाले से ओलंपिक समिति को यह आश्वासन दिया है कि किसी भी टीम को बहु उद्देश्यीय खेल प्रतियोगिता के लिए भारत में प्रवेश के लिए इंकार नहीं किया जाएगा। पीसीबी के प्रमुख मनी ने हाल ही में भारतीय वीजा को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा था कि अगर बीसीसीआई 31 मार्च तक पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए वीजा सुनिश्चित करने में असफल रहती है तो टी-20 विश्व कप को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में शिफ्ट कर दिया जाना चाहिए।

क्रिकेट *टी-20 में भारत-इंग्लैंड 2-2 की बराबरी पर*

निर्णायक मुकाबले से होगा सीरीज का फैसला

अहमदाबाद, 19 मार्च (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड के बीच शनिवार को यहां होने वाले पांचवें और अंतिम टी-20 मैच में दोनों देशों के बीच पांच मैचों की सीरीज का निर्णायक मुकाबला खेला जाएगा। भारत ने कल खेले गए चौथे मैच में इंग्लैंड के मुकाबले हर लिहाज से बेहतर प्रदर्शन किया। भारत ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 185 रन बनाने के बाद इंग्लैंड को आठ विकेट पर 177 रन पर रोक कर सीरीज में बराबरी हासिल करने वाली जीत अपने नाम की। इंग्लैंड ने इससे पहले तीसरा मैच आठ विकेट से जीता था, जबकि भारत ने दूसरा मैच सात विकेट से जीत कर सीरीज में 1-1 से बराबरी हासिल की थी।

इंग्लैंड ने पहला मैच आठ विकेट से जीता था। भारत ने दोनों देशों के बीच टेस्ट सीरीज 3-1 से जीती थी। दोनों देशों के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज 23 मार्च से शुरू हो रही है और भारतीय टीम वनडे सीरीज में विजयी अंदाज में उतरना चाहेगी, लेकिन इसके लिए उसे आखिरी टी-20 मुकाबला जीतना होगा जो पहले चार मैचों की तरह अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ही खेला जाएगा।

भारत के लिए चौथे मुकाबले में सबसे अच्छी बात ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या का चार ओवर की पूरी गेंदबाजी करना रहा। पांड्या ने चार ओवर डाले और 16 रन खर्च कर दो विकेट भी निकाले। अनुभवी तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर ने 42 रन खर्च कर तीन विकेट निकाले, जबकि स्पिन विभाग में राहुल चाहर ने 35 रन खर्च कर दो विकेट लिए। भुवनेश्वर कुमार को 30 रन खर्च कर एक विकेट हासिल हुआ।

इस हिसाब से देखा जाए तो भारत की गेंदबाजी काफी हद तक पांड्या पर निर्भर रही। पांड्या ने अपने चार ओवरों में कंजूसी के साथ गेंदबाजी करते हुए मात्र 16 रन दिए और जैसन रॉय तथा सैम करेन के विकेट झटके।

सूर्यकुमार ने अपने पदार्पण टी-20 मुकाबले में शानदार अर्ध शतक जड़ा और मैन ऑफ द मैच पुरस्कार भी ले उड़े। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने मैच के बाद कहा, %% सूर्यकुमार ने अपने पहले ही मैच में शानदार बल्लेबाजी की। वह ईशान किशन की तरह बिना किसी भय के खेले। हमारे पास इस मुकाबले के बाद कोई टी-20 मुकाबला नहीं है, इसलिए मैं चाहता हूं कि ये युवा खिलाड़ी अपने अंदर आत्मविश्वास महसूस करें। %%

सूर्यकुमार ने चौथे मैच में 28 गेंदों में अर्ध शतक पूरा किया और उन्होंने अपनी बल्लेबाजी में वह जज्बा दिखाया जिसकी विराट लगातार सीरीज शुरू होने के बाद से बात कर रहे थे। भारत को यह जीत उस पिच पर मिली जिस पिच पर भारत ने पहला मैच इंग्लैंड से गंवाया था। इंग्लैंड के बल्लेबाज आखिरी ओवर तक जाते-जाते अपनी ऊर्जा खो बैठे थे। इंग्लैंड को अंतिम ओवर में जीत के लिए 23 रन बनाने थे, लेकिन टीम लक्ष्य से आठ रन पीछे रह गई। बड़े लक्ष्य के सामने इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही थी।